भा.सां.सं.प.
भारतीय सांस्कृतिक
संबंध परिषद

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

संस्कृति से सेतु बंधन

वार्षिक रिपोर्ट
2021 22

ICCR
Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद

वार्षिक रिपोर्ट
2021-22

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम दुनिया को भारत की सोच और ताकत से, भारत की संस्कृति और सामाजिक शक्ति से परिचित कराएं। हमारी हजारों साल पुरानी संस्कृति और उसमें निहित आधुनिकता की बौद्धिकता से विश्व के ज्ञान को बढ़ाना हमारा दायित्व है।

श्री नरेन्द्र मोदी
भारत के माननीय प्रधानमंत्री

सॉफ्ट पावर बहुत ही समाज-संचालित गतिविधि है। सॉफ्ट पावर की खूबसूरती यह है कि यह नरम है क्योंकि यह सरकार द्वारा संचालित नहीं है। यह समाज के रचनात्मक आग्रह को दर्शाता है।

डॉ. एस. जयशंकर
माननीय विदेश मंत्री

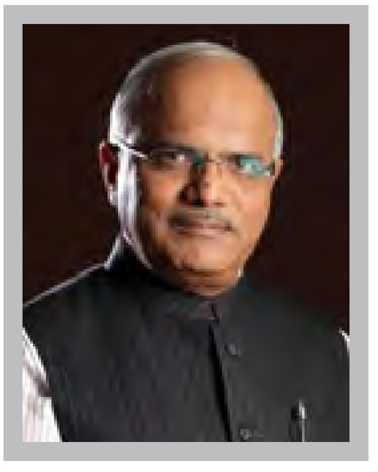

संदेश

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) भारत के वैश्विक सांस्कृतिक संबंधों या 'सौम्य संपदा' को बढ़ावा देने के लिए एक अद्वितीय संस्थागत तंत्र है। एक संगठन के रूप में भा.सां.सं.प., भारत के विचार, इसकी संस्कृति, मूल्यों, लोगों और इसकी सभ्यता के बारे में उचित बोध कराने की दिशा में प्रयासरत है। यद्यपि, विश्व के कोने-कोने में भारत की एक बेहतर साख है, लेकिन यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि हमारे देश को पर्याप्त रूप से समझा जाए और परिषद इस दिशा में अथक रूप से काम कर रहा है। पिछले वर्ष आरंभ की गई अनेक नवीन पहल के साथ, परिषद ने भारत की सांस्कृतिक कूटनीति को विश्व स्तर पर प्रस्तुत करने में अपनी भूमिका को व्यापक बनाया है, जो हमारी समृद्ध और विविध संस्कृति को अधिक सक्रिय रूप से दर्शाता है।

जैसा कि पूरा देश "आजादी का अमृत महोत्सव" (अकाम) मना रहा है, भा.सां.सं.प. ने पहले ही अपने मुख्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेशों में सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से इस ऐतिहासिक घटना के 75 सप्ताह तक मनाने के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए हैं। भा.सां.सं.प. ने फरवरी, 2022 में विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित अकाम सप्ताह समारोह में भी भाग लिया, जिसमें भा.सां.सं.प. द्वारा अपने मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में अनेक अन्य कार्यक्रमों के साथ सांस्कृतिक 'गाला ईवनिंग' का भी आयोजन किया गया था।

अकाम उत्सव के एक भाग के रूप में, भा.सां.सं.प. ने पिछले वर्ष अपने नए प्रमुख कार्यक्रमों में से एक, "जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेटिक नेटवर्क" कार्यक्रम आरंभ किया था। इस नई पहल के तहत, भा.सां.सं.प. विश्वभर से 75 लोकतंत्रों के युवा, उभरते, सामाजिक और राजनीतिक नेताओं की मेजबानी कर रहा है। आठ देशों के 39 प्रतिनिधियों का ऐसे समूह 25 नवंबर, 2021 से 02 दिसंबर, 2021 तक पहले ही भारत का दौरा कर चुके है।

भा.सां.सं.प. "पंडित दीन दयाल उपाध्याय मेमोरियल इंटरनेशनल ओरेशन" नामक एक वार्षिक व्याख्यान का आयोजन करता है, जिसे दिनांक 21 मई को विश्व संस्कृति दिवस के साथ आयोजित किया जाता है। व्याख्यान के चौथे संस्करण का विषय "भारत की पाक परंपराओं में अंतर्दृष्टि" था, जिसे एक प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और भारतीय पाक कला के इतिहास से जुड़े कुशल लेखक, डॉ. कोलीन टेलर सेन द्वारा दिया गया था। उन्होंने इतिहास में भारतीय पाक परंपराओं की एक संक्षिप्त समीक्षा की और भारत की 'पाक कला की यात्रा' के बारे में बातचीत की। भा.सां.सं.प. ने विदेशों में भारतीय भोजन और पाक कला के संवर्धन हेतु विदेशों में अपनी सेवा के माध्यम से पहचान बनाने वाले भारतीय रेस्तरां को उनके योगदान के लिए 'अन्नपूर्णा पुरस्कार' के साथ मान्यता प्रदान करने की भी घोषणा की है।

वर्ष 2018 में, भा.सां.सं.प. ने योग विज्ञान के बहु-आयामों का सूक्ष्म बोध विकसित करने के लिए प्रत्येक वर्ष योग पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की रीति आरंभ की। तदनुसार, भारत और विश्व में सातवें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह को मनाने के लिए, भा.सां.सं.प. ने दिनांक 21 से 22 जून, 2021 तक वर्चुअल पद्धति से "सार्वभौमिक कल्याण के लिए योग: भारतीय और अफ्रीकी परंपराओं के बीच समानताएं की खोज" विषय पर उबुंटू: अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों के महत्व और लाभ के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के उद्देश्य से भारत और अफ्रीकी देशों की पारंपरिक स्वास्थ्य और औषधीय प्रणालियों में समानताओं को उजागर करना था।

इसके अलावा, दिनांक 16 अक्तूबर, 2021 को "शिल्प, व्यंजन और रचनात्मकता के माध्यम से भारत की बेहतर साख बनाना-'सौम्य संपदा' का लाभ उठाना" विषय पर भा.सां.सं.प. और विदेश मंत्रालय तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद (अ.रा.स.प.) द्वारा संयुक्त रूप से वर्चुअल पद्धति के माध्यम से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में भारत की सॉफ्ट पावर के महत्वपूर्ण घटक अर्थात् शिल्प, पाक कला और सृजनात्मकता और उनका विशेषरूप से विदेशों में बसे भारतीयों के माध्यम से किस प्रकार से बेहतर तरीके से लाभ उठाया जा सकता है, विषय पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

भा.सां.सं.प. द्वारा भारत को बौद्ध अध्ययन से संबंधित क्रियाकलापों के लिए भारत को अधिकेंद्र बनाने की दिशा में काम करना अत्यंत स्वाभाविक है। यह पाया गया है कि इस उत्कृष्टता धर्म की उत्पत्ति का स्थान होने के बाद भी बौद्ध धर्म के विचार में भारत की प्रधानता और भारत के विचार में बौद्ध धर्म की प्रधानता को शैक्षिक पद्धति से रेखांकित किया जा रहा है। विश्वभर में भारतीय बौद्ध विचारों को प्रतिबिंबित करने के लिए, अक्तूबर, 2021 में, भा.सां.सं.प. ने वैश्विक बौद्ध सम्मेलन को आयोजित करने के क्रम में बौद्ध धर्म पर सात पूर्व-सम्मेलनों का आयोजन किया था, जोकि एक वार्षिक कार्यक्रम होता है। भा.सां.सं.प. ने बौद्ध धर्म से संबंधित क्रियाकलापों के लिए एक व्यापक कार्य योजना के एक भाग के रूप में बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए एक पुरस्कार की भी घोषणा की।

नवंबर, 2021 में भारतीय आध्यात्मिकता और वैदिक ज्ञान के मूल्यों और परंपराओं में संलग्न अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित भारतीय आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ "सौम्य संपदा के रूप में आध्यात्मिकता" विषय पर एक अंतक्रियात्मक सत्र आयोजित किया गया था। यह विदेशों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के विभिन्न पहलुओं को बढ़ावा देने में जुटे संगठनों के साथ तालमेल बनाने के लिए भा.सां.सं.प. की चल रही पहल का एक भाग था।

भारतीय संगीत के और प्रचार-प्रसार तथा इसे व्यापक श्रोताओं तक पहुंचाने में मदद करने के लिए भा.सां.सं.प. के नेतृत्व में मालिनी अवस्थी, अनु मलिक, पंडित संजीव अभ्यंकर, कौशल एस. इनामदार, पंडित शौनक अभिषेकी, मंजूषा पाटिल कुलकर्णी, रीता गांगुली और वासिफुद्दीन डागर जैसे प्रख्यात संगीतकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भारतीय वायुयान कंपनियों द्वारा संचालित उड़ानों में भारतीय संगीत बजाने का अनुरोध किया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकार ने इस पर सहमति व्यक्त की, इस आशय का एक परामर्श जारी किया और हम आभारी हैं कि कुछ वायुयान कंपनियों ने अब हमारे सुझाव को लागू किया है।

वर्ष 2021-22 के दौरान भा.सां.सं.प. द्वारा आरंभ किए गए विविध क्रियाकलापों के बारे में हमारे सभी पाठकों को बेहतर अंतर्दृष्टी प्रदान करने के उद्देश्य से, मुझे इस वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

(विनय सहस्रबुद्धे)

अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

A UTAMADUNI

प्राक्कथन

पिछले वर्ष एक संगठन के रूप में भा.सां.सं.प. ने समुत्थानशक्ति को एक बार पुन: सिद्ध किया है। कोविड महामारी द्वारा पैदा की गई कठिनाइयों ने वास्तविक पद्धति से आयोजित किए जा रहे क्रियाकलापों की गति को केवल मामूली रूप से ही प्रभावित किया। डिजिटल प्लेटफार्मों के उपयोग और उस पर मौजूदगी कई गुना बढ़ गई।

हमारा छात्रवृत्ति कार्यक्रम, जो संसाधनों और जनशक्ति दोनों के मामले में सबसे बड़ा क्रियाकलाप है, को ऑनलाइन कक्षाओं की नई अपेक्षा से जूझना पड़ा, लेकिन हमारे साझेदार संस्थानों ने कम से कम समग्र व्यवधान के साथ इसे बेहतर तरीके से निपटा। तथापि, अफगानिस्तान की राजनीतिक स्थिति ने भारत में अध्ययनरत अफगान छात्रों और अफगानिस्तान में मौजूद ऐसे छात्र, जो यहां कक्षाओं में शामिल होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, उनके लिए ऐसी कठिनाइयां पैदा कर दी, जिनका अनुमान लगाया जा सकता था। भा.सां.सं.प. ने सहानुभूतिपूर्वक और लचीलेपन के साथ इस समस्या से निपटा, जिसमें भारत में फंसे अधिकांश छात्रों को छात्रवृत्ति के साथ व्यवस्थीत किया। इसके अलावा, हमारे पूर्व छात्रों के लिए एक डिजिटल मंच बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ा।

भा.सां.सं.प. ने चल रहे आजादी के अमृत महोत्सव क्रियाकलापों में उत्साहपूर्वक भाग लेना जारी रखा और विदेशों में भारतीय मिशनों और पोस्टों को उनके कार्यान्वयन में मदद की। जब भी स्थिति अनुकूल हुई, हमारे सांस्कृतिक समूहों ने विभिन्न देशों में आयोजित होने वाले त्योहारों में हिस्सा लिया और उनमें अत्यपेक्षित जीवंतता और चमक का संचार किया। भा.सां.सं.प. के क्रियाकलापों के पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण परिवर्धन, 'जेननेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम' रहा, जिसके तहत 75 लोकतांत्रिक देशों के युवा नेता भारत का दौरा करेंगे। एक अन्य महत्वपूर्ण परिवर्धन, विभिन्न देशों में प्रदर्शन हेतु वंदे भारत सांस्कृतिक दलों को भेजना था। फरवरी, 2022 में विदेश मंत्रालय के अकाम सप्ताह के समापन दिवस पर परिषद द्वारा भारत की उत्कृष्ट सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत और इसकी कलात्मक संपदा को प्रदर्शित करते हुए एक भव्य प्रदर्शन का आयोजन किया गया था।

भा.सां.सं.प. ने हमारे समृद्ध शिल्प परम्पराओं और पारंपरिक/ लोक कला पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक शिल्प मेला "कोऐलेसेंस" के आयोजन के साथ नए क्षेत्रों में भी प्रवेश किया। हमने भारतीय संगीत के धुरंधर पंडित भीमसेन जोशी और उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के नाम पर दो नए अध्येतावृत्ति कार्यक्रम आरंभ किए। परिषद ने बौद्ध धर्म पर एक नया अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार संस्थापित किया और बौद्ध धर्म पर मुख्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी हेतु आठ पूर्व-सम्मेलन आयोजित किए।

संगठनात्मक रूप से, रिक्तियों को भरने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए और विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों की भर्ती पूर्ण की गई। विभिन्न मिशनों में भारतीय संस्कृति के शिक्षकों का चयन और तैनाती की गई। हिंदी के संवर्धन हेतु, राजभाषा समिति द्वारा भा.सां.सं.प. की गगनांचल पत्रिका को अपने 'कीर्ति पुरस्कार' से सम्मानित कर हमारे कार्य को पहचान दी गई।

श्रीमद्भगवद्गीता में कहा गया है 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' (2.47), जिसमें सभी लोगों को केवल कर्म पर ध्यान केंद्रित करने और इन कर्मों के फलों का कारण नहीं बनने के लिए कहा गया है। जब हम वर्ष 2021-22 के दौरान भा.सां.सं.प. के कार्यो पर दृष्टि डालते हैं, तो हमारे मन में एक संतुष्टि का भाव आता है।

कुमार तुहिन
महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

विषय-सूची

भा.सां.सं.प. - परिचय	15
भा.सां.सं.प. - संगठनात्मक संरचना	16-19
भा.सां.सं.प. - भारतीय सांस्कृतिक केंद्र	20-55
भा.सां.सं.प. के क्षेत्रीय कार्यालय	56-75
भा.सां.सं.प. - कार्यक्रम	76-77
भा.सां.सं.प. - देश से बाहर जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल	78-90
भा.सां.सं.प. - विदेशों से देश में आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल	91-99
भा.सां.सं.प. - प्रदर्शनियाँ	100-103
भा.सां.सं.प. - आवक्ष प्रतिमाएं और मूर्तियां	104-105
भा.सां.सं.प. - अध्ययन पीठ	106-107
भा.सां.सं.प. - सम्मेलन और संगोष्ठियां	108-114
भा.सां.सं.प. द्वारा सहयोग की गई और समर्थित सम्मेलन और संगोष्ठियां	115-118
भा.सां.सं.प. - आगंतुक कार्यक्रम	119-121
भा.सां.सं.प. - छात्रवृत्ति और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का कल्याण	122-124
हिंदी का संवर्धन	125-128
भा.सां.सं.प. - पुरस्कार	129-130
भा.सां.सं.प. - अन्य कार्यक्रम	131-132
भा.सां.सं.प. - विशेष परियोजनाएं	133-134
भा.सां.सं.प. - वित्त और लेखा	135-136
भा.सां.सं.प. - अनुलग्नक	137-143

73rd Republic Day of India
26 January, 2022

आज़ादी का
अमृत महो

INDIAN
CULTURAL CENTER
TEL AVIV

Azadi Ka
Amrit Mahotsav

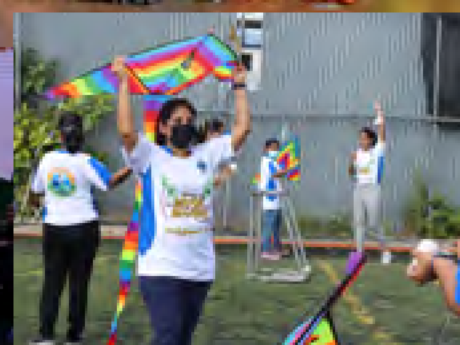

Vande Bharatam

महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान
Mahatma Gandhi Institute
for

Happy Dussehra
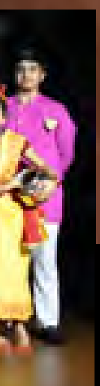
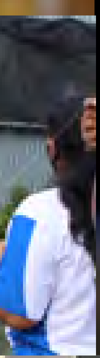
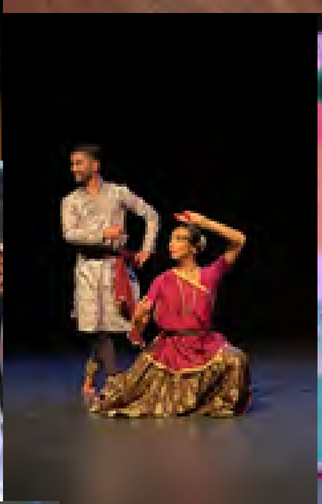

India@75
DIWALI
Celebrations 2021

विश्व हिन्दी
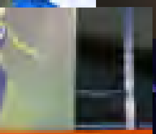
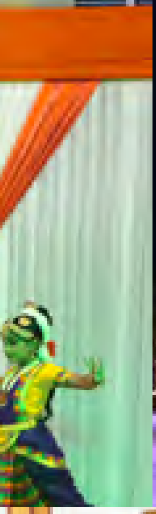

73RD REPUBLIC DAY OF INDIA
HIGH COMMISSION OF INDIA, COLOMBO

Embassy of India
Tashkent

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

Indian Council for Cultural Relations
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद

परिचय

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन है जिसकी स्थापना 1950 में विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और शेष विश्व के साथ सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के समग्र अधिदेश के साथ की गई थी। इसके क्रियाकलापों में भारतीय कला, इतिहास, मौखिक परंपराओं, नृत्य, संगीत, योग, भाषाओं, भोजन, त्योहारों और समकालीन मुद्दों जैसे विषयों पर विभिन्न पहुंच संबंधी क्रियाकलापों के माध्यम से सांस्कृतिक, अकादमिक और बौद्धिक आदान-प्रदान और विदेशों में भारत की संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है।

भा.सां.सं.प., सोसाइटी अधिनियम के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है। यह विदेश मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वतंत्र निकाय के रूप में काम करता है। भा.सां.सं.प., अपने 37 अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्रों और 18 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से वैश्विक समुदाय के साथ भारतीय संस्कृति का बोध कराने की दिशा में काम करता है। पिछले सात दशकों के दौरान, एक संस्थान के रूप में भा.सां.सं.प. के कामकाज ने भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में नए आयाम प्राप्त किए हैं और यह बेहतर तरह से डिजाइन किए गए और लक्षित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से विदेश मंत्रालय की 'सौम्य संपदा' शाखा के रूप में उभरा है।

भा.सां.सं.प. की सभी क्रियाकलापों का उद्देश्य भारत की एक प्रीतिकर और चिरस्थायी छवि बनाने और विदेशों में भारत की 'सौम्य संपदा' को बढ़ावा देने के लिए अपनी विरासत, मूल्यों और दर्शन के प्रसार के माध्यम से लोगों के ह्दय और मस्तिष्क तक पहुंच बनाना है। परिषद, विद्वानों, शिक्षाविदों, विचारकों, कलाकारों और लेखकों के एक दूसरे के देश द्वारा आदान-प्रदान करने के साथ-साथ विदेशों में संगोष्ठियों और परिसंवाद की सुविधा मुहैया कराने, प्रदर्शन कला समूहों द्वारा यात्राओं के आदान-प्रदान, प्रदर्शनियों को एक दूसरे के देश में आयोजित करने, विदेशों में भारतीय नेताओं की आवक्ष प्रतिमाओं और मूर्तियों को संस्थापना करने आदि की सुविधा प्रदान करता है। परिषद, भारत में अध्ययन के लिए विदेशी छात्रों हेतु छात्रवृत्ति योजनाएं भी संचालित करता है और हितों के विभिन्न विषयों पर भारत में संगोष्ठियों और परिसंवाद के आयोजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विदेशों में विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन के लिए पीठों की स्थापना और भरण-पोषण तथा अध्यापकों की नियुक्ति भी करता है और विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के लिए पुरस्कार भी प्रदान करता है।

परिषद, सांस्कृतिक कूटनीति में संलग्न एक उत्कृष्ट संस्थान के नाते भारत और भागीदार देशों के बीच बौद्धिक आदान-प्रदान का प्रायोजक होने पर गर्व महसूस करता है और भारत की सर्वोत्कृष्ट सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति का प्रतीक है।

भा.सां.सं.प.

संगठनात्मक ढांचा

संगठनात्मक स्तर पर भा.सां.सं.प. का नेतृत्व अध्यक्ष करते हैं। परिषद का कार्यकारी प्रमुख महानिदेशक होता है, जो विदेश मंत्रालय द्वारा प्रतिनियुक्त भारतीय विदेश सेवा से सचिव या अपर सचिव स्तर का अधिकारी होता है। महानिदेशक को उप महानिदेशकों (भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी) और भा.सां.सं.प. संवर्ग के निदेशकों और अधिकारियों और संगठन द्वारा सलाहकार और ऑउटसोर्स कर्मचारियों के रूप में नियुक्त पदाधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

दिल्ली स्थित मुख्यालय, विभिन्न कार्यक्रमों और परिषद के समग्र प्रशासन, आयोजना और वित्तीय प्रबंधन के लिए समर्पित अनुभाग हैं। इन अनुभागों का नेतृत्व निदेशक, वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक और कार्यक्रम निदेशक करते हैं।

इन अनुभागों में शामिल हैं: (i) प्रशासन, स्थापना और क्षेत्रीय कार्यालय, (ii) वित्त और लेखा, (iii) भारतीय सांस्कृतिक केंद्र और योग संवर्धन, (iv) छात्रवृत्ति (v) अध्ययन पीठ, (vi) सम्मेलन और संगोष्ठी, (vii) हिंदी संवर्धन, (viii) आउटगोईंग कल्चरल डेलीगेशन (ओसीडी), (ix) इनकमिंग कल्चरल डेलीगेशन (आईसीडी), (x) प्रदर्शनी, आवक्ष प्रतिमाएं और मूर्तियां, (xi) आगंतुक कार्यक्रम, (xii) भा.सां.सं.प. पुरस्कार, (xiii) प्रकाशन और पुस्तकालय, (xiv) सामान्य समन्वय, (xv) प्रेजेंटेशन, (xvi) ईजी एंड आईटी (xvii) विशेष परियोजनाएं।

भा.सां.सं.प., भारत के विभिन्न राज्यों में अपने 18 क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेशों में 37 भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से भी सेवाएं प्रदान करता है।

सांविधिक निकाय

भा.सां.सं.प., अपने संविधान द्वारा अभिशासित है। परिषद के क्रियाकलापों की देखरेख इसके तीन सांविधिक निकायों- सामान्य सभा, शासी निकाय और वित्त समिति द्वारा की जाती है। यह निकाय आवधिक अंतराल पर समग्र मार्गदर्शन और दिशा प्रदान करते हैं; भा.सां.सं.प. के बजट और वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी देते हैं। यह निकाय कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और परिषद के कार्यकरण की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक करते हैं। इन सांविधिक निकायों के सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है ।

सामान्य सभा की बैठक

सामान्य सभा के सदस्यों को विभिन्न क्षेत्रों से नामित किया जाता है। ऐसे व्यक्ति, जिनमें सरकारी मंत्रालय/विभाग, कला, संस्कृति, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र से प्रतिष्ठित संस्थान और प्रसिद्ध कलाकार और अन्य शामिल हैं।

सामान्य सभा के सदस्यों की सूची **अनुलग्नक: 1** में दी गई है।

वर्ष 2021-22 में आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने आईसीसीआर की महासभा के अध्यक्ष का पद भी संभाला था। महासभा में तीन उपाध्यक्ष होते हैं। वर्ष 2021-22 में श्री हर्षवर्धन श्रृंगला, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली - पदेन उपाध्यक्ष, श्री हंस राज हंस, उपाध्यक्ष, आईसीसीआर और संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली और श्री अद्वैत चरण गडनायक, उपाध्यक्ष, आईसीसीआर और महानिदेशक, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली तीन उपाध्यक्ष थे।

शासी निकाय

परिषद के संविधान के अनुसार, शासी निकाय में आम सभा के चयनित सदस्य शामिल होते हैं।

शासी निकाय के सदस्यों की सूची **अनुलग्नक: 2** में दी गई है।

वर्ष 2021-22 में, आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, आम सभा के अध्यक्ष थे । आम सभा के तीन उपाध्यक्ष: श्री हर्षवर्धन श्रृंगला, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली - पदेन उपाध्यक्ष, श्री हंस राज हंस, उपाध्यक्ष, आईसीसीआर और संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली और श्री अद्वैत चरण गडनायक, उपाध्यक्ष, आईसीसीआर और महानिदेशक, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली थे।

वित्त समिति

वित्त समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होते हैं :

(i) अध्यक्ष का चुनाव, वित्त समिति द्वारा किया जाता है

(ii) महानिदेशक, भा.सां.सं.प.

(iii) वित्तीय सलाहकार, भा.सां.सं.प./विदेश मंत्रालय

(iv) भारत सरकार का एक नामिती

(v) सामान्य सभा के दो प्रतिनिधि, और

(vi) शासी निकाय का एक प्रतिनिधि

श्री दीपक करंजीकर वर्ष 2021-22 में आईसीसीआर की वित्त समिति के अध्यक्ष थे।

कार्यक्रम समिति

आईसीसीआर के संविधान के खंड 3 (4) के तहत, आईसीसीआर के अध्यक्ष डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने श्री करण सिंह छेत्री, श्रीमती ज्ञानानंद देशपांडे, श्रीमती रुचि सूद, श्री मुकेश अग्रवाल, उप महानिदेशक (संस्कृति) और उप महानिदेशक (विशेष परियोजनाएं) के साथ श्री विवेक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम समिति का गठन किया।

समिति आईसीसीआर के संबंधित वर्गों की मदद से सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करेगी, जिससे कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से लागू करने में मदद मिलेगी।

शासी निकाय और सामान्य सभा की बैठकें

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान हाइब्रिड पद्धति से जीबी और जीए की दो बैठकें क्रमशः दिनांक 11 दिसंबर, 2021 और 31 मार्च, 2022 को आयोजित की गई।

भा.सां.सं.प. में भर्ती

भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कार्यक्रम अधिकारी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, सहायक, वरिष्ठ आशुलिपिक, कनिष्ठ आशुलिपिक और अवर श्रेणी लिपिक के पद पर 33 नए कर्मियों ने कार्यभार ग्रहण किया है।

नवनियुक्त कर्मियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल को मंजूरी दे दी गई है और जुलाई, 2022 के माह से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

भा.सां.सं.प. में इंटर्नशिप कार्यक्रम

मानविकी, जनसंचार, पत्रकारिता, डिजाइनिंग, नृविज्ञान, इतिहास, कला, पुरातत्व विज्ञान, भाषा, संग्रहालय विज्ञान और ललित कला में स्नातक की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता और 25 वर्ष की अधिकतम आयु वाले छात्रों के लिए भा.सां.सं.प. में प्रशिक्षुता कार्यक्रम आरंभ किया गया था। स्नातकोत्तर/शोध छात्र और विदेशी भाषा के छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षुता कार्यक्रम 'सौम्य संपदा' कूटनीति तैयार करने और भा.सां.सं.प. द्वारा इसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया आरंभ करता है जिसमें आवेदकों को दो-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाता है। प्रशिक्षुता कार्यक्रम का पहला चरण, भा.सां.सं.प. के मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में पूरा किया गया था। उन प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षुता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया जिन्होंने भा.सां.सं.प. में अपनी प्रशिक्षुता सफलतापूर्वक पूरी कर ली है।

विदेशों में आईसीसी निदेशकों की तैनाती

विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों के लिए निदेशकों की तैनाती के लिए चयन प्रक्रिया पूरी हो गई है। नए चयनित निदेशकों को रिक्तियां होने पर जल्द ही अपेक्षित देशों में तैनात किया जाएगा।

एस-व्यास, बेंगलुरु में भा.सां.सं.प. द्वारा भारतीय संस्कृति के पेनलबद्ध शिक्षकों (टीआईसी) के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

भा.सां.सं.प. ने एस-व्यास बेंगलुरु में दिनांक 07 से 13 मार्च, 2022 तक भारतीय संस्कृति के 47 पेनलबद्ध शिक्षकों (टीआईसी) के लिए एक सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम की व्यवस्था की। इस अभिविन्यास के सफल समापन के पश्चात् इन पेनलबद्ध टीआईसी को अभिविन्यास कार्यक्रम के उपरांत योग और भारतीय संस्कृति सिखाने के लिए विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों /मिशनों / पोस्टों पर तैनात किया जाएगा।

भा.सां.सं.प.
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र

विदेशों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता और अवबोध को बढ़ावा देने के लिए, परिषद वर्तमान में, विश्वभर में 37 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से कार्य करता है। ये केंद्र देश में भारतीय दूतावास/मिशन के साथ मिलकर कार्य करते हैं और मेजबान देश और भारत के बीच तालमेल को बढ़ावा देने और संबंधों को सुदृढ़ करने में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ये केंद्र विदेशों में भारत की संस्थागत सांस्कृतिक पहुंच का प्रमुख साधन हैं और सांस्कृतिक, शैक्षिक और बौद्धिक क्रियाकलापों की एक व्यापक श्रृंखला के माध्यम से अपनी 'सौम्य संपदा ' को विश्व के समक्ष रखने, अन्य बातों के साथ-साथ भारतीय नृत्य, संगीत, योग, भाषाओं, भोजन, त्योहारों, इतिहास, लोकाचार और परंपराओं और समकालीन मुद्दों सहित भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं के ज्ञान, जानकारी और बोध को बढ़ावा देते हैं।

ये केंद्र ऐसे देशों में स्थित हैं जहां भारत के महत्वपूर्ण रणनीतिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक हित हैं, साथ ही उन देशों में स्थित हैं, जहां एक बड़ा भारतीय समुदाय है। इसमें भारत के निकटतम पड़ोसी देश, दक्षिण पूर्व एशिया के साथ-साथ मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देश शामिल हैं। मौजूदा केंद्रों ने भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों और आपसी समझ को बढ़ावा देने और उसे सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । उनके क्रियाकलाप राजधानी के शहरों तक ही सीमित नहीं हैं जहां अधिकांशतया वे स्थित हैं, बल्कि देश के अन्य क्षेत्रों को भी कवर करते हैं।

केंद्र, महत्वपूर्ण घटनाओं को मनाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। परिषद ने 172 देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 के समारोहों को सुविधाजनक बनाकर विश्वभर में योग को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए हैं। परिषद ने विदेशों में अपने आईसीसी और मिशनों में योग शिक्षकों को तैनात किये हैं। हमारे राष्ट्रीय दिवस- गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस- उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाए जाते हैं। वार्षिक कैलेंडर के अन्य कार्यक्रमों में भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस, हिंदी दिवस, टैगोर जयंती, संविधान दिवस और होली और दिवाली जैसे भारतीय त्योहार शामिल हैं। ये, प्रवासी भारतीयों को देश से जुड़ा हुआ रखते हैं और स्थानीय आबादी को भारत की झलक प्रदान करते हैं। आईसीसी विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों जैसे प्रदर्शनियों, खान-पान उत्सव, भारत के त्योहारों और शास्त्रीय कला प्रदर्शनों आदि का आयोजन करते हैं। यह हमारी संस्कृति का एक समिश्रण प्रस्तुत करते हैं और हमारी समृद्ध विरासत का एक झरोखा बन जाते हैं।

अफगानिस्तान में अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), काबुल, अफगानिस्तान कार्य नहीं कर रहा है ।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए विभिन्न आईसीसी के क्रियाकलापों का सारांश निम्नानुसार है:

14
DENPASAR
FESTIVAL

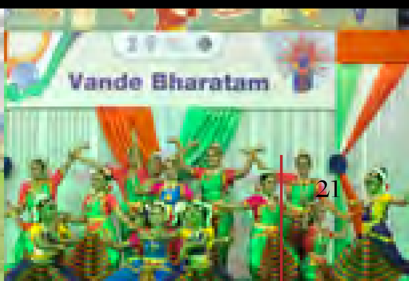
Vande Bharatam

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, सिडनी ने वर्ष 2021-22 के दौरान विविध ऑनलाइन / ऑफलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों और क्रियाकलापों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस **(क)** सिडनी संस्कृत स्कूल में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन करके, और **(ख)** लिटिल गुरु ऐप आरंभ करके प्रवासी भारतीयों में संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की पहल को बढ़ावा दिया, जिसे एनएसडब्ल्यू (न्यू साउथ वेल्स) के समुदाय और शिक्षाविदों से गर्मजोशी से प्रतिक्रिया मिली। मार्क एलन - भारतीय अध्ययन के विशेषज्ञों में से एक ने लिटिल गुरु ऐप की शुरआत की सुविधा भी प्रदान की। महामारी के बीच, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 के अवसर पर, केंद्र ने योग वीडियो, फोटो शूट और योग क्विज प्रतियोगिता सहित अनेक पहलों का आयोजन किया। इन क्रियाकलापों को विशेष रूप से बच्चों और योग उत्साही लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 को बड़े पैमाने पर मिल्सन्स के बिंदु ब्रैडफील्ड पार्क में आयोजित किया गया था, जहां समुदाय के सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से योग सत्रों के लिए आमंत्रित किया गया था, जैसा कि आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आईडीवाई प्रोटोकॉल वीडियो में प्रदर्शित किया गया था।

भारत गणराज्य के 75वें स्वतंत्रता दिवस पर एसवीसीसी ने आजादी का अमृत महोत्सव के समारोह की शुरुआत की। शुभकामनाओं की मेडली; "मिले सुर मेरा तुम्हारा", वर्चुअल उत्सव के माध्यम से भारतीय ऑस्ट्रेलियाई समुदाय की विविधता का जश्न मना रहा है । केंद्र द्वारा भारतरत्न पंडित भीमसेन जोशी के जन्म शताब्दी वर्ष का जश्न मनाने के लिए भारत के संगीत उस्तादों के साथ एक विशेष इंटरैक्टिव सत्र की श्रृंखला "अर्घ्य - एक संगीतमय श्रद्धांजलि" का आयोजन किया गया था ।

इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (आईजीसीसी), ढाका, बांग्लादेश

आईजीसीसी ने संपूर्ण वर्ष विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया। आईजीसीसी, ढाका द्वारा भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस और अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पर वर्चुअल प्रदर्शन का आयोजन किया गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर और काजी नजरूल इस्लाम को उनकी जयंती पर भारत और बांग्लादेश के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा कविता कथन और गीत प्रस्तुति कर सांस्कृतिक संध्या के आयोजन के माध्यम से विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। आईजीसीसी ने दिनांक 16 जून, 2021 को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2021) को प्रसिद्ध योग विशेषज्ञ श्री कुशल रॉय जॉय द्वारा "योग के माध्यम से प्रतिरक्षा और स्वास्थ्य, कल्याण के लिए योग" और प्रसिद्ध भारतीय पाक विशेषज्ञ, सुश्री कौशानी देसाई द्वारा आयुर्वेद खाना पकाने के प्रदर्शन पर एक वेबिनार का आयोजन किया। मुजीब बोरशो समारोह के भाग के रूप में, दिनांक 13 अगस्त, 2021 को आईजीसीसी ने एक वर्चुअल पद्धति से पुस्तक पढ़ने और चर्चा सत्र का आयोजन किया, जिसमें भारत और बांग्लादेश के प्रख्यात शिक्षाविदों ने भाग लिया ।

आजादी के अमृत महोत्सव के भाग के रूप में, आईजीसीसी ने "भारत के राष्ट्रीय आंदोलन" विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता और एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। केंद्र द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्य, संगीत और योग पर अनेक ऑफलाइन और ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की गई। आईजीसीसी ने युवाओं के साहस का जश्न मनाते हुए चटगांव शस्त्रागार छापे पर दिनांक 14 सितंबर, 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया। दिनांक 06 अक्तूबर, 2021 को, आईजीसीसी ने बंगाल फाउंडेशन के सहयोग से एक प्रख्यात इतिहासकार और लेखक, सुश्री रोकेया सुल्ताना की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया।

सुश्री त्रिना मजूमदार के नेतृत्व में त्रिशूल जनजातीय मंडली, ढाका के 12 सदस्यों ने बीएसएफ शिविर, अगरतला में आयोजित भारत-बांग्लादेश मित्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिनांक 11 से 13 दिसंबर, 2021 तक अगरतला की यात्रा की। साथ ही, श्री अनीसुल इस्लाम "हीरो" के नेतृत्व में 12 सदस्यीय सृष्टि मंडली ने दिनांक 16 दिसंबर, 2021 को बीएसएफ शिविर, छावला, दिल्ली में आयोजित भारत-बांग्लादेश मित्रता के 50 वर्ष पूरे होने पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली की यात्रा की।

नेहरू वांगचुक सांस्कृतिक केंद्र (एनडब्ल्यूसीसी), थिम्पू, भूटान

भूटान

सांस्कृतिक केंद्र ने भूटान में कोविड-19 के प्रकोप से उत्पन्न चुनौतियों के कारण भौतिक, डिजिटल और हाईब्रिड पद्धति से संयुक्त के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित किया। भारतीय दूतावास और सांस्कृतिक केंद्र ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक क्रियाकलापों की मेजबानी करने हेतु सहयोग किया। दिनांक 24 जुलाई, 2021 को इंडिया हाउस में *आषाढ़ पूर्णिमा* मनाई गई, जहां 'रॉयल हाइनेस केसांग वांगमो वांगचुक' मुख्य अतिथि थे। मिशन ने भूटान में India@75 अमृत महोत्सव विशेष सप्ताह मनाने के लिए दिनांक 02 से 07 अगस्त, 2021 तक अनेक क्रियाकलापों और कार्यक्रमों की मेजबानी की ।

अकाम उत्सव का विषय बौद्ध धर्म था। गुरु रिनपोछे की जयंती के शुभ अवसर पर कमल की मुद्रा में भगवान बुद्ध की मंद मुस्कान में 3.3 फीट ऊंची कांस्य की ढलवां प्रतिमा (परिषद द्वारा तैयार कराई गई) दिनांक 19 जून 2021 को भारत की ओर से भूटान को भेंट के रूप में सौंपी गई। पर्यटन मंत्रालय के साथ साझेदारी में, एनडब्ल्यूसीसी ने भारत में आठ प्रतिष्ठित बौद्ध स्थलों के एक वर्चुअल दौरे का आयोजन किया, जिसे दिनांक 26 अक्तूबर, 2021 को धर्माचार्य शांतम सेठ और प्रोफेसर रवींद्र पंथ द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया था। यह बीबीएस टेलीविजन पर भी प्रसारित किया गया था। एनडब्ल्यूसीसी ने 18 से 35 वर्ष की आयु के इच्छुक भूटानी फैशन डिजाइनरों के लिए "भारत और भूटान को बांधने वाला बौद्ध धर्म का धागा" विषय पर एक परिधान डिजाइन प्रतियोगिता की भी मेजबानी की गई।

एनडब्ल्यूसीसी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, गांधी जयंती समारोह, हिंदी दिवस, *विश्व हिंदी दिवस*, आयुर्वेद दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, *मकर संक्रांति* जैसे अन्य नियमित वार्षिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ *संस्कृत* भाषा सीखने के ऐप *'लिटिल गुरु'* का शुभारंभ किया, देखो *अपना देश प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, 'भूटान फॉर भारत'* बैंड द्वारा योग पर एक विशेष म्यूजिक वीडियो आरंभ करने और 'इंडिया हाउस रिक्रिएशनल सेंटर' का उद्घाटन किया।

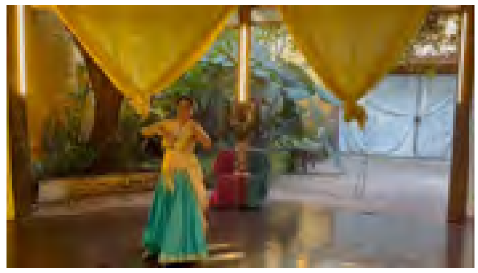

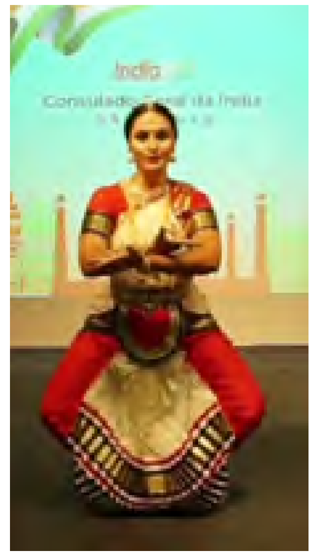

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), साओ पाउलो, ब्राजील

"आजादी का अमृत महोत्सव" समारोह अप्रैल, 2021 में साओ पाउलो राज्य के संस्कृति और रचनात्मक अर्थव्यवस्था सचिवालय के साथ साझेदारी में आयोजित साओ पाउलो में प्रतिष्ठित 'म्यूजियम ऑफ इमिग्रेशन' में **"इंडिया डे"** 'कर्टेन रेजर' कार्यक्रम के साथ एसवीसीसी, साओ पाउलो द्वारा आरंभ किया गया था। अक्तूबर, 2021 में, 'महात्मा' नामक एक विशेष प्रदर्शनी, तिराडेंट्स मेट्रो स्टेशन गैलरी में आयोजित की गई थी।

'अकाम' समारोह के भाग के रूप में अन्य प्रमुख कार्यक्रमों में 'द एसेंस ऑफ इंडिया: डांस एंड म्यूज़िक परफॉर्मेंस इन क्लासिकल एंड फोक स्टाइल्स' नामक दो दिवसीय वर्चुअल कार्यक्रम शामिल था। *'India@75: अचीवमेंट्स एन्ड एस्पिरेशन' पर* एक पैनल चर्चा और *'भारत के स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों'* पर एक चर्चा का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक केंद्र ने भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए वेबिनार, संगोष्ठी, वार्ता और कार्यक्रम आयोजित किए। महापरिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में *'दी लेगेसी ऑफ डॉ बी.आर. अंबेडकर टू इंडिया एंड टू दी वर्ल्ड'* का आयोजन किया गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती मनाने के लिए मई, 2021 में साओ पाउलो विश्वविद्यालय के साथ *'रिमेम्बरिंग टैगोर'* वेबिनार का आयोजन किया गया था। जून, 2021 में *'मेडिटेशन एंड योग: कनेक्टिंग बॉडी एंड माइंड'* पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था। सांस्कृतिक केंद्र ने सातवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए 21 योग स्कूलों के साथ साझेदारी में वेबिनार, चर्चा और अभ्यास सत्र सहित पचपन कार्यक्रम आयोजित किए थे। दिसंबर, 2021 में, केंद्र ने 5वीं लैटिन अमेरिकी आयुर्वेद बैठक (ईएलएए) का सह-आयोजन किया।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बीजिंग, चीन

वर्ष 2021-22 की शुरुआत, भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस के आयोजन के साथ हुई, दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को भा.सां.सं.प. के पूर्व छात्रों और उनके छात्रों ने एसवीसीसी, बीजिंग में समारोह का नेतृत्व किया, जिसके दौरान राजदूत ने भारतीय संस्कृति का संवर्धन करने और उसे बढ़ावा देने के लिए भा.सां.सं.प. के पूर्व छात्रों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। चीन के प्रमुख विश्वविद्यालयों के संस्कृत के प्राध्यापकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जहां 'लिटिल गुरु' संस्कृत ऐप को आरंभ किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों कार्यक्रम शामिल थे। बीजिंग में साथी मिशनों के राजनयिकों के लिए एक योग सत्र का आयोजन किया गया।

दशहरा मेला अकाम के तहत प्रमुख कार्यक्रम था जिसमें भारतीय खान-पान के स्टालों, व्यंजनों, कला, हस्तशिल्प, वस्त्र और प्रवासी सदस्यों, भारत के मित्रों और अन्य लोगों द्वारा भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले प्रदर्शनों सहित अन्य पहलू शामिल थे। प्रवासी भारतीय दिवस पर प्रवासी भारतीयों को "रामलीला" भेंट की गई।

एसवीसीसी ने योग, शास्त्रीय नृत्य, बॉलीवुड नृत्य, तबला, हिंदुस्तानी गायन और हिंदी पर नियमित कक्षाएं भी आयोजित की। चीनी दर्शकों के लिए माह के अंत में भारतीय फिल्म स्क्रीनिंग और एससीओ परिवार के लिए सिनेमास्कोप फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन भी किया गया।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), प्राग, चेक गणराज्य

कोविड-19 महामारी के दौरान आयुर्वेद के माध्यम से योग और जीवन शैली प्रबंधन पद्धति को प्रोत्साहित करके समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना सुनिश्चित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व, प्रसिद्ध चार्ल्स स्क्वायर, प्राग, कार्लोवी वैरी और कुटना होरा के यूनेस्को विरासत स्थलों सहित चेक गणराज्य के विभिन्न स्थानों पर योग प्रदर्शन और व्याख्यान आयोजित किए गए थे। मसरिक विश्वविद्यालय और आयुर्वेद विश्वविद्यालय में दैनिक जीवन में योग पर आयुर्वेद और योग से होने वाले लाभ पर वार्ता आयोजित की गई थी।

जनवरी, 2022 में प्रतिष्ठित 'अकाम' सप्ताह को रवींद्रनाथ टैगोर की एक आवक्ष प्रतिमा के दान के साथ मनाया गया था जिसे कोमारोविस में विंसेंक लेस्नी के जन्मस्थान पर टैगोर विद्वान की आवक्ष प्रतिमा के साथ लगाया जाएगा। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में प्राग फिल्म स्कूल में चुनिंदा दर्शकों के लिए *गांधी* फिल्म दिखाई गई और इसके बाद फिल्म पर चर्चा हुई। स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। प्रश्नोत्तरी, चित्रकला और खेल-कूद कार्यक्रम आयोजित किए गए। काशी उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें इंडोलॉजिस्ट डॉ. स्ट्रनाड ने 'संत कबीर पर पुराने हिंदी के दोहों को समझना, संपादित करना और उनका अनुवाद करना' विषय पर व्याख्यान दिया ।

भारत दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, भारतीय व्यंजनों के साथ-साथ भारतीय हस्तशिल्प, परिधान, जीवन शैली और आयुर्वेदिक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। ओणम, पोंगल, मकर संक्रांति, विजया दशमी, गणेश चतुर्थी, काली पूजा, नवरात्रि और रथयात्रा के अवसर पर भारतीय समुदाय के साथ भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक समृद्धि को प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मौलाना आजाद सेंटर फॉर इंडियन कल्चर (एमएसीआईसी), काहिरा, मिस्र

'एमएसीआईसी' ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न स्थिति स्वयं को अनुकूलित करते हुए स्थिति के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों पद्धतियों से गतिविधियों का आयोजन किया था। जून, 2021 से आरंभ होकर, 'एमएसीआईसी' ने दिनांक 19 जून, 2021 को 'इंडिया हाउस' में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 के कर्टेन रेजर के साथ बाहरी क्रियाकलाप आरंभ किए, जिसमें विभिन्न देशों के राजनयिकों और मिस्र की प्रमुख सांस्कृतिक हस्तियों ने भाग लिया। काहिरा के बाल संग्रहालय हेलियोपोलिस में दिनांक 21 जून, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 पूरे उत्साह के साथ मनाया गया ।

'एमएसीआईसी' ने मिस्र में विभिन्न स्थानों पर 'भारत संस्कृति दिवस', दिनांक 25 अगस्त, 2021 को सुप्रीम काउंसिल ऑफ कल्चर में 'भारत-मिस्र सांस्कृतिक संबंध' पर संगोष्ठी, 25 सितंबर, 2021 को बैरन पैलेस में अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 'गौटर' में भागीदारी और दिनांक 06 दिसंबर, 2021 को बैरन पैलेस में 'भारत-बांग्लादेश मैत्री दिवस' समारोह जैसे अनेक बाहरी क्रियाकलापों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों को इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया दोनों में व्यापक रूप से कवर किया गया था।

आजादी का अमृत महोत्सव (अकाम) समारोह के तहत, 'एमएसीआईसी' ने India@75 चित्रकला प्रतियोगिता, India@75 प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और देशभक्ति गीत प्रतियोगिता जैसे अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। मिस्र और उत्तरी अफ्रीका की सबसे ऊंची संरचना, 187 मीटर लंबे 'काहिरा टॉवर' को दिनांक 15 अगस्त, 2021 को पहली बार तिरंगे से जगमगाया गया था। 'एमएसीआईसी' ने काहिरा ओपेरा हाउस में दिनांक 03 से 06 अक्तूबर, 2021 तक 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल' का आयोजन किया। 'एमएसीआईसी'ने भा.सां.सं.प. द्वारा भेजे गए समूह 'अन्वेषना' की मेजबानी की। उन्होंने दिसंबर, 2021 के पहले सप्ताह के दौरान पोर्ट सईद, इस्माइलिया और अलेक्जेंड्रिया में प्रदर्शन किया। उन्होंने दिनाँक 06 दिसंबर, 2021 को बैरन पैलेस में आयोजित भारत-बांग्लादेश मैत्री दिवस के लिए एक रंगारंग और शानदार प्रदर्शन भी किया।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सुवा, फिजी

फिजी में महामारी के फैलने के कारण, ज्यादातर कार्यक्रम वर्चुअल रूप से आयोजित किए गए थे। जब स्थिति ठीक हुई तो सामान्य रूप से कार्यक्रम आयोजित किए गए। 5 संस्थानों के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 मनाया गया, जिन्होंने योग के वीडियो साझा किए, जिन्हें टेलीविजन चैनलों (फिजियन ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज और फिजी टेलीविजन लिमिटेड) पर प्रसारित किया गया था। दिनांक 16 अप्रैल, 2021 को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) का 71वां स्थापना दिवस परिषद के पूर्व छात्रों की भागीदारी के साथ मनाया गया। परिषद द्वारा "माई इम्प्रेशन ऑफ इंडिया एन्ड वॉट इंडिया मीन्स टू मी" विषय पर आरंभ की गई अंतर्राष्ट्रीय ब्लॉगिंग वीडियो प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं के वीडियो भी चलाए गए। केंद्र द्वारा संस्कृत लर्निंग ऐप "लिटिल गुरु" भी शुभारंभ किया गया था। आजादी का अमृत महोत्सव का उद्घाटन फिजी गणराज्य सरकार के रोजगार, उत्पादकता और औद्योगिक संबंध तथा युवा और खेल मंत्री माननीय अल्विक महाराज ने किया।

एसवीसीसी ने वर्चुअल कवि सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें फिजी के 11 हिंदी कवियों ने भाग लिया। केंद्र द्वारा विश्व संस्कृति दिवस मनाने के लिए एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार जनवरी, 2021 को प्रवासी भारतीय सम्मान सम्मेलन के दौरान साईं प्रेमा फाउंडेशन फिजी के निदेशक श्री सुमित तप्पू को प्रदान किया गया।

एसवीसीसी, सुवा ने वर्चुअल रूप से व्यापक पैमाने पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 मनाया। समारोह में योग पेशेवरों के साथ कार्यक्रम-पूर्व चर्चा और प्रख्यात हस्तियों के साथ 'कर्टेन-रेजनर' शामिल थे। योग संस्थानों और पेशेवरों के साथ संयुक्त रूप से विशेष योग वीडियो तैयार किए गए थे, और उन्हें स्थानीय टेलीविजन नेटवर्क और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से प्रसारित किया गया था।

"फिजी गिरमिट की विरासत को संरक्षित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए कदम" और "बदलती पहचान, बदलते रुझान और भूमिकाएं" विषय पर अलग-अलग ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए गए। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस, 2021 पर "हेल्थ एंड वेलनेस" विषय पर एक विशेष आयुर्वेद उत्सव का आयोजन किया गया था। अन्य क्रियाकलापों के अलावा, एसवीसीसी ने भारतीय मिशन के साथ मिलकर भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनकी 66वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए "महापरिनिर्वाण दिवस" का भी आयोजन किया।

जर्मनी

टैगोर सेंटर (टीटीसी), बर्लिन, जर्मनी

टैगोर सेंटर (टीटीसी) गतिविधियों की एक व्यापक श्रंखला के माध्यम से भारतीय संस्कृति को अपने समग्र रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करता है, जिसमें व्यापक पहुंच के लिए संगठनों और संस्थानों के साथ सहयोग की परिकल्पना की गई है। साझेदारी के माध्यम से सांस्कृतिक संवाद की प्रक्रिया ने जर्मन निवासियों के बीच भारत की बेहतर समझ को बढ़ावा देने में योगदान दिया है।

कोविड-19 महामारी प्रतिबंधों के कारण, केंद्र ने डिजिटल विकल्पों को अपनाया और अनेक वर्चुअल प्लेटफार्मों पर कार्यक्रम आयोजित किए। केंद्र ने शास्त्रीय संगीत समारोह, आयुर्वेद व्याख्यान श्रृंखला, रवींद्र जयंती, संविधान दिवस, गांधी जयंती, दुर्गा पूजा, विश्व हिंदी दिवस वेबिनार (गौटिंगेन, हीडलबर्ग और उप्साला विश्वविद्यालयों और अमीकल ईवी बर्लिन के सहयोग से) और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 जैसे ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया। केंद्र ने सितंबर, 2021 में इंडो-जर्मन फिल्म सप्ताह आयोजित करने के लिए इंडो-जर्मन फिल्म्स के साथ भी सहयोग किया। जर्मन दर्शकों के बीच भारतीय भाषाओं और पारंपरिक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए केंद्र द्वारा नियमित रूप से ऑनलाइन योग, ध्यान और हिंदी कक्षाओं का आयोजन किया गया।

वर्ष 2021-22 का मुख्य आकर्षण नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती मनाने के लिए उनके दुर्लभ, व्यक्तिगत पत्रों और कलाकृतियों की विशेष प्रदर्शनी थी, जिसका उद्घाटन दिनांक 23 जनवरी, 2022 को किया गया था। एक अन्य आकर्षण, दिनांक 11 नवंबर, 2021 को 'गॉड इज ए ड्रमर' शीर्षक से त्रिलोक गुर्टू के एक संगीत कार्यक्रम को प्रायोजित करने और दिनांक 14 नवंबर, 2021 को मेघालय से 'फोक फ्यूजन बैंड'- समरसाल्ट के प्रदर्शन के माध्यम से 'इंडिया वीक, हैम्बर्ग' में केंद्र की भागीदारी थी। केंद्र ने म्यूनिख शहर, बवेरियन स्टेट चांसलरी और टीम थिएटर के साथ चार कन्नड़ नाटकों को जर्मन में अनुवाद करने के लिए भी भागीदारी की, जिन्हें दिनांक 21 अप्रैल, 2021 को आयोजित 'ग्लोबल थिएटर फेस्टिवल' में प्रस्तुत किया गया था। दिनांक 26 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर, केंद्र ने 750 मिलियन सूर्य नमस्कार अभियान को बढ़ावा देने के लिए सूर्य नमस्कार पर विशेष ध्यान देने के साथ एक योग प्रदर्शन भी आयोजित किया।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), जॉर्जटाउन, गुयाना

स्वामी विवेकानंद भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी) की गतिविधि, कोविड-19 महामारी के कारण लगातार लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अत्यंत सीमित हैं। उच्चायुक्त ने जॉन आश्रम और संस्कार भारती से बातचीत की, उन्होंने उन्हें भा.सां.सं.प. से प्राप्त संगीत वाद्ययंत्र भी भेंट किए। दिनांक 16 अप्रैल को, उच्चायुक्त ने गुयाना, एंटीगुआ और बारबुडा, सेंट किट्स एंड नेविस और एंगुइला में संस्कृत सीखने के लिए वर्चुअल माध्यम से एक विशेष ऐप भा.सां.सं.प. पहल 'लिटिल गुरु' शुभारंभ किया। 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व, गुयाना के विभिन्न स्थानों पर योग 'कर्टेन रेजर' के रूप में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिसका समापन दिनांक 19 जून को जॉर्जटाउन, गुयाना में एक भव्य आयोजन के रूप में हुआ, जिसमें गुयाना के कुछ मंत्रियों और पूर्व राष्ट्रपति सहित अनेक गण्यमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

15 अगस्त को 'आजादी के अमृत महोत्सव' (अकाम) के भाग के रूप में एसवीसीसी में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मंत्रियों सहित अनेक स्थानीय गण्यमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। एकेएएम कार्यक्रम के आयोजन में, पल्मायरा में भारतीय आगमन स्मारक पर भारतीय तिरंगे को डिजिटली रूप से प्रदर्शित किया गया था। दिनांक 30 सितंबर को सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर एक माह का उत्सव एसवीसीसी में एक फोटो प्रदर्शनी के साथ आरंभ हुआ। भारतीय उच्चायोग और एसवीसीसी ने दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को प्रोमेनेड गार्डन में महात्मा गांधी की 152वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम के दौरान गुयाना के राष्ट्रपति सहित गुयाना के प्रमुख नेताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

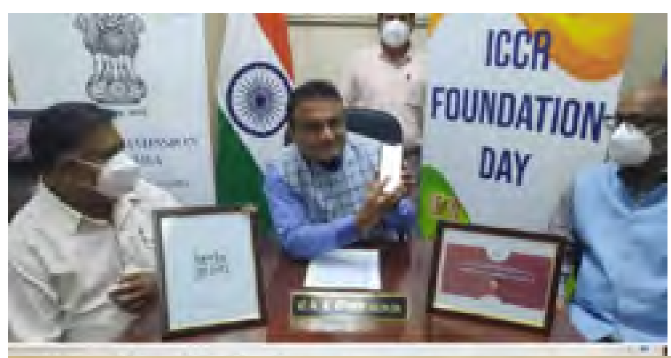

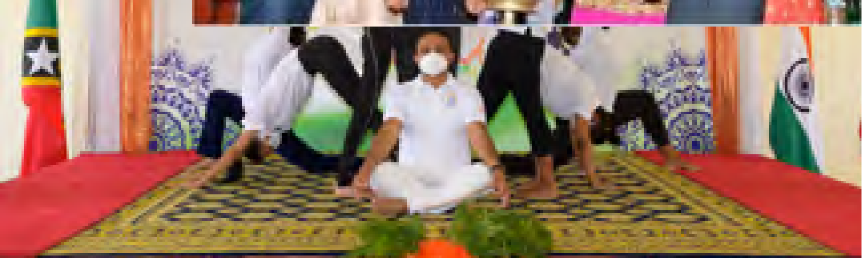

अमृता शेरगिल सांस्कृतिक केंद्र (एएसजीसीसी), बुडापेस्ट, हंगरी

अमृता शेरगिल सांस्कृतिक केंद्र, बुडापेस्ट ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 110 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रमों में, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विषयों से संबंधित गतिविधियों और कार्यक्रमों के साथ-साथ आजादी का अमृत महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, Gandhi@150, Tagore@160, अम्बेडकर जयंती, राष्ट्रीय दिवस जैसे विशेष समारोह, भारत के महत्वपूर्ण त्योहार, हंगरी के सांस्कृतिक त्यौहारों के साथ-साथ विशेष रूप से संग्रहित किए गए ऑडियो-विजुअल और डिजिटल विषयवस्तु शामिल हैं। वर्ष 2021 का मुख्य आकर्षण महिला सशक्तिकरण, प्रवासियों को जोड़ना आदि जैसे विषयों के इर्द-गिर्द तैयार किए गए विशेष अकाम सप्ताह, पखवाड़े और कार्यक्रम शामिल थे। इस वर्ष की घटनाक्रम में विशेष बल स्कूल, कॉलेज, संग्रहालय, कला दीर्घाएं, नगरपालिका, भारतीय समुदाय आदि के साथ अधिकाधिक सहयोगात्मक प्रयास करना है। आकर्षक मार्गरेट द्वीप पर बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जिसमें सैकड़ों योग उत्साहियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। केंद्र ने एकेएएम को मनाने के लिए मानवीय कार्यक्रमों का आयोजन किया।

गुरुदेव टैगोर की 160वीं जयंती के उपलक्ष्य में बालाटनफ्यूरेड के मेयर के साथ साझेदारी में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 'टैगोर और हंगेरियन कनेक्शन' विषय पर वार्ता और व्याख्यान आयोजित किए गए। नवंबर माह के दौरान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'स्पिरिट ऑफ फ्रीडम: थ्रू ब्रूनर्स पेंटिंग्स' शीर्षक से एक और महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जहां हंगरी के चित्रकार एलिजाबेथ ब्रूनर के चित्रों को प्रदर्शित करते हुए थ्यूरी संग्रहालय के नागीकानिस्ज़ा में एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी, जिसमें भारत के स्वतंत्रता सेनानियों और नेताओं जैसे गांधी, टैगोर, सरोजिनी नायडू को दर्शाया गया था।

अंत में, एएससीसी ने 'इंडिया हंगरी डायलॉग्स' के 14 धारावाहिकों जैसी चल रही श्रृंखला 'कुटफो, कल्चर टॉक्स' के 14 धारावाहिकों और वर्तमान में चल रही श्रृंखला 'डायस्पोरा डायरी' के 15 धारावाहिकों जैसे विशेष वीडियो पत्रिकाओं और साक्षात्कार कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया। इन सभी वीडियो और डिजिटल विष्यवस्तु ने एकेएएम की विशाल पहुंच और उसे मनाने में मदद की है।

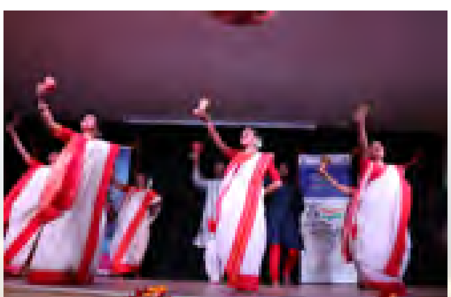

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बाली, इंडोनेशिया

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, बाली ने वर्ष 2021-22 के दौरान अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। कोविड-19 महामारी के कारण केंद्र ने कार्यशालाओं, वेबिनार और कार्यक्रमों जैसी ऑनलाइन क्रियाकलापों पर ध्यान केंद्रित किया । कवि सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस, विश्व संस्कृति दिवस, रवींद्रनाथ टैगोर जयंती जैसे कार्यक्रमों को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर बहुत सराहा गया। एसवीसीसी बाली ने योगमंत्र बाली के सहयोग से जूम ऐप के माध्यम से ऑनलाइन योग कक्षाएं संचालित की। एसवीसीसी बाली में नियमित रूप से ओडिसी नृत्य की वास्तविक रूप से कक्षाएं आयोजित की गई।

दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस के अवसर पर 'साड़ी कैसे पहनें' पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इंडोनेशिया, मलेशिया, बांग्लादेश और कजाकिस्तान के विभिन्न नृत्य रूपों के वीडियो अपलोड करने के माध्यम से ऑनलाइन कार्यक्रमों के जरिए, क्रमशः दिनांक 29 और 30 अप्रैल, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया गया । दिनांक 09 मई 2021 को रवींद्रनाथ टैगोर की 160वीं जयंती और दिनांक 21 मई, 2021 को विश्व संस्कृति दिवस, दिनांक 23 जनवरी, 2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती ऑनलाइन पद्धति से मनाई गई। इंडोनेशिया पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) और योगमंत्र बाली के सहयोग से दिनांक 20 जून, 2021 को नुसा धर्म द्वीप, बाली, इंडोनेशिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जेएनसीसी), जकार्ता, इंडोनेशिया

कोरोना महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के चलते, केंद्र द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों पद्धतियों से क्रियाकलाप आयोजित किए गए । जेएनसीसी, जकार्ता द्वारा नियमित तबला और योग कक्षाएं आयोजित की गईं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 को मनाने के लिए, वर्चुअल योग सत्रों की श्रृंखला के वीडियो प्रसारित किए गए थे ।

दिनांक 25 सितंबर, 2021 को श्री अरुण समक द्वारा फोटोग्राफी और बर्डिंग से परिचय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। आईटीईसी और भा.सां.सं.प. पूर्व छात्र दिवस, गांधी जयंती और अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस, मैत्री दिवस, गणतंत्र दिवस आदि जैसे विशेष अवसरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जेएनसीसी ने दिनांक 31 अक्तूबर, 2021 को सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ खान-पान मेला कार्यक्रम का आयोजन किया। केंद्र ने "केसमान इंडिया-इंडोनेशिया द नेक्स्ट स्टेप" के एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया। राष्ट्रीय एकता सप्ताह के उपलक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

केंद्र ने प्रवासी भारतीय दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, छठे आयुर्वेद दिवस सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी मनाए।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), तेहरान, ईरान

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, तेहरान (एसवीसीसी) ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' (अकाम) समारोह के तहत विभिन्न क्रियाकलापों/ कार्यक्रमों का सक्रिय रूप से आयोजन किया। ईरान में चल रही कोविड-19 महामारी के कारण अधिकांश कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर निलोफर रेजाई मालेकी और उनके समूह द्वारा 'योग पोस्टर प्रतियोगिता', 'योग क्विज प्रतियोगिता' और 'योग आसन प्रदर्शन' नामक तीन 'कर्टेन रेजर' कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें उत्साह के साथ बढ-चढकर भाग लिया। पहली बार, एसवीसीसी, तेहरान द्वारा एक योग पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें 40 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

हिंदी भाषा और योग को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय लोगों के लिए जुलाई, 2021 के माह में ऑनलाइन कक्षाएं आरंभ हुई। कक्षाओं में काफी उत्साह देखने को मिला। भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक *'अतुल्य भारत'* वर्चुअल श्रृंखला भी प्रसारित की गई थी ।

स्वतंत्रता दिवस (अगस्त, 2021) के अवसर पर, केवी स्कूल के छात्रों के लिए 'इंडिया ऑफ माई ड्रीम्स' विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता और 'भारत के त्योहार' विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। राष्ट्रगान के प्रचार के लिए, कलाकार तारा घेहरमाणि द्वारा राष्ट्रीय गान की एक संतूर प्रस्तुति को रिकॉर्ड किया गया और सोशल मीडिया पर प्रदर्शित किया गया ।

भारतीय प्रवासियों के साथ जुड़ाव के रूप में, सितंबर, 2021 में "कनेक्टिंग विद द रूट्स-ए म्यूजिकल इवनिंग विद द इंडियन कम्युनिटी" नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें एक ईरान की संगीत मंडली ने प्रदर्शन किया था। कार्यक्रम के दौरान एसवीसीसी द्वारा निर्मित एक लघु फिल्म जारी की गई, जिसने समुदाय को पंजाबी भाषा और साहित्य के साथ अपने जुड़ाव को दोबारा पुनर्जीवित करने में सक्षम बनाया।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), तेल अवीव, इज़राइल

आईसीसी तेल अवीव ने वर्ष 2021-22 की शुरुआत, *विश्व हिंदी दिवस* के वर्चुअल समारोह के साथ की, जिसके बाद *विवेकानंद जयंती समारोह* आयोजित किए गए, जिसमें दोनों देशों के युवा प्रवासी शामिल हुए। *मलिदा और सुक्कोट* जैसे यहूदी त्योहार, आईसीसी में भारतीय यहूदी प्रवासियों के साथ मिलकर मनाए गए। फरवरी माह में, आईसीसी तेल अवीव ने प्रवासी भारतीयों के लिए साप्ताहिक ऑनलाइन मराठी भाषा कक्षाओं के उद्घाटन बैच का शुभारंभ किया, जिसने जबरदस्त सफलता दर्ज की है। मार्च, 2021 में होली के त्योहार के अवसर पर, आईसीसी तेल अवीव ने इजरायल में सोशल मीडिया हस्तियों और युवा यहूदी समुदाय को शामिल करते हुए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। अप्रैल में, इजरायल में भा.सां.सं.प. के पूर्व छात्रों द्वारा भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस के अवसर पर एक विशेष प्रदर्शन कर मनाया गया। भारतीय-इजरायल संगीत कलाकारों के समूह के लिए साप्ताहिक कक्षाओं का तीसरा संस्करण अप्रैल, 2021 में आरंभ हुआ। एसटीईएम क्षेत्रों में शामिल इज़राइल में भारतीय छात्र समुदाय की उपलब्धियों को बढ़ावा देने की दिशा में, आईसीसी तेल अवीव ने मई, 2021 में *विज्ञान वार्ता* मासिक वेबिनार श्रृंखला आरंभ की।

सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह की शुरुआत इजरायली पत्रकारों के लिए एक विशेष-योग कार्यक्रम के साथ हुई जो दिनांक 24 जून को तेल अवीव के जाफा में ऐतिहासिक केदुमिम स्क्वायर में एक बड़े सार्वजनिक योग कार्यक्रम और एक भारतीय संगीत कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। अगस्त, 2021 में, *लोकल फॉर ग्लोबल* अभियान के भाग के रूप में, आईसीसी ने इजरायली दर्शकों को भारतीय कला-वस्तुओं के निर्माण का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करके भारतीय हस्तशिल्प और भारतीय कारीगरों को बढ़ावा देने हेतु मासिक *"क्रिएट योर ओन इंडियन आर्टवर्क"* वर्चुअल वर्कशॉप श्रृंखला आरंभ की। *'आजादी का अमृत महोत्सव'* के भाग के रूप में, आईसीसी तेल अवीव ने अगस्त में "भारत में यहूदी आराधनालयों" पर एक विशेष कला प्रदर्शनी और सितंबर माह में *सुक्कोट* उत्सव में एक भारतीय व्यंजनों पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। नवंबर माह में, आईसीसी में भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई थी जिसमें भारतीय और इजरायल पर्यटन क्षेत्रों के हितधारक शामिल थे।

विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (वीसीसी), टोक्यो, जापान

कोविड-19 महामारी के बावजूद, वर्ष 2021-2022 में अनेक महत्वपूर्ण क्रियाकलाप किए गए। इनमें सबसे उल्लेखनीय, बौद्ध जुड़ाव था, जिसका उदाहरण मई में राजदूत की नागानो में ज़ेंकोजी मंदिर की यात्रा से मिलता है, जिसमें जापान में सबसे पुरानी ज्ञात बौद्ध प्रतिमा है, माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। जुलाई माह में, दो बौद्ध प्रदर्शनियां आयोजित की गईं, नामतः प्रसिद्ध बौद्ध चित्रकार कोसेत्सु नोसु पर प्रदर्शनी और सम्मेलन तथा ज़ेन मास्टर हाकुइन एकाकू के कार्यों पर एक प्रदर्शनी । मई और अक्तूबर माह में, बौद्ध धर्म पर ऑनलाइन सम्मेलन क्रमशः डिस्कवर इंडिया क्लब और ओटानी विश्वविद्यालय, क्योटो के साथ साझेदारी में आयोजित किए गए थे।

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव (अकाम) के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती, अम्बेडकर जयंती, गांधी जयंती, महापरिनिर्वाण दिवस आदि पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्तरी जापान के निगाता प्रान्त में टोकामाची इंडिया फेस्टिवल जैसे स्थानीय त्यौहार भी आयोजित किए गए। वीसीसी ने एकेएएम के भाग के रूप में "डिजिटल डांस सीरीज़" नामक नृत्य प्रदर्शन वीडियो की एक साप्ताहिक श्रृंखला जारी की, जिसमें जापान और भारत के 30 से अधिक कलाकारों / समूहों को दिखाया गया था। इस सीरीज को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। नवंबर, 2021 में "बुके ऑफ कल्चरल पर्फामेंसिज" विषय से कार्यक्रम और "साड़ी एंड बुके" नामक एक फैशन शो, इस विषय में भारतीय और जापानी पारंपरिक संस्कृति के समिश्रण और गण्यमान्य व्यक्तियों की भागीदारी के साथ महत्वपूर्ण गतिविधियां थी।

भागीदार के रूप में अनेक योग संगठनों के सहयोग से संपूर्ण जापान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। टोक्यो स्काईट्री में आईडीवाई उत्सव अपने विशिष्ठ स्थल के लिए उल्लेखनीय था। वीसीसी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए "डिजिटल योग श्रृंखला" विषय से योग अनुदेशात्मक श्रृंखला की एक सीरीज़ भी जारी की जिसे पूरी तरह से संगठन में तैयार किया गया था।

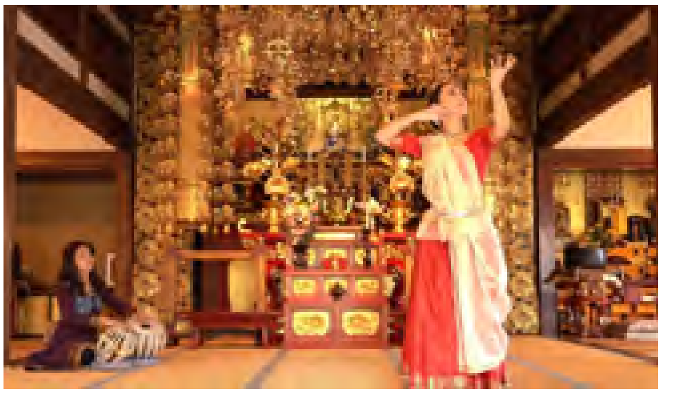

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), नूर-सुल्तान, कजाकिस्तान

एसवीसीसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके सांस्कृतिक क्रियाकलापों की गति को बनाए रखने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है क्योंकि कोविड-19 के कारण वास्तविक रूप से कार्यक्रम आयोजित करना मुश्किल हो गया है। एसवीसीसी ने अपनी पहुंच बढ़ाने का अवसर प्राप्त किया। यह अब, देश के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधा प्रदान कर रहा है ।

अप्रैल, 2021 से जनवरी, 2022 की अवधि के दौरान, एसवीसीसी ने अकाम के तहत 125 प्रमुख क्रियाकलापों का आयोजन/सुविधा प्रदान की, स्थानीय त्योहारों / मेलों में भागीदारी की, भारतीय त्योहारों का आयोजन किया और योग को बढ़ावा दिया। यह 125 क्रियाकलाप, प्रस्तुतियों/प्रदर्शनों तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि विभिन्न प्रदर्शनों/प्रस्तुतियों का समूह थी। कोविड की स्थिति में सुधार के साथ, आगामी वित्तीय वर्ष के दौरान क्रियाकलापों की प्रमात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), माले, मालदीव

आईसीसी द्वारा दिनांक 04 मई, 2021 को "सर्वे संतु निरामया" नामक एक ऑनलाइन वैश्विक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र ने दिनांक 09 मई, 2021 को विभिन्न क्रियाकलापों के साथ रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती वर्चुअल रूप से मनाई। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र ने स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-व्यास) विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, भारत के आईटीईसी पूर्व छात्र फातिमाह इब्राहिम द्वारा व्याख्यान-प्रदर्शन के साथ 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

जुलाई, 2021 में मालदीव में India@75 आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का शुभारंभ भारत के उच्चायुक्त महामहिम श्री संजय सुधीर द्वारा किया गया था। भारतीय सांस्कृतिक केंद्र ने अगस्त, 2021 में स्वतंत्रता दिवस समारोह और जनवरी, 2022 में गणतंत्र दिवस समारोह को मनाने के लिए दो रक्तदान शिविर आयोजित किए थे। अगस्त, 2021 में India@75 क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया था। सितंबर, 2021 में एक क्षेत्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया था ।

समकालीन और शास्त्रीय भारतीय संगीत और नृत्य और धिवेही संगीत और नृत्य को मनाने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। नवंबर 2021 में, एकेएएम समारोह के भाग के रूप में विभिन्न दशकों के गीतों को समर्पित *बॉलीवुड नाइट* की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी। केंद्र द्वारा मालदीव के अन्य सरकारी संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से समुद्र तट की सफाई और आउटडोर योग सत्रों सहित विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

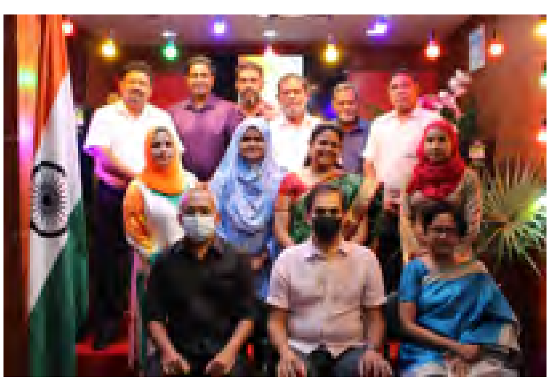

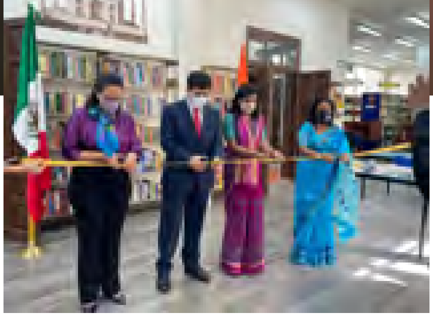

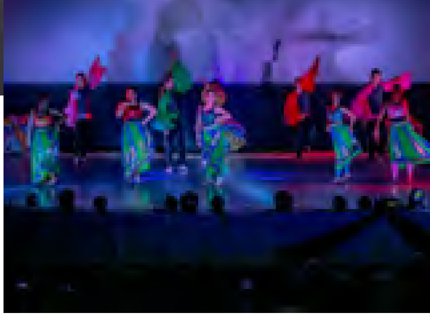

मेक्सिको

गुरुदेव टैगोर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (जीटीआईसीसी), मेक्सिको सिटी, मेक्सिको

जीटीआईसीसी ने वर्ष के दौरान सक्रिय रूप से ऑफलाइन और ऑनलाइन क्रियाकलापों का आयोजन किया जिसमें आईआईटी, खड़गपुर के सहयोग से पट्टचित्र कथा और अमाते प्रिंट्स कार्यशाला शामिल थी, जिसमें भारतीय कला और मैक्सिकन कला के बीच संबंधों पर प्रकाश डाला गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए भारत के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, श्री मधुर भंडारकर और मैक्सिको के कोलमेक्स विश्वविद्यालय की अध्यक्ष सिल्विया जियोरूगुली ने इस प्रमुख आयोजन में भाग लिया।

आजादी का अमृत महोत्सव को मनाने के लिए केंद्र ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को एक 'कर्टेन रेजर' कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र ने 08 मई, 2021 को टैगोर और उनके आध्यात्मिक राष्ट्रवाद-स्वाधीनता पर चर्चा का आयोजन किया। दिनांक 29 जून, 2021 को संत कबीर पर एक पुस्तक का विमोचन किया गया था, जिसका विमोचन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, भारत के प्रोफेसर निरंजन सहाय द्वारा किया गया था। केंद्र ने दिनांक 09 दिसंबर, 2021 को 'टू स्टेप्स फॉरवर्ड, वन ग्लांस बैकवर्ड' विषय पर 04 दिवसीय मेगा कॉन्क्लेव का आयोजन किया, जिसे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (केयू) के प्रोफेसर एमेरिटस, प्रोफेसर रघुवेंद्र तंवर ने संबोधित किया। जीटीआईसीसी, मैक्सिको द्वारा गुआनाजुआतो विश्वविद्यालय में 'इंडियन नालेज नुक' (आईकेएन) की स्थापना के लिए 1000 पुस्तकें दान की गईं। केंद्र ने *'क्रॉसिंग द माइलस्टोन-डायलॉग्स ऑन इंडियाज़ इंडिपेंडेंस' संवाद आयोजित किया, जिसे भारतीय और मैक्सिकन विश्वविद्यालयों* के विभिन्न कुलपतियों द्वारा संबोधित किया गया था ।

केंद्र ने गुआनाजुआतो, लियोन, सालामांका, मैक्सिको में 3 दिवसीय भारत महोत्सव का भी आयोजन किया, जिसमें विभिन्न गण्यमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। भारत को टोलुका मैक्सिको में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, मिरादास लोकेल्स में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

इंदिरा गांधी सेंटर फॉर इंडियन कल्चर (आईजीसीआईसी), पोर्ट लुइस, मॉरीशस

विदेशों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र होने के नाते, इंदिरा गांधी सेंटर फॉर इंडियन कल्चर ने कोविड प्रतिबंधों के बावजूद 50 से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया। मॉरीशस गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति श्री पृथ्वीराजसिंह रूपुन द्वारा इंदिरा गांधी सेंटर फॉर इंडियन कल्चर, मॉरीशस के परिसर में अशोक स्तंभ के उद्घाटन के साथ मॉरीशस में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। रचनात्मक सहयोग प्राप्त करने के लिए, आईजीसीआईसी ने कार्यक्रमों की एक नई श्रृंखला आरंभ की जिसमें नए संयुक्त प्रस्तुतियों के निर्माण करने के लिए भारतीय और मॉरीशस, दोनों कलाकारों की सेवाएं प्राप्त की गई। इस श्रृंखला के तहत, आईजीसीआईसी ने 'मल्हार' (वर्षा का स्वागत करने के लिए व्यक्त किए गए दोनों देशों के संगीत और नृत्य की प्रदर्शन परंपराओं का एक कथात्मक संलयन) का आयोजन किया। 'अनहद' (भारत और मॉरीशस दोनों के तालवाद्यों का संलयन जिसमें ताल की दिव्य ध्वनि प्लावित हो जाती है)। बच्चों को भारतीय कलाओं से जोड़ने की एक नई पहल 'कैच देम यंग' के लिए आईजीसीआईसी द्वारा 'बाल महोत्सव' नामक एक प्रमुख कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्र ने मॉरीशस में अनेक भारतीय त्यौहार भी मनाए, जिनमें पारंपरिक/शास्त्रीय संगीत और नृत्य के माध्यम से प्रत्येक के मूलतत्व को दर्शाया गया। आईजीसीआईसी द्वारा वर्ष 2021 के दौरान आयोजित प्रमुख सांस्कृतिक उत्सवों में 'गुरु पूर्णिमा', 'कृष्ण जन्माष्टमी', 'नवरात्रि', 'दिवाली उत्सव', 'धन्वंतरि दिवस' शामिल थे और पहली बार आईजीसीआईसी द्वारा एक प्रमुख कला कार्यक्रम 'आर्ट कॉन्क्लेव 2021' का आयोजन किया गया था, जिसमें 150 मॉरीशस के कलाकार, जो अपने विभिन्न कलात्मक दृश्य अभिव्यक्तियों के माध्यम से भारत को चित्रित करने में लगे हुए थे, के कार्यों को प्रदर्शित किया गया था।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), यंगून, म्यांमार

महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन और म्यांमार में राजनीतिक घटनाक्रम के कारण स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी) के लिए यह वर्ष चुनौतीपूर्ण था, जिसने आगे बढ़ने की गतिविधियों को सीमित कर दिया। तथापि, परिस्थितियों के ठीक होने के साथ, एसवीसीसी ने हिंदी पखवाड़ा समारोह के तहत हिंदी भाषा के लेखकों पर विवरण साझा किए और जेयावाड़ी और क्याउकाटाडा टाउनशिप में स्थानीय सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्रों को रामचरित मानस और रामायण दान की।

एसवीसीसी, यंगून ने मिशन (कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए) में अनेक क्रियाकलापों का संचालन किया, जिसमें संगठन के भीतर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 का आयोजन तथा दूतावास के सभागार में संविधान दिवस मनाया जाना और राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाना, शामिल है।

इन क्रियाकलापों के अलावा, दूतावास ने उपयुक्त सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग करके भारत विशिष्ट जानकारी (लेखक/ वैज्ञानिक/ विद्वान/ स्वतंत्रता सेनानियों आदि) को साझा किया। दूतावास ने आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन के भाग के रूप में अपने सोशल मीडिया खातों का उपयोग करके अनेक पोस्ट भी साझा किए।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), काठमांडू, नेपाल

एसवीसीसी, काठमांडू ने दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को एक ऑनलाइन/ऑफलाइन कार्यक्रम के माध्यम से "भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस 2021" मनाया, जिसमें भा.सां.सं.प. के पूर्व छात्र शामिल हुए। भारतीय दूतावास और एसवीसीसी-काठमांडू ने अनेकानेक अन्य क्रियाकलापों के साथ 'बी विद योग, बी एट होम' **घर घर मा योग** विषय के तहत योग के प्रति समर्पित व्यक्तियों की वर्चुअल भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 मनाया। दिनांक 21 जून को नेपाल टीवी और सागरमाथा टीवी पर 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' पर एक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया। अकाम उत्सव के भाग के रूप में, दिनांक 21 जून, 2021 को योगाचार्य सुनील मान जी के साथ एक पॉडकास्ट श्रृंखला को भी नेपाल भर के अनेक स्थानीय एफएम स्टेशनों के माध्यम से प्रसारित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ का आयोजन दिनांक 24 जुलाई, 2021 को अषाढ़ पूर्णिमा-धर्म चक्र दिवस वैश्विक समारोह पर किया गया था। केंद्र ने नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय (एनएसयू) के सहयोग से दिनांक 22 अगस्त, 2021 को श्रावणी पूर्णिमा और विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर "संस्कृत: पूर्व की संस्कृति का स्रोत" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन किया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के सहयोग से संयुक्त रूप से "संस्कृत: कॉमन ट्रेजर ऑफ नेपाल एंड इंडिया, वॉल्यूम-II" नामक एक पुस्तक का विमोचन किया गया। आयुर्वेद परिसर ने आयुर्वेद सप्ताह मनाया और दिनांक 31 अक्तूबर, 2021 को "कल्याण के लिए आयुर्वेद - संभावनाएं और चुनौतियां" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

दिनांक 21 नवंबर, 2021 को नेपाल-भारत अंतर्राष्ट्रीय मैत्री कॉन्सर्ट 2021 का आयोजन किया गया था, जिसमें नेपाल और भारत के कलाकारों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया था। एसवीसीसी काठमांडू और होटल अलॉफ्ट काठमांडू ने सेलिब्रिटी शेफ संजय रैना द्वारा उनकी विशेषज्ञता के अनुभव के तहत *"फ्लेवर्स ऑफ कश्मीर" शीर्षक से* भारतीय खान-पान महोत्सव का संयुक्त रूप से आयोजन किया।

जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जेएनसीसी), मास्को, रूस

रूस

केंद्र ने संपूर्ण वर्ष के दौरान विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया जिसमें भारतीय त्योहारों, महत्वपूर्ण दिनों को मनाए जाने से संबंधित नियमित कार्यक्रम और भारतीय कला के प्रति भारत के महान व्यक्तियों के जीवन और योगदान को दर्शाने वाली श्रृंखला 'लीजेंड्स ऑफ इंडिया' शामिल थी।

जेएनसीसी, मॉस्को ने जेएनसीसी म्यूजिक टीचर के पतंजलि सूत्रों के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया, जिसके बाद 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' के आसन किए गए। रूसी संघ के 42 क्षेत्रों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

जेएनसीसी ने सेंट पीटर्सबर्ग में 'भारतीय संस्कृति दिवस' मनाया। सेंट पीटर्सबर्ग के विभिन्न स्थानों पर गायन संगीत, कथक नृत्य और तबले की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गई। भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक 'डांस फ्लैश मॉब' का आयोजन किया गया था जिसमें जेएनसीसी के कथक नृत्य शिक्षक और अन्य नर्तकों ने भाग लिया था। जेएनसीसी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर रूसी मित्रों के बधाई संदेश साझा किए। केंद्र ने मॉस्को के जेडआईएल सांस्कृतिक केंद्र में भारत के संतों को श्रद्धांजलि देते हुए 'संत वाणी' का आयोजन किया। जेएनसीसी ने मॉस्को के गोल्डन रिंग थिएटर में 'बॉलीवुड की शान' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें जेएनसीसी शिक्षकों और अनेक स्थानीय शिक्षकों ने भाग लिया। जेएनसीसी ने 'संगीत धारा' का भी आयोजन किया जो भारत के विभिन्न राज्यों के संगीत का प्रतिनिधित्व करता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर, जेएनसीसी ने भारतीय दूतावास के डी.पी. धर हॉल में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया, जिसमें प्रख्यात हस्तियों और भारतविदों ने भाग लिया।

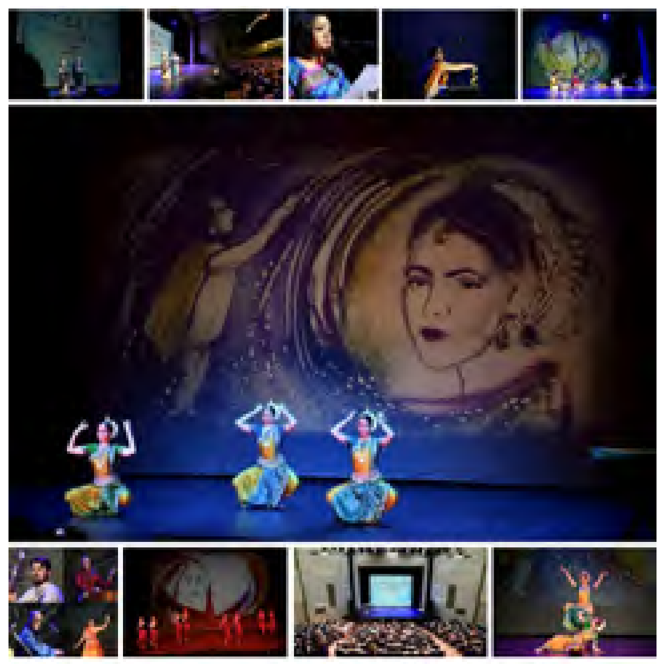

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), डरबन, दक्षिण अफ्रीका

एसवीसीसी, डरबन ने वित्त वर्ष 2021-22 में 150 वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किए और इसे बेहतर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। मुख्य कार्यक्रम सहित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 को नौ गुना क्रियाकलापों के साथ मनाया गया। केंद्र ने अम्बेडकर जयंती, दक्षिण अफ्रीका का स्वतंत्रता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस, टैगोर जयंती, विश्व संस्कृति दिवस, विश्व अफ्रीका दिवस, बुद्ध पूर्णिमा, नेल्सन मंडेला दिवस, गुरु पूर्णिमा, हिंदी दिवस, दक्षिण अफ्रीका विरासत दिवस, गांधी जयंती, स्वामी विवेकानंद जयंती, मकर सक्रांति, प्रवासी भारतीय दिवस, पराक्रम दिवस, शहीद दिवस जैसे विशेष दिन मनाए।

एसवीसीसी, डरबन नियमित रूप से अंतर्तान 'इनर टोम', (आंतरिक लय के बारे में दो कलाकारों के बीच बातचीत), अर्शधारा (दो भारतीय शास्त्रों पर बातचीत), समर्पण यात्रा (दक्षिण अफ्रीका के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संगठनों की भक्ति की कहानियों की यात्रा), पुस्तकलोक 'लाइट ऑफ ए बुक' (पुस्तक चर्चा), भारत एक अनुभूति 'इंडिया ए फीलिंग' (एक यात्रा वृत्तांत श्रृंखला), योग चर्चा, खेल विश्व (खेल हस्तियों के साथ बातचीत), उहंबो लवामी 'मेरी यात्रा' (दक्षिण अफ्रीका के सामाजिक सांस्कृतिक जीवन में उपलब्धियों के साथ बातचीत) और प्रवासी संवाद 'डायस्पोरा संवाद' जैसे मासिक ऑनलाइन कार्यक्रमों की 'नवधारा', 'नौ धाराओं' की श्रृंखला का आयोजन करता है।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सियोल, दक्षिण कोरिया

आजादी का अमृत महोत्सव (अकाम), स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, सियोल का जश्न मनाते हुए एक घटनाओं से भरा हुआ वर्ष था, जिसमें भारत की जीवंत संस्कृति और विरासत के साथ-साथ इसके प्रगतिशील इतिहास और इसके लोगों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया था। इसने आधुनिक भारत की महान हस्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'स्वतंत्रता संग्राम' के विषय पर व्याख्यान और उसकी स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किए। 'Achievements@75' थीम के तहत प्रवासी भारतीयों के साथ एक वार्तालाप श्रृंखला का आयोजन किया गया। 'Ideas@75' के एकेएएम विषय के तहत विभिन्न संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें भारत-कोरिया गणराज्य: सार्वजनिक कूटनीति के पहलू; जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख पर परिसंवाद: विकासात्मक गतिशीलता और भविष्य की राह तथा; 'भारत-कोरिया गणराज्य के साझेदारी के पहलूओं' पर कार्यशाला शामिल है। Resolve@75 तहत दिनांक 30 अगस्त, 2021 को कला, संस्कृति, साहित्य, शिक्षा, योग और आयुर्वेद के क्षेत्र से प्रख्यात 'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया' को सम्मिलित करते हुए राजदूत की गोलमेज बैठक का शुभारंभ किया गया।

कोरिया गणराज्य में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए, एसवीसीसी ने कोरिया में हिंदी पर संगोष्ठियों का आयोजन किया और प्रोफेसर लिम गुयून-डोंग द्वारा महान भारतीय महाकाव्य 'भगवद गीता' के कोरियाई अनुवाद का अनावरण किया। भाषण, कविता, सुलेख और वीडियो ब्लागिंग पर अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने के लिए, सारंग- कोरिया गणराज्य में भारत के त्यौहार को नामी द्वीप पर आयोजित किया गया था। जून, 2021 को 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कोरिया गणराज्य के विभिन्न शहरों में मनाया गया। स्पिक मैके- कोरिया के सहयोग से पंडित विश्व मोहन भट्ट- वाद्ययंत्रवादक और उस्ताद फैयाज वसीफुद्दीन डागर के साथ ऑनलाइन प्रदर्शन और बातचीत आयोजित की गई। एशिया संस्कृति केंद्र, ग्वांगजू के सहयोग से "कृष्णा हू रेज्ड द माउंटेन" शीर्षक से बच्चों के लिए सचित्र पुस्तक पर एक 'बुक कंसर्ट' का आयोजन किया गया था, जिसे एसीसी द्वारा तीनों भाषाओं- कोरियाई, हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित किया गया था।

भारतीय दूतावास, सियोल ने टोंगडो-सा मंदिर के सहयोग से भा.सां.सं.प. द्वारा कोरिया गणराज्य के लोगों को भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट करने के अवसर पर कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), कोलंबो, श्रीलंका

भारत की स्वंतत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय उच्चायोग द्वारा अपनी सांस्कृतिक शाखा- स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), कोलंबो की मदद से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत वर्षभर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रीलंका के सभी अनाथालयों के बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन, इंडियन डायस्पोरा एसोसिएशन - कोलंबो एक्सपैट्स कल्चरल एसोसिएशन और श्रीलंका के शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से किया गया था।

नागानंद इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज में "इंडिया कॉर्नर" द्वारा श्रीलंका में India@75 के समारोह की औपचारिक शुरुआत की जिसका उद्घाटन महामहिम श्री गोपाल बागले ने किया। कोलंबो के पास रतमलाना में एक बौद्ध मठवासी शैक्षणिक संस्थान "परमा धम्म चेथिया पिरिवेना" में भारतीय स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयंती मनाई गई। वर्ष 1841 में स्थापित, श्रीलंका का सबसे पुराना चलने वाला और सबसे बड़े "पि रिवेनास" शैक्षिक मठ में से एक है; इस पिरिवेना में चौदह भारतीय भिक्षु छात्र अध्ययन करते हैं।

श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के साथ 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ऑनलाइन मनाया गया। अप्रैल से जून तक अनेक 'कर्टेन रेजर' कार्यक्रम आयोजित किए गए। 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रमुख कार्यक्रम, आजादी का अमृत महोत्सव के तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। छठे आयुर्वेद दिवस पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । अयोध्या में दीपोत्सव के भव्य 5वें संस्करण में श्रीलंका के 15 सदस्यीय सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कीर्तन और अरदास के साथ श्री गुरु नानक देव जी की 552वीं जयंती मनाई गई।

ताजिकिस्तान

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), दुशांबे, ताजिकिस्तान

नवंबर, 2018 में अपनी स्थापना के बाद से, एसवीसीसी ने भारतीय कला और संस्कृति के प्रचार के लिए विभिन्न स्थानीय त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर ताजिकिस्तान के सांस्कृतिक परिदृश्य में काफी योगदान दिया है। केंद्र, शास्त्रीय कथक (45 छात्र), तबला/ हिंदुस्तानी गायन संगीत (70 छात्र) और बॉलीवुड गीत और नृत्य, हिंदी भाषा (30 छात्र) और योग (50 से अधिक छात्र) में नियमित कक्षाएं चलाता है।

वर्ष 2021-22 में एसवीसीसी ने दुशांबे में 12 स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय विद्यालयों के साथ सहयोग किया था। केंद्र ने भारतीय संगीत और नृत्य संगीत कार्यक्रमों के साथ चित्रकला, लोक नृत्य कार्यशालाओं, व्याख्यान प्रदर्शनों का आयोजन किया। भारत और ताजिकिस्तान के बीच उत्सव, मित्रता और सांस्कृतिक समानता के विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिसका समापन ताजिकिस्तान में आजादी का अमृत महोत्सब को मनाने के लिए एक प्रदर्शनी के रूप हुआ। 7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, एसवीसीसी ने स्थानीय योग शिक्षकों और संस्थानों के सहयोग से दिनांक 20 से 26 जून, 2021 तक 'योग सप्ताह' का आयोजन किया। दिनांक 15 अगस्त, 2021 को, एसवीसीसी के छात्रों ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए देशभक्ति के नृत्य और संगीत संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

सितंबर, 2021 में, भा.सां.सं.प. ने 'एससीओ गाला कंसर्ट' में प्रदर्शन करने के लिए सुश्री प्राची शाह पांड्या के नेतृत्व में 11 नर्तकों की एक कथक और बॉलीवुड नृत्य मंडली को प्रायोजित किया। मंडली ने दुशांबे और वहादत शहर में एक संगीत कार्यक्रम में भी प्रस्तुति दी। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए एसवीसीसी ने प्राची शाह और उनके समूह (2 शहरों में) कथक और भारतीय सिनेमा का प्रदर्शन, शाम-ए-गजल कंसर्ट, ताजिक और रूसी भाषा में 'सारे जहां से अच्छा' के संगीत वीडियो रिलीज किए और हिंदी दिवस का आयोजन किया। केंद्र ने तीन पुस्तकों यथा 'अदबियोती कदीमाई हिंदुस्तान', ताजिक भाषा में प्राचीन भारतीय साहित्य के बारे में एक पुस्तक, पद्मश्री राजाबोव हबीबुल्लो, द्वारा रामायण के ताजिक अनुवाद, प्रोफेसर जमीरा गफारोवा द्वारा भगवद गीता, धम्मपद और नीति शतकम का ताजिक अनुवाद 'हिकमती जोविदोन' के मुद्रण की सुविधा प्रदान की थी।

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), दार अस सलाम, तंजानिया

एसवीसीसी, दर ए सलाम ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मनाने के लिए अनेक विशेष कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और इवेंटस् का आयोजन किया। इस विशिष्ट सप्ताह, दिनांक 28 अक्तूबर से 02 नवंबर, 2021 तक भारतीय और अफ्रीकी मंडलियों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन करके मनाया गया। दार अस सलाम के अलावा आठ शहरों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन वास्तविक और ऑनलाइन दोनों पद्धतियों से किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए और संपूर्ण वर्ष योग कार्यशालाओं, प्रश्नोत्तरी, प्रतियोगिताओं, प्रमुख व्यक्तियों द्वारा योग का समर्थन करने वाली वीडियो क्लिप और योग वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया।

दिनांक 12 जनवरी, 2022 को लता मंगेशकर के गीतों पर भारतीय संगीत जैसी कार्यशाला आरंभ करने के लिए अनेक कार्यशालाएं आयोजित की गईं। दिनांक 15 मार्च से 02 अप्रैल, 2021 तक 15 दिनों की अवधि के लिए 'स्पिरिट ऑफ फ्रीडम' एक नृत्य और थिएटर कार्यशाला आयोजित की गई थी। दिनांक 04 और 05 दिसंबर , 2021 को प्रसिद्ध कलाकार श्री सूर्या कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में भारत की एक मंडली द्वारा अनेक शास्त्रीय नृत्य रूपों 'श्री विग्नेश्वरम' के साथ एक भव्य नृत्य प्रस्तुति प्रस्तुत की गई।

एसवीसीसी ने साहित्यिक क्रियाकलापों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए कवि गोष्ठी और पुस्तक विमोचन कार्यक्रम आयोजित किए। तंजानिया के अंतरराष्ट्रीय काव्यप्रेमी मंच, तंजानिया के सहयोग से 24 घंटे का 'नॉन-स्टॉप' कार्यक्रम, "अखंड काव्यायन" का आयोजन किया गया, जिसमें 15 विभिन्न देशों के 157 कवियों ने भाग लिया। 'इंडिया तंजानिया फैशन शो' वर्ष का एक बड़ा हिट रहा जहां 100 से अधिक मॉडलों ने 'रैंप वॉक' में भाग लिया। तंजानिया के डिजाइनरों ने दिनांक 18 दिसंबर, 2022 को भारतीय परिधानों पर अपने काम का भी प्रदर्शन किया।

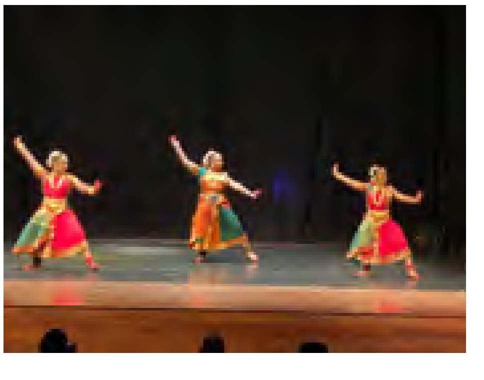

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बैंकॉक, थाईलैंड

71वें भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस समारोह में राजदूत, महामहिम सुश्री सुचित्रा दुरई और पद्मश्री डॉ. चिरापट प्रपंडविद्या ने संस्कृत शिक्षण ऐप "लिटिल गुरु" का शुभारंभ किया। "विश्व संस्कृति दिवस" पर डॉ. चेधा टिंगसांचली द्वारा "कला और वास्तुकला-भारत और थाईलैंड के बीच समानताएं" और श्री विजय कुमार द्वारा "चोल कांस्य का परिचय" पर एक वर्चुअल व्याख्यान का आयोजन किया गया। "अंतर्राष्ट्रीय वैशाख दिवस" के अवसर पर "पर्सपेक्टिव ऑन बुद्धिज्म" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था जहां थाई बौद्ध विद्वानों ने भाग लिया था। राजदूत, महामहिम सुश्री सुचित्रा दुरई ने "भारत और थाईलैंड के बीच बौद्ध संबंधों" पर एक इलेक्ट्रॉनिक कीओस्क का शुभारंभ किया। लेखक श्री हर्ष गुप्ता मधुसूदन और श्री राजीव मंत्री द्वारा "ए न्यू आइडिया ऑफ इंडिया" और लेखक-इतिहासकार-अर्थशास्त्री श्री संजीव सान्याल द्वारा "भारतीय और थाई त्योहारों के बीच समानताएं" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया।

"राष्ट्रीय युवा दिवस" "स्वामी विवेकानंद के कर्मयोग के विचार और आज के समय में इसकी प्रासंगिकता" तथा "शिक्षा में मूल्यों के उभरते महत्व" पर चर्चा के साथ मनाया गया। "भारतीय नायकों" का जश्न मनाने के लिए एक एनीमेशन कोडिंग प्रतियोगिता "हीरोज ऑफ भारत" का संयुक्त रूप से आयोजन क्रिएटिव कोडर और एसवीसीसी बैंकॉक द्वारा प्रवासी बच्चों के लिए किया गया था। सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में भारत की आजादी के लिए लड़ने वाले थाईलैंड के गुमनाम आईएनए और बालक सेना नायकों के कहानियों की एक श्रृंखला को प्रदर्शित करके पराक्रम दिवस मनाया गया ।

भारतीय संस्कृति और प्रतीकों की गहरी समझ प्रदान करने के लिए, बौद्ध धर्म, योग, आयुर्वेद, कला और वास्तुकला, विरासत स्थलों, शिल्प, वस्त्र, भारतीय संविधान, संस्कृत, विज्ञान और गणित पर भारतीय और थाई, दोनों विद्वानों द्वारा अनेक वार्ता और पैनल चर्चाएं आयोजित की गई। संगीत और नृत्य, कठपुतली शो, स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों, राष्ट्रीय नायकों, भारतीय त्योहारों पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

इन आयोजनों के फलस्वरूप, थाई और भारतीय विद्वानों और संसाधक व्यक्ति अपने क्षेत्रों में सहयोग को सक्षम बनाने के लिए एक ही मंच पर आए। स्थानीय दर्शकों के लाभ के लिए इन आयोजनों का थाई भाषा में अनुवाद किया गया था। जहां भी संभव हुआ, थाई लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए भारतीय और थाई कला रूपों के संलयन को सुकार बनाया गया। एसवीसीसी बैंकॉक ने अपनी अधिकांश क्रियाकलापों और कक्षाओं को ऑनलाइन पद्धति से आयोजित किया। लगभग 90 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान (एमजीआईसीसी), पोर्ट ऑफ स्पेन, त्रिनिदाद और टोबैगो

दिनांक 30 मई, 2021 को, भारतीय उच्चायोग ने महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान के सहयोग से त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीयों के आगमन के 176 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक वर्चुअल समारोह की मेजबानी की। भारतीय उच्चायोग ने महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान के सहयोग से ऑनलाइन पद्धति के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 मनाया। दिनांक 15 अगस्त, 2021 को भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने और आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में, देशभक्ति गीतों पर वोकल शिक्षकों के प्रदर्शन के साथ *एमजीआईसीसी* द्वारा ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान और ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र ने दिनांक 23 अगस्त, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव की स्मृति में रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया। बहनों ने पर्यावरण के अनुकूल बांस से बनी राखियां बांधीं, जिन्हें भा.सां.सं.प. ने उच्चायुक्त, 'सेकेंड सेक्रेटरियों' और सहायक कर्मचारियों को भेजा था। हिंदी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने और प्रचारित करने के लिए केंद्र द्वारा एक वर्चुअल 'कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया था।

'आजादी का अमृत महोत्सव' (अकाम) के आयोजन के भाग के रूप में, 'महात्मा गांधी की विचारधारा और दर्शन और समकालीन समाज के परिवर्तन में इसकी प्रासंगिकता' 2021 पर एक संगोष्ठी का आयोजन एमजीआईसीसी परिसर में किया गया था, जिसमें एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ प्रख्यात वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिए गए थे। केंद्र ने भारतीय मिशन के सहयोग से बिरसा मुंडा की जयंती मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। इसने नौ दिवसीय फिल्म महोत्सव की भी मेजबानी की, जिसने हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं की अनेक फिल्मों का प्रसारण किया। केंद्र ने दक्षिणी कैरेबियन विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय के लिए भारतीय संगीत के विज्ञान और कला के बोध हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

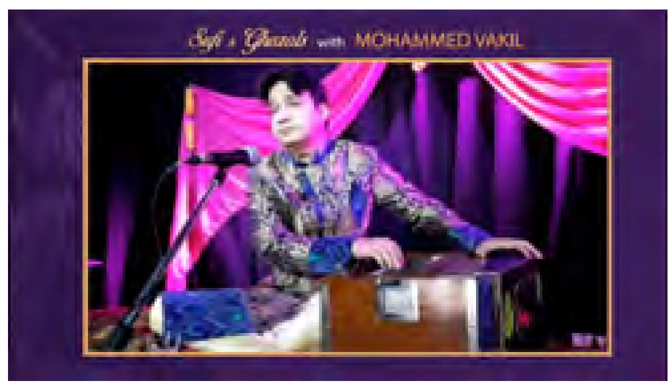

द नेहरू सेंटर (टीएनसी), लंदन, यूनाईटेड किंगडम

अप्रैल, 2021 के माह में, टीएनसी ने एक वैश्विक मैत्री कार्यक्रम "विश्व बंधुत्व" का आयोजन किया, जहां स्पेनिश, पुर्तगाली, फ्रेंच, जर्मन, अंग्रेजी, मंडारिन और अन्य भारतीय भाषाओं के बहुभाषी कविता और गीत प्रस्तुत किए गए। लंदन बसंत महोत्सव ने 'द नेहरू सेंटर' के सहयोग से अपना पहला प्रदर्शन आरंभ किया जोकि भा.सां.सं.प. के स्थापना दिवस के दिन आयोजित किया गया था। नेहरू सेंटर, लंदन ने उस्ताद अल्लारखा की 102वीं जयंती और वी.के. कृष्ण मेनन की 125वीं जयंती पर उनकी स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किए। गुरुदेव और परिवेश- उनके आश्रम जीवन पर डॉ आनंद गुप्ता द्वारा वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

अनेक बौद्धिक क्रियाकलापों में, केंद्र ने विभिन्न पुस्तक विमोचन आयोजित किए, जिनमें थियानमेन स्क्वायर पर एक पुस्तक विमोचन, विजय गोखले द्वारा दिनांक 07 जून, 2021 को "द मेकिंग ऑफ ए प्रोटेस्ट- ए डिप्लोमैट लुक्स बैक" का आयोजन किया गया, 'स्टोरीज -मस्ट टेल' द इमोशनल लाइफ ऑफ ए एक्टर- कबीर बेदी, सितंबर, 2021 में विक्रम संपत द्वारा "सावरकर' कन्टेस्टिड लिगेसी 1924 – 1966" नामक एक पुस्तक विमोचन की मेजबानी की गई। दिनांक 13 जनवरी, 2022 को: टीएनसी ने माननीय कैबिनेट मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी की पहली पुस्तक लाल सलाम के डिजिटल पुस्तक विमोचन की मेजबानी की ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 को मनाने के लिए अनेक क्रियाकलापों का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र के निदेशक अमीश त्रिपाठी की स्वामी पूर्णचैतन्य और अन्य प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ बातचीत; प्राणायाम सम्मेलन, जहां प्राणायाम विज्ञान और वेदों के जाप का आयोजन किया गया। भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए नेहरू केंद्र ने स्वतंत्रता के विशेष कार्यक्रम के मद्देनजर कुछ अत्यंत प्रतिभाशाली कलाकारों को प्रदर्शन हेतु सभी प्रतिष्ठित हस्तियों को आमंत्रित किया। टीएनसी ने वीणा वादक महामहोपाध्याय पद्मश्री डॉ. इमानी शंकर शास्त्री जी की 100वीं जयंती की मेजबानी की।

लाल बहादुर शास्त्री सेंटर फॉर इंडियन कल्चरल (एलबीएससीआईसी), ताशकंद, उज्बेकिस्तान

वर्ष 2021 के दौरान, एलबीएससीआईसी ने विभिन्न अवसरों पर ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से अनेक व्याख्यान आयोजित किए । वर्ष 2021-2022 के दौरान डॉ. अम्बेडकर, रवींद्रनाथ टैगोर, गांधी जी, स्वामी विवेकानंद और अन्य पर व्याख्यान आयोजित किए गए थे। एलबीएससीआईसी ने रवींद्रनाथ टैगोर की 160 वीं जयंती का आयोजन किया, जिसमें टैगोर की कविताओं के पाठ के साथ-साथ "रवींद्रनाथ टैगोर के आध्यात्मिक स्वतंत्रता के संदेश" पर प्रकाश डाला गया।

उज्बेकिस्तान में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने और एलबीएससीआईसी की स्थापना की रजत जयंती के उपलक्ष्य में, "रिटेन हैरीटेज़ ऑफ इंडिया: इंडिक-इस्लामिक कैलिग्राफी एंड मेन्यूस्क्रिप्ट" पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे और उज्बेकिस्तान अकादमी ऑफ आर्ट्स के अध्यक्ष, श्री अकमल नूरुद्दीनोव द्वारा दिनांक 01 अप्रैल, 2021 को उक्त अकादमी की आर्ट गैलरी में किया गया था। बाद में प्रदर्शनी को स्टेट म्यूजियम ऑफ हिस्ट्री ऑफ उज्बेकिस्तान और उज्बेकिस्तान के तीन अन्य प्रमुख शहरों में लगाई गई थी। केंद्र ने दिनांक 15 अगस्त, 2021 को "उज्बेकिस्तान की भूमिका सहित भारत के स्वतंत्रता आंदोलन" विषय पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया साथ ही भारतीय वेशभूषा, सरदार पटेल आदि पर अन्य प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया।

एलबीएससीआईसी ने राजदूत सूरत मिरकासिमोव द्वारा स्वामी विवेकानंद पर व्याख्यान और प्रोफेसर चांदकिरण द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान के साथ 25 वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 पर, संपूर्ण उज्बेकिस्तान में 12 स्थानों पर विशेष योग सत्र आयोजित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2021 का मुख्य उत्सव दिनांक 20 जून, 2021 को अलीशेर नवोई थिएटर, ताशकंद के सामने आयोजित किया गया था। इस समारोह में 300 से अधिक योग प्रेमियों, भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इंडिया स्टडी रूम प्रोजेक्ट के तहत, दिनांक 28 अप्रैल, 2021 को कोकंद के मेयर श्री मारूफ और एलबीएससीआईसी के निदेशक द्वारा 'कोकंद पैडागोगिकल इंस्टीट्यूट' में इंडिया स्टडी रूम का उद्घाटन किया गया।

एलबीएससीआईसी, ताशकंद ने दक्षिण एशियाई भाषा संकाय, टीएसयूओएस (ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज) के सहयोग से उर्दू से हिंदी और उज्बेक में अनुवादित पुस्तक "गालिब की गजल (गालिब देहलवी की गजलों का चयन)" का विमोचन समारोह आयोजित किया। विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने अपनी उज्बेकिस्तान यात्रा के दौरान उज्बेकिस्तान में प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत की। उन्होंने एलबीएससीआईसी में एक विशेष योग सत्र में भी भाग लिया और दिनांक 24 सितंबर, 2021 को ताशकंद लॉ यूनिवर्सिटी में "भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं" पर व्याख्यान दिया। श्रीमती लेखी ने भा.सां.सं.प. द्वारा भेजी गई 365 पुस्तकें बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी को भेंट की।

वियतनाम

स्वामी विवेकानंद संस्कृति केंद्र (एसवीसीसी), हनोई, वियतनाम

कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के बावजूद, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, हनोई (एसवीसीसी) ने भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना जारी रखा, और वियतनामी भागीदारों के साथ जुड़ा रहा। एसवीसीसी, हनोई ने वर्षभर वेबिनार, चर्चा, प्रदर्शन, प्रदर्शनियों सहित अनेक क्रियाकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन किया। कोविड-19 की स्थिति के कारण, अधिकांश कार्यक्रम और क्रियाकलाप ऑनलाइन पद्धति से आयोजित किए गए। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कुछ कार्यक्रम सामान्य वास्तविक तरीके से भी आयोजित किए गए थे ।

कार्यक्रमों का विषय, समृद्ध भारतीय संस्कृति, जैसे योग, बौद्ध धर्म, भारतीय पारंपरिक दवाओं और भारत के मुख्य त्योहारों/ महत्वपूर्ण अवसरों के इर्द-गिर्द थे। इस वर्ष का फोकस बौद्ध धर्म के इर्द-गिर्द रखा गया। भारत-वियतनाम बौद्ध संबंधों को बढ़ावा देने के विषय पर तहत पांच वेबिनार आयोजित किए गए। भारत में बौद्ध सर्किट पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष वेबिनार आयोजित किया गया था। अधिकांश वेबिनार, फेसबुक लाइव मोड पर और वियतनाम बौद्ध संघ, जोकि वियतनाम में एकमात्र सरकारी मान्यता प्राप्त बौद्ध संगठन है, के साथ समन्वय कर आयोजित किए गए थे। एसवीसीसी ने पर्यटन मंत्रालय के निदेशों के तहत बौद्ध धर्म पर प्रश्नोत्तरी के तीन दौर भी आयोजित किए गए। वीबीएस (विवेकानंद बिजनेस स्कूल) के समन्वय से प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। इन सभी आयोजनों में बड़ी संख्या में भागीदारी हुई। उनमें से कुछ को ऑनलाइन 30,000 से भी अधिक बार देखा गया। केंद्र ने मई के अंत से जुलाई, 2021 की शुरुआत तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की व्यस्त अवधि के दौरान योग से संबंधित 15 कार्यक्रम भी आयोजित किए।

सबसे महत्वपूर्ण खंडों में से एक, दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष को मनाना था। इसके लिए, एसवीसीसी हनोई ने अनेक फोटो-प्रदर्शनियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। सांस्कृतिक पहुंच के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के प्रयास किए गए।

भा.सां.सं.प.
क्षेत्रीय कार्यालय

भारत के विभिन्न राज्यों में परिषद् के 18 क्षेत्रीय कार्यालय (आरओ) हैं। यह आरओ सांस्कृतिक और शैक्षिक, दोनों कार्यों के लिए राज्य स्तर पर पहुंच संबंधी क्रियाकलापों का आयोजन करते हैं। वे अपने संबंधित राज्यों में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की देखरेख करते हैं। आरओ 'इनबाउंड' सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, दौरों और व्याख्यानों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे राज्य सरकारों, सांस्कृतिक संस्थानों, स्थानीय कलाकारों, विद्वानों और विश्वविद्यालयों के साथ भी संपर्क करते हैं।

भा.सां.सं.प. क्षेत्रीय कार्यालय

1.	अहमदाबाद	10.	जम्मू
2.	बेंगलुरू	11.	कोलकाता
3.	भोपाल	12.	लखनऊ
4.	भुवनेश्वर	13.	मुंबई
5.	चेन्नई	14.	पटना
6.	दिल्ली	15.	पुणे
7.	गोवा	16.	शिलांग
8.	गुवाहाटी	17.	त्रिवेंद्रम
9.	हैदराबाद	18.	वाराणसी

परिषद् अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के कामकाज को इष्टतम बनाना चाहती है; और सर्वोत्तम प्रतिभाओं और विचारों को आकर्षित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) का गठन किया गया है। आरएसी एक अनौपचारिक इकाई है जिसके सदस्यों का चयन संबंधित व्यक्ति की विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों के आधार पर किया जाता है। वर्तमान में, आरएसी 14 क्षेत्रों में मौजूद हैं।

कला विश्व अभियान की संकल्पना आईसीसीआर के अध्यक्ष श्री विनय सहस्रबुद्धे द्वारा युवा और प्रतिभाशाली कलाकारों को बढ़ावा देने के इरादे से की गई थी, जो अभी तक आईसीसीआर के पैनल में शामिल नहीं हुए हैं । यह एक अभियान था जो कोरोना कोविड-19 के समय में गैर-सूचीबद्ध, गैर - स्थापित और संघर्षरत कलाकारों, विशेष रूप से युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों से या लोक कला श्रेणियों से आने वाले लोगों का समर्थन करने के लिए शुरू किया गया था। अधिकांश कार्यक्रम कोविड प्रतिबंध के दौरान वर्चुअल रूप से आयोजित किए गए थे।

क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) की सूची

1.	अहमदाबाद	8.	हैदराबाद
2.	बेंगलुरू	9.	कोलकाता
3.	भुवनेश्वर	10.	मुंबई
4.	भोपाल	11.	पुणे
5.	चेन्नई	12.	तिरुवनंतपुरम
6.	चंडीगढ़	13.	लखनऊ
7.	गोवा	14.	वाराणसी

क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद में वर्षभर सांस्कृतिक क्रियाकलाप होते रहे। क्षेत्रीय कार्यालय ने चल रही कोरोना महामारी के कारण ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों पद्धतियों से कार्यक्रम आयोजित किए। क्षेत्रीय कार्यालय ने 'होराईजन सीरीज़' के तहत एक विशेष अभियान "कला-विश्व" के तहत 75 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें शास्त्रीय नृत्य और संगीत के विभिन्न स्वरूप शामिल थे। आरओ ने विदेशी छात्रों के लिए होली महोत्सव का आयोजन किया, जिसे छात्रों ने खूब सराहा। दिनांक 23 फरवरी, 2022 को, भा.सां.सं.प., अहमदाबाद और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव (अकाम) को मनाने के लिए गुजरात विद्यापीठ से साबरमती आश्रम तक एक वॉकाथॉन (पदयात्रा) का आयोजन किया गया था। वॉकाथॉन (पदयात्रा) में विभिन्न देशों के अनेक प्रमुख कलाकारों, नागरिकों और भा.सां.सं.प. विद्वानों ने भाग लिया। क्षेत्रीय कार्यालय ने बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय और इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, 03 दिवसीय 'वर्चुअल डांस फेस्टिवल' के रूप में नृत्यपर्व, 2022 पर विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए।

दिनांक 9 अप्रैल, 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर भारतीय दलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, नेपाल, भूटान और अफ्रीकी देशों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने भी अपने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए), बेंगलुरु के सहयोग से "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस", आयोजित किया गया था। "गांधी जयंती समारोह" के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय ने बेंगलुरु स्थित राजभवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर, नेपाल और दक्षिण सूडान के भा.सां.सं.प. विद्वानों ने भी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय सभागार में भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में **आजादी का अमृत महोत्सव** के भाग के रूप में दिनांक 22 से 23 अक्तूबर, 2021 को दो दिवसीय नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया था। क्षेत्रीय कार्यालय ने भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'क्षितिज श्रृंखला' के तहत एक कार्यक्रम कला विश्व के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

भोपाल

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल ने अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 की अवधि के दौरान कला विश्व-महामारी के दौरान 'होराईजन सीरीज़' कार्यक्रमों के तहत एक विशेष अभियान, के तहत प्रत्येक माह तीन ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए। अन्य प्रमुख क्रियाकलापों में क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल ने दिनांक 26 फरवरी, 2022 को 'स्वतंत्र संग्राम' की कहानी प्रस्तुत करते हुए आरएलबीटी, 70 वर्षीय व्यक्तियों के समूह द्वारा एक विशेष ऑफ़लाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अकाम सप्ताह के दौरान क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, भोपाल के साथ सहयोग से आरओ ने दिनांक 25 से 26 फरवरी, 2022 के दौरान भोपाल के क्षेत्राधिकार के तहत पढ़ने वाले विदेशी छात्रों की भोपाल अध्ययन यात्रा की भी व्यवस्था की, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, राज्यपाल और संस्कृति मंत्री से भी मुलाकात की और मध्य प्रदेश में विश्व धरोहर स्थलों का दौरा किया। इस अवधि के दौरान, आरओ विभिन्न विश्वविद्यालयों में विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पढ़ने वाले 50 भा.सां.सं.प. विदेशी छात्रों की देख-रेख कर रहा है।

क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर ने भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें ओडिसी नृत्य गायन नृत्य नाटिका "सबरी" के सांस्कृतिक कार्यक्रम और एनआईटी राउरकेला के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों द्वारा एक प्रस्तुति शामिल की गई। कला विश्व अभियान के तहत, आरओ ने कला के विभिन्न स्वरूपों का प्रदर्शन करके वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर 21 श्रंखलाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

क्षेत्रीय कार्यालय, 151 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की देख-रेख करता है, जो भा.सां.सं.प. के माध्यम से विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत ओडिशा के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों/ संस्थानों (तकनीकी/ कृषि) में अध्ययनरत हैं। शैक्षिक क्रियाकलापों के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को योग और अन्य प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक क्रियाकलापों में सम्मिलित किया गया। आरओ ने महामारी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उनके गृह देशों में वापस भेजने की सुविधा भी प्रदान की।

चेन्नई

चेन्नई के क्षेत्रीय कार्यालय ने ग्रामीण और लोक कलाकारों के उत्थान के लिए 'होराईजन सीरीज़' और कला विश्व श्रृंखला के तहत कार्यक्रम आयोजित किए। तथापि, कोविड प्रतिबंधों के कारण वर्ष की शुरुआत में क्रियाकलाप धीमी गति से आरंभ हुए, लेकिन जैसे-जैसे वर्ष आगे बढ़ता गया, गति तीव्र होती गई। नीचे दिए गए चित्र वर्ष 2021-22 में 'होराईजन सीरीज़' और कला विश्व श्रृंखला के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की एक झलक प्रस्तुत करते हैं:

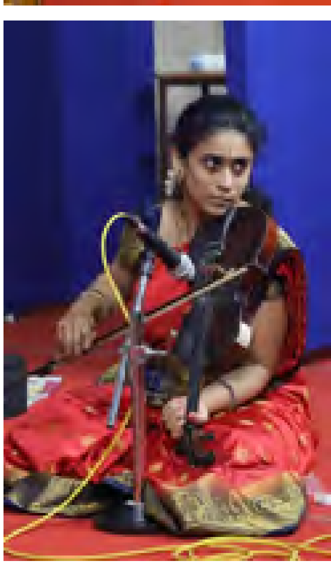

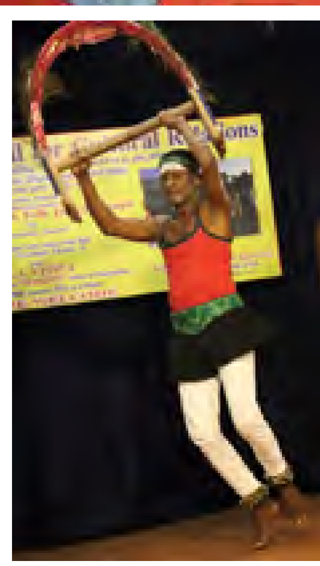
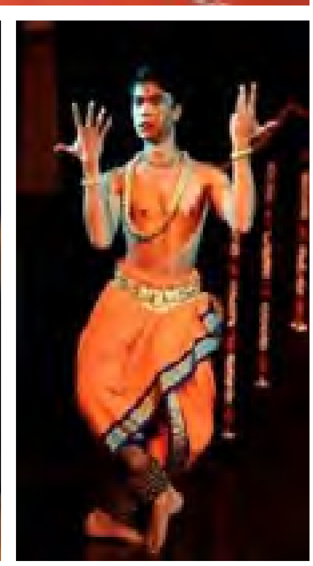

भा.सां.सं.प. ने हाल ही में दिनांक 04 मार्च, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय में अपना नया क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र कार्यालय स्थापित किया। दिल्ली/एनसीआर कार्यालय का उद्देश्य दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की विभिन्न सूचीबद्ध छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत लगभग 2000 विदेशी नागरिकों की सभी छात्रवृत्ति प्रक्रिया के लिए 'एकल समाधान केन्द्र के रूप में कार्य करना है। दिल्ली/एनसीआर कार्यालय का उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से 'इनबाउंड' सांस्कृतिक संबंधों और बोध को बढ़ाना है। इसके अलावा, क्षेत्रीय कार्यालय, भा.सां.सं.प. विद्वानों के कल्याण को सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से इस दिशा में अपने कदम उठा रहा है। दिल्ली/एनसीआर कार्यालय ने वर्ष के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष, डॉ विनय सहस्रबुद्धे ने दिनांक 03 जून, 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से भी भेंट की। भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) के सदस्यों के साथ दिनांक 03 जून और 12 जुलाई, 2021 को एक बैठक आयोजित की गई थी। आरएसी सदस्यों के परामर्श से 'कला विश्व' ('होराईजन सीरीज़' के तहत एक विशेष अभियान) के तहत 13 कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। क्षेत्रीय कार्यालय ने दिनांक 14 सितंबर, 2021 को हिंदी दिवस पखवाड़ा और दिनांक 26 अक्तूबर, 2021 से 01 नवंबर, 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया।

यह क्षेत्रीय कार्यालय गोवा में पढ़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए कला विश्व श्रृंखला और कल्याणकारी क्रियाकलापों के तहत नियमित रूप से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। भा.सां.सं.प. की वित्त समिति के अध्यक्ष, श्री दीपक करंजीकर और भा.सां.सं.प. दिल्ली के वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक, श्री संजय वेदी ने दिनांक 06 से 07 जनवरी, 2022 को भा.सां.सं.प. गोवा कार्यालय का दौरा किया और 'बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरिंग' (बीपीआर) कार्यशाला का आयोजन किया। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय और गोवा विश्वविद्यालय के सहयोग से "आजादी का अमृत महोत्सव" (अकाम) के उपलक्ष्य में "भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों का महत्व" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके बाद विदेशी छात्रों के लिए "भारत का स्वतंत्रता संग्राम" विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय कार्यालय ने दिनांक 22 फरवरी, 2022 को एक **"वृक्षारोपण"** कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने भाग लिया।

एकेएएम सप्ताह के एक भाग के रूप में एस.एस. डेम्पो कॉलेज, बम्बोलिम, गोवा में छात्रों/संकायों के लिए एक **"पासपोर्ट जागरूकता कार्यक्रम"** आयोजित किया गया। **एकेएएम** सप्ताह समारोह के तहत **'भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पर** 'पद यात्रा' के साथ-साथ **'कथक नृत्य नाटिका- वीर गाथा झांसी की रानी'** पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भा.सां.सं.प., गोवा ने भा.सां.सं.प. के विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम (डीवीपी) 2021-2022 के तहत नाइजीरियाई इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स(एनआईआईए), नाइजीरिया के महानिदेशक प्रोफेसर एघोसा ई. ओसाघे की गोवा यात्रा की मेजबानी की। 'होराइजन सीरीज' के तहत आरओ ने दिनांक 20 मार्च, 2022 को सम्राट संगीत सम्मेलन के 42वें संस्करण का आयोजन किया जोकि सम्राट संगीत अकादमी के सहयोग से 21वीं सम्मेलन था। भा.सां.सं.प. की 'होराइजन सीरीज' के तहत भा.सां.सं.प. के सहयोग से विद्या प्रबोधिनी कॉलेज में युवा कोंकणी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया।

महामारी के दौरान www.iccrguwahati.wordpress.com नामक एक ब्लॉग पोस्ट बनाया गया था, जिसमें भा.सां.सं.प. छात्रों को अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया था। वर्तमान में, गुवाहाटी क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में 138 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को डिब्रूगढ़ स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से दिनांक 10 अप्रैल, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन के साथ भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस का आयोजन किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर, 'होराइजन सीरीज' कार्यक्रम के तहत दर्पण नृत्य अकादमी के सहयोग से आरओ गुवाहाटी द्वारा एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए और छात्र कल्याण क्रियाकलापों के भाग के रूप में आरओ गुवाहाटी द्वारा तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से दिनांक 19 से 20 जून, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 2 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी । गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय ने 'टास्क फोर्स फॉर म्यूजिक एंड आर्ट्स' (टीएएफएमए), नागालैंड सरकार के सहयोग से दिनांक 21 जून, 2021 को विश्व संगीत दिवस के अवसर पर **'वन नॉर्थईस्ट सेकेंड एडिशन'** वर्चुअल कॉन्सर्ट का आयोजन किया। भा.सां.सं.प. 'होराइजन सीरीज' के तहत वर्ष 2021-22 के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका शुभारंभ, भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे द्वारा किया गया था।

हैदराबाद

हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय, विदेशी छात्रों के लिए भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति योजनाओं की निगरानी और कार्यान्वयन के माध्यम से परिषद के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में प्रयास कर रहा है, राज्य विभागों , विश्वविद्यालयों, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के साथ मिलकर काम करने के साथ-साथ प्रदर्शन, चर्चा, अभिविन्यास कार्यक्रम, छात्र गतिविधियों आदि के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहा है। वर्ष 2021-22 के दौरान दिनांक 10.02.2022 तक कुल 248 भा.सां.सं.प. विद्वान तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों में इसके क्षेत्राधिकार क्षेत्र के तहत विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। क्षेत्रीय कार्यालय ने वर्षभर 'होराइजन सीरीज' के तहत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनमें से ज्यादातर वर्चुअल पद्धति से आयोजित किए गए।

क्षेत्रीय कार्यालय, जम्मू ने भा.सां.सं.प. के 'होराइजन सीरीज' के तहत एक विशेष श्रृंखला "कला विश्व" के अंतर्गत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। डोगरी और पहाड़ी प्रदर्शन नामत: दिनांक 11 सितंबर, 2021 को नीता अद्रेश और पार्टी द्वारा जम्मू और कश्मीर का गोजरी लोक नृत्य और संगीत, ओम प्रकाश शर्मा एंड ग्रुप द्वारा किसान मेले के दौरान दिनांक 09 अक्तूबर को डोगरी गीत्रु संगीत और नृत्य "बाख" तथा दिनांक 11 दिसंबर, 2021 को प्रेम सिंह और उनके समूह द्वारा "कुड" पारंपरिक डोगरी लोक नृत्य और संगीत का आयोजन किया गया था। विदेश मंत्रालय संबंधी संसदीय समिति के अध्ययन दौरे के लिए भा.सां.सं.प. के महानिदेशक की श्रीनगर यात्रा के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय ने समिति की मेजबानी के लिए एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया।

कोलकाता

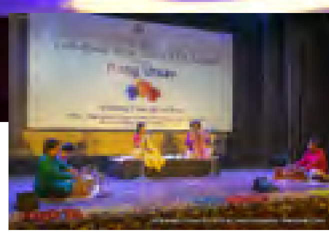

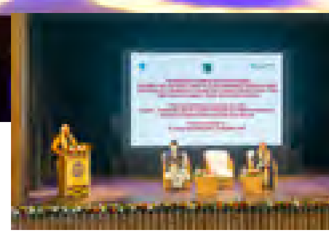

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, रवींद्रनाथ टैगोर केंद्र, कोलकाता ने दिनांक 03 अप्रैल, 2021 को अपनी क्षेत्रीय सलाहकार समिति (आरएसी) की एक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने की। बैठक के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम रंग उत्सव का आयोजन किया गया। आरओ कोलकाता ने दिनांक 04 अप्रैल, 2021 को एक प्रकाशक बैठक और युवा ब्लॉगर्स बैठक का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता भारत सरकार के प्रख्यात लेखक और प्रधान आर्थिक सलाहकार, श्री संजीव सान्याल, भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे और जीबी सदस्य श्री अरिंदम मुखर्जी ने की। क्षेत्रीय कार्यालय ने उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड रिसर्च के सहयोग से दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को सत्यजीत रे सभागार में प्रख्यात कलाकारों और भा.सां.सं.प. विदेशी छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस 2021 मनाया। कला विश्व श्रृंखला के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय कार्यालय ने 'होराइजन सीरीज' कार्यक्रम के तहत एक विशेष अभियान, कला विश्व के तहत यूट्यूब के माध्यम से श्री कल्याणजीत दास द्वारा एक 'वर्चुअल इंस्ट्रूमेंटल' (सितार) कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कला विश्व श्रृंखला के तहत हेमंत कुमार को भी श्रद्धांजलि दी गई। अगस्त, 2022 में कला विश्व के तहत यूट्यूब के माध्यम से श्री सौमेंद्र नाथ दत्ता द्वारा एक वर्चुअल चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। क्षेत्रीय कार्यालय ने भारत में कोस्टा रिका गणराज्य के दूतावास के सहयोग से कोस्टा रिका स्वतंत्रता की द्विशताब्दी के अवसर पर एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यालय ने शुभी प्रकाशन के सहयोग से दिनांक 12 नवंबर, 2021 को एक पुस्तक विमोचन (लेखक: पद्मश्री उत्पल के. बनर्जी) का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन भा.सां.सं.प. के श्री चिन्मय नायक, उप महानिदेशक (संस्कृति), और अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने किया।

आरओ, लखनऊ ने दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को वर्चुअल रूप से "भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस" मनाया, जिसमें भा.सां.सं.प. विद्वानों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। क्षेत्रीय कार्यालय ने कला विश्व के तहत 23 कलाकारों/समूहों को ऑनलाइन और 'होराइजन सीरीज' के तहत दो कार्यक्रमों को ऑनलाइन प्रदर्शन करने का अवसर दिया। क्षेत्रीय कार्यालय ने भा.सां.सं.प. विद्वानों के लिए 15 से 17 दिसंबर, 2021 तक 'हैलो बडी' के नाम से "ओरिएंटेशन कम कल्चरल कोर्स प्रोग्राम" का आयोजन किया। दिनांक 24 दिसंबर, 2021 को भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष की यात्रा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के साथ बातचीत की गई। भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने दिनांक 12 फरवरी, 2022 को लखनऊ में आयोजित क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। विदेश मंत्रालय के 'एकेएएम' सप्ताह समारोह के भाग के रूप में, आरओ, लखनऊ ने दिनांक 22 फरवरी, 2022 को सुश्री अदिति थपलियाल और सुश्री रोशनी प्रसाद द्वारा युगल कथक नृत्य और दिनांक 24 फरवरी, 2022 को श्री शेख इब्राहिम के नेतृत्व में भारतीय शास्त्रीय और पश्चिमी संगीत (ताल यात्रा) का एक संलयन आयोजित किया। वर्ष 2021-22 के दौरान, विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 98 नए भा.सां.सं.प. विद्वान इस क्षेत्र में शामिल हुए। क्षेत्रीय कार्यालय के *क्षेत्राधिकार* के अंतर्गत विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में कुल 296 अंतर्राष्ट्रीय छात्र अध्ययनरत हैं।

मुंबई

कला विश्व अभियान 2021 के तहत उद्घाटन शो हाइब्रिड पद्धति से आयोजित किया गया था और दिनांक 18 जुलाई, 2021 को भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे द्वारा उद्घाटन किया गया, जहां महाकाव्य 'महाभारत' पर आधारित दशावतार, नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई थी। 'होराइजन सीरीज' के तहत अन्य प्रस्तुति महाराष्ट्र के लोक और स्थानीय कला रूपों पर आधारित थी। आरओ मुंबई ने माली, युगांडा और श्रीलंका से तीन आने वाले जनजातीय नृत्य और संगीत समूहों की सुविधा प्रदान की। एंटानानारिवो की शहरी नगरपालिका के मेयर महामहिम श्री फ्रैंक मिशेल नियाना एंड्रियानसिटोहेना ने मेडागास्कर से अपनी पत्नी सुश्री क्लाउडिया पिचलर के साथ दिनांक 07 से 09 नवंबर, 2021 तक मुंबई का दौरा किया। उन्होंने अनेक अन्य कार्यक्रमों के बीच मुंबई की महापौर श्रीमती किशोरी पेडनेकर, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री नितिन देशपांडे और मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के अतिरिक्त नगर आयुक्त से मुलाकात की।

मुंबई में आरओ ने विदेशी छात्रों के लाभ के लिए दिनांक 26 जून, 2021, 14 अगस्त, 2021, 18 और 28 सितंबर, 2021 और 11 नवंबर, 2021 को पांच टीकाकरण अभियान आयोजित किए, जिन्हें सभी छात्रों और उनके संबंधित संस्थानों द्वारा बहुत सराहा गया। दिनांक 21 से 27 फरवरी, 2022 तक विदेश मंत्रालय के एकेएएम सप्ताह मनाए जाने के दौरान, आरओ, मुंबई ने एक 'कल्चरल गाला ईवनिंग' का आयोजन किया।

पटना में क्षेत्रीय कार्यालय ने कला विश्व श्रृंखला के तहत नियमित रूप से ऑनलाइन/ ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित किए। क्षेत्रीय कार्यालय ने दिनांक 02.12.2021 से 05.12.2021 तक 'जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम' के तहत भूटान से बिहार क्षेत्र के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की गया, राजगीर और पटना की यात्रा की मेजबानी की। बिहार क्षेत्र के पांच विभिन्न संस्थानों में कुल 61 भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति पुरस्कार विजेताओं को नामांकित किया गया।

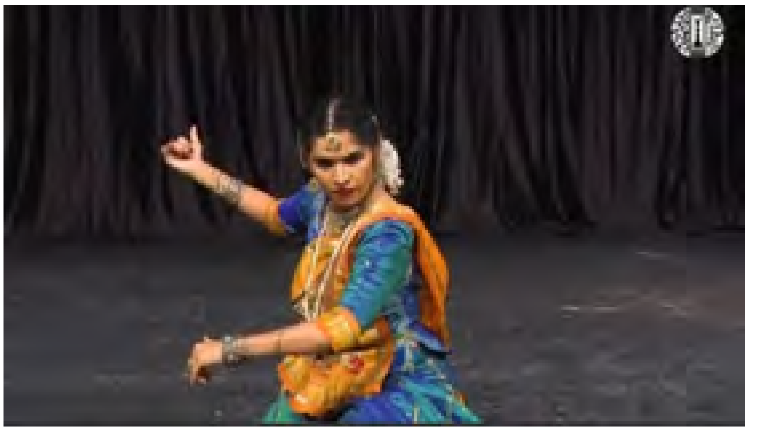

भा.सां.सं.प. पुणे ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों पद्धतियों से अनेक कार्यक्रमों की मेजबानी की। भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस के अवसर पर वर्चुअल पद्धति से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां भा.सां.सं.प. विद्वानों द्वारा भारतीय संस्कृति पर संक्षिप्त वार्ता और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। भा.सां.सं.प. अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने दिनांक 25 अक्टूबर, 2021 को समर्थ युवा फाउंडेशन और संवाद पुणे के सहयोग से क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित पुणे के कलाकारों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में मुख्य अतिथि थे । उन्होंने पुणे के कलाकारों से बातचीत की। स्थानीय मराठी फिल्म उद्योग की अनेक उल्लेखनीय फिल्म हस्तियों ने भी भाग लिया। भा.सां.सं.प. पुणे ने दिनांक 01 से 02 फरवरी, 2022 को पंडित भीमसेन जोशी की जन्मशती मनाने के लिए संगीताचार्य पंडित डी.वी. कानेबुवा प्रतिष्ठान के साथ सहयोग किया।

आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर कला विश्व विशेष अभियान के तहत दिनांक 03 से 05 दिसंबर, 2021 तक भारतीय क्रांतिकारियों के जीवन के विषय पर ऑफलाइन कार्यक्रम के रूप में '13वें पुणे कीर्तन महोत्सव' का आयोजन किया गया था। वर्तमान में, भा.सां.सं.प. क्षेत्रीय कार्यालय पुणे में 515 विद्वान हैं। दिनांक 30 जुलाई, 2021 को क्षेत्रीय कार्यालय ने फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल स्टूडेंट एसोसिएशन के साथ सहयोग किया और स्नातक दिवस समारोह मनाया। दिनांक 15 से 17 दिसंबर, 2021 के दौरान वर्चुअल ओरिएंटेशन प्रोग्राम सह सांस्कृतिक पाठ्यक्रम "हैलो बडी" आयोजित किया गया था, जहां 250 से अधिक भा.सां.सं.प. विद्वानों ने भाग लिया था। भा.सां.सं.प. द्वारा दिनांक 14 से 15 मार्च, 2022 तक पुणे में आयोजित 'विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम' के तहत नाइजीरियाई इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के महानिदेशक प्रोफेसर एघोसा ई. ओसाघे तथा उनकी पत्नी ने भाग लिया।

शिलांग

शिलांग में क्षेत्रीय कार्यालय ने कार्यक्रमों के आयोजन में राज्य सरकार के विभिन्न कला और संस्कृति विभागों और स्थानीय प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संगठनों के साथ सहयोग किया। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए क्रियाकलाप, दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को भा.सां.सं.प. के स्थापना दिवस को मनाए जाने के साथ आरंभ हुए। वही क्षेत्रीय कार्यालय, शिलांग ने दिनांक 21 जून, 2021 को विश्व संगीत दिवस के अवसर पर मणिपुर, मिजोरम और मेघालय के कलाकारों के साथ कला विश्व की शुरुआत की। "आजादी का अमृत महोत्सव" को मनाते हुए, अगस्त, 2021 के माह के दौरान 'होराइजन सीरीज' कार्यक्रम के तहत राजभवन शिलांग के सहयोग से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। नवंबर माह में, मणिपुर सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग से "चेरी ब्लॉसम माओ फेस्टिवल 2021" का आयोजन किया गया था । कार्यक्रम का उद्घाटन मणिपुर के माननीय मुख्यमंत्री, श्री बीरेन सिंह ने किया जिसमें भा.सां.सं.प. के महानिदेशक श्री दिनेश पटनायक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कला विश्व कार्यक्रमों के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के स्वदेशी जनजातीय संगीत को बढ़ावा दिया गया। कोरोना के बावजूद, शिक्षा वर्ष 2021-22 के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में आरओ शिलांग के क्षेत्राधिकार के तहत, अनेक नए छात्रों को प्रवेश मिला। छात्रों के अभिविन्यास कार्यक्रम, ट्रेकिंग, खेल-कूद को अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए पाठ्येतर क्रियाकलापों के रूप में आयोजित किया गया था।

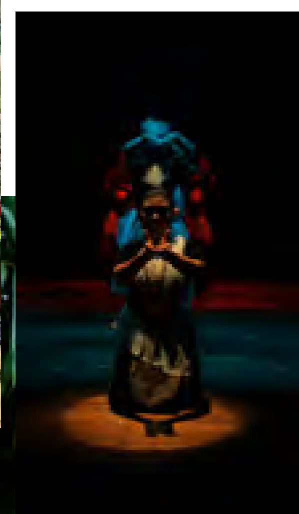

त्रिवेन्द्रम

भा.सां.सं.प. त्रिवेंद्रम ने 'होराइजन सीरीज' कार्यक्रम के बैनर तले, भारत भवन, सांस्कृतिक मामलों के विभाग, केरल सरकार के सहयोग से दिनांक 09 अप्रैल, 2021 को भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस मनाया। क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत 219 विदेशी विद्वानों के लिए भा.सां.सं.प. छात्रवृत्तियां प्रदान कर रहा है। कलामंडलम जिस्नुपर्थ और मंडली ने रावण के 'कैलासोधारण' विषय पर प्रस्तुति दी। नाटक का यह भाग भासा के 'अभिषेकनाटकम' के पहला भाग 'थोरनयुधम' से लिया गया है। कला विश्व श्रृंखला के तहत 23 कार्यक्रम आयोजित किए गए। आरएसी सदस्यों के परामर्श से जून, 2021 से जनवरी, 2022 तक 'होराइजन सीरीज' कार्यक्रम के तहत एक विशेष अभियान भी आयोजित किया गया था।

क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी ने 'कला विश्व (**'होराइजन सीरीज' के तहत एक विशेष अभियान)'** के तहत नियमित रूप से ऑनलाइन/ऑफलाइन पद्धति के माध्यम से **'होराइजन सीरीज'** कार्यक्रम और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी ने विश्व संस्कृति दिवस और विश्व संगीत दिवस के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। क्षेत्रीय कार्यालय ने वर्चुअल पद्धति से 07वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। क्षेत्रीय कार्यालय भा.सां.सं.प. की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत अपने क्षेत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत 34 विदेशी विद्वानों की देख-रेख कर रहा है। व्यापक पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से सभी क्रियाकलापों को बढ़ावा दिया गया।

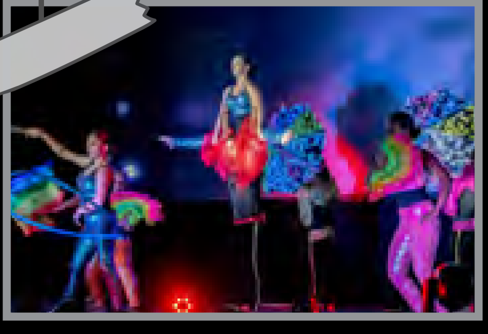

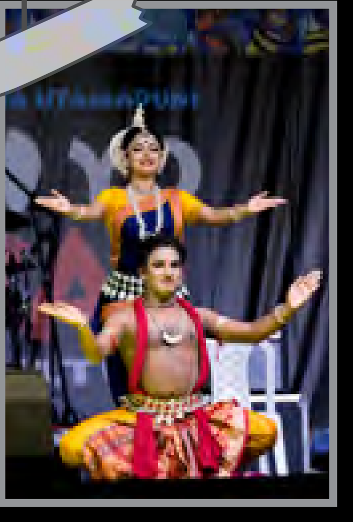

भा.सां.सं.प.

भा.सां.सं.प. कार्यक्रम

भा.सां.सं.प., भा.सां.सं.प. के संचालन के दो प्रमुख क्षेत्रों के साथ अनेक कार्यक्रमों को लागू करता है (i) शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, और (ii) विश्वभर में भारतीय दृश्यकला और प्रदर्शन कला तथा उनके कलाकारों का सक्रिय रूप से प्रचार करना।

शैक्षिक कार्यकलापों में विदेशों में भारतीय अध्ययन पीठों की स्थापना करना, विदेशी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान करना, शैक्षिक समुदाय के बीच भारतीय संस्कृति के अध्ययन के प्रसार और प्रोत्साहन के लिए सम्मेलनों और संगोष्ठियों का आयोजन आदि शामिल हैं। क्रियाकलापों को नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध किया गया है। भा.सां.सं.प., भारतीय कलाकारों के बीच प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और पोषित करने तथा विदेशों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने हेतु उनकी सहायता करने में भी अग्रणी रहा है। प्रदर्शन कलाएं, व्यक्ति से व्यक्ति संपर्क को आगे बढ़ाने और राष्ट्रों के बीच बेहतर समझ को सुकर बनाने के लिए एक मनोरंजक और रचनात्मक पहल है।

भारतीय दृश्य और प्रदर्शन कलाओं के संवर्धन को निम्नवत तालिका में सम्मिलित किया गया है :

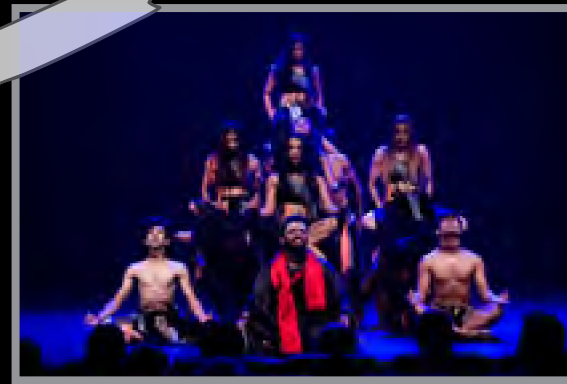

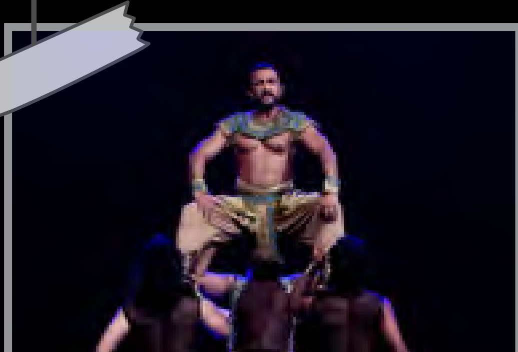

भा.सां.सं.प.

देश से बाहर जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल

परिषद्, विश्वभर के देशों में गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन करने वाले कलाकारों/ समूहों को प्रदर्शन करने का अवसर उपलब्ध कराती है ताकि लोगों को शास्त्रीय, लोक, रंगमंच, आधुनिक नृत्य और संगीत आदि जैसे भारत के प्रदर्शन कला रूपों की विविधता और जीवंतता को देखने और समझने का मौका मिल सके। इन समूहों को विभिन्न देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत भेजा जाता है। वर्ष 2021-22 के दौरान, भा.सां.सं.प. ने देश से बाहर जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडलों को प्रायोजित किया, जिनका ब्योरा नीचे दिया गया है :

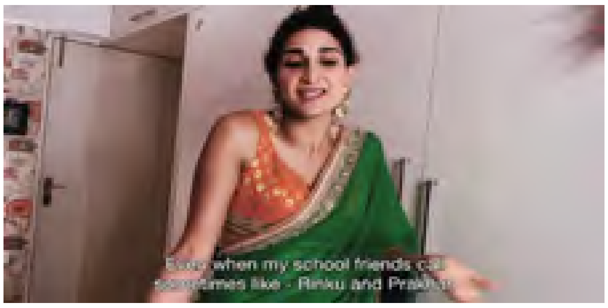

"अनलॉक 2": इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल, मोरक्को

"अनलॉक्ड 2" शीर्षक से प्ले (थिएटर) की रिकॉर्डिंग – श्री रजित कपूर, रेज प्रोडक्शन, महाराष्ट्र को मई, 2021 में ताजा, मोरक्को में युवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव के दौरान प्रदर्शित किया गया था।

इंडिया ग्लोबल वीक, लंदन

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 30 जून, 2021 को लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल वीक में भाग लिया। भा.सां.सं.प. द्वारा 'इंडोलॉजी अवार्ड सेरेमनी' और 'कल्चरल बोर्ड इंटरैक्शन' नामक दो खंडों का समन्वय किया गया। इस अवसर पर भा.सां.सं.प. ने सुश्री मैत्री पहाड़ी और मनमोहिनी द्वारा 'माया- एक भ्रम' की रिकॉर्ड की गई सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां भी उपलब्ध कराई-देवकी थॉमस और श्रेया पटनायक द्वारा ओडिसी नृत्य प्रस्तुति।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ गाला कॉन्सर्ट) का शिखर सम्मेलन

भा.सां.सं.प. ने दुशांबे में दिनांक 12 से 21 सितंबर, 2021 तक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ गाला कॉन्सर्ट) के शिखर सम्मेलन के ढांचे के भीतर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भा.सां.सं.प. की उत्कृष्ट श्रेणी के तहत बॉलीवुड अभिनेत्री और कथक नृत्यांगना, श्रीमती प्राची शाह के नेतृत्व में 11 सदस्यीय कथक भारतीय सिनेमा नृत्य मंडली को प्रायोजित किया। इस भव्य कार्यक्रम में भारत की ओर से माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और अनेक अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

युवामुकुलम

परिषद ने युवा कलाकारों के साथ प्रदर्शन की एक श्रृंखला आयोजित करने के लिए मोहिनीअट्टम की अंतर्राष्ट्रीय अकादमी का समर्थन किया, जिसे दिनांक 08 से 10 अक्तूबर , 2021 को यूट्यूब पर प्रसारित किया गया था।

सूफी संस्कृति का फेस महोत्सव, मोरक्को

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 09 से 16 अक्तूबर, 2021 को मोरक्को में आयोजित सूफी संस्कृति के प्रतिष्ठित फेस महोत्सव में भाग लेने के लिए श्री वहीद जिलानी के नेतृत्व में कश्मीर म्यूजिक क्लब कोऑपरेटिव लिमिटेड की एक लोक मंडली की वर्चुअल वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराई ।

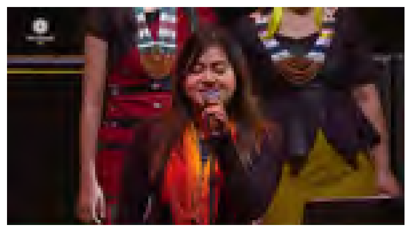

एक्सपो-2020 दुबई में इंडिया पवेलियन

पहली बार, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् ने दुबई एक्सपो-2020 में भाग लिया और एक्सपो- 2020 में भारतीय सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए फिक्की के साथ सहयोग किया। भा.सां.सं.प. ने दुबई एक्सपो में निम्नलिखित प्रदर्शन प्रायोजित किए :

(1) दिनांक 01 अक्तूबर , 2022 को उद्घाटन समारोह के लिए सुश्री जयाप्रभा मेनन की वरिष्ठ शिष्या सुश्री जयप्रिया नायर के नेतृत्व में 9 सदस्यीय मोहिनीअट्टम नृत्य समूह।

(2) दिनांक 12 से 16 अक्तूबर, 2021 तक दशहरा के अवसर पर सुश्री गौरी के. के नेतृत्व में 10 सदस्यीय लोक समूह नामत: "कर्नाटक महिला यक्षगान" को एक्सपो में भेजा गया था ।

(3) दिनांक 20 से 25 दिसंबर, 2021 तक नई दिल्ली के एओ नागा कॉयर ग्रुप ने दुबई एक्सपो- 2020 में क्रिसमस समारोह में भाग लिया।

बहरीन इंटरनेशनल म्यूजिक फेस्टिवल में भारतीय गायन

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 09 से 16 अक्तूबर, 2021 तक 30वें बहरीन अंतर्राष्ट्रीय संगीत महोत्सव में प्रस्तुति देने के लिए श्री गजाल्ला जयवंत नायडू के नेतृत्व में 8 सदस्यीय 'क्लासिकल फोक फ्यूजन ग्रुप' की बहरीन साम्राज्य की यात्रा को प्रायोजित किया। इसने भारत और बहरीन के राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने का भी जश्न मनाया।

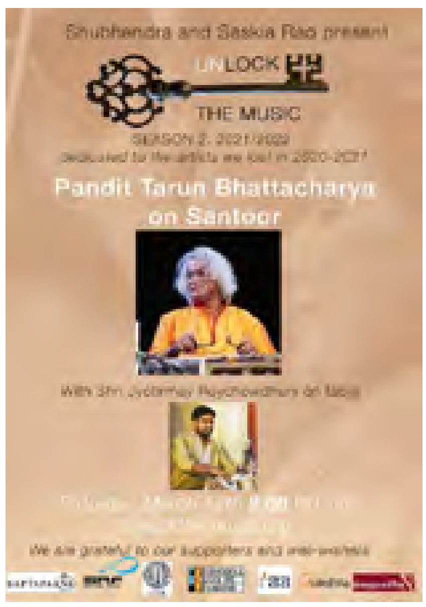

"अनलॉक द म्यूजिक" का सीजन 2

भा.सां.सं.प. ने श्री शुभेंद्र राव के सहयोग से अक्तूबर, 2021 से मार्च, 2022 तक "अनलॉक द म्यूजिक" के सीजन 2 के तहत छह लाइव कॉन्सर्ट श्रृंखलाओं का आयोजन किया।

क) इस श्रृंखला का पहला गायन पंडित तेजेंद्र नारायण मजूमदार द्वारा एक सरोद गायन था जिसे दिनांक 30 अक्तूबर, 2021 को प्रसारित किया गया था ।

ख) दूसरा संगीत कार्यक्रम पंडित शौनक अभिषेकी द्वारा तबले पर श्री दुर्जय भौमिक और हारमोनियम पर श्री विनय मिश्रा के साथ एक मुखर गायन था जिसे दिनांक 27 नवंबर, 2021 को प्रसारित किया गया था।

ग) तीसरा संगीत कार्यक्रम तबले पर श्री प्रांशु चतुर लाल के साथ उस्ताद सास्किया राव डी हास द्वारा किया गया था, जिसे दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को प्रसारित किया गया था।

घ) चौथे आयोजन के रूप में, दिनांक 26 फरवरी, 2022 को पद्मश्री अरुणा साईराम द्वारा कर्नाटक गायन जिनके साथ मृदंगम पर विद्वान पत्री सतीशकुमार और वायलिन पर विद्वान एच.एन. भास्कर थे ।

ङ) पांचवे आयोजन के रूप में दिनांक 12 मार्च, 2022 को पंडित तरुण भट्टाचार्य द्वारा संतूर वादन जिनके साथ तबले पर श्री ज्योतिर्मय रॉय चौधरी थे; इसके पश्चात्,

च) छठे आयोजन के रूप में, दिनांक 16 अप्रैल, 2022 को तबले पर श्री शंभूनाथ भट्टाचार्यजी और हारमोनियम पर श्रीमती परोमिता मुखर्जी के साथ विदुषी कलापिनी कोमकली द्वारा हिंदुस्तानी गायन ।

ताका दिमी ता, मेक्सिको

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 23 अक्तूबर से 03 नवंबर, 2021 तक मेक्सिको के सर्वेंटिनो महोत्सव में भाग लेने और निकट के अनेक अन्य शहरों में प्रदर्शन करने के लिए श्री नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में "ताका दिमी ता" के नाम से 12 सदस्यीय भारतीय सिनेमा समूह को प्रायोजित किया।

“बागामोयो अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव”, तंजानिया और नाइजीरिया में अंतर्राष्ट्रीय कला और शिल्प एक्सपो

भा.सां.सं.प. ने ओडिशा के श्री चंद्रमणि प्रधान के नेतृत्व में 12 सदस्यीय गोटीपुआ समूह “बाबा गोरखनाथ गोटीपुआ डांस एसोसिएशन” को प्रायोजित किया, जिन्होंने तंजानिया में “बागामोयो अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव” और दिनांक 27 अक्तूबर से 06 नवंबर तक नाइजीरिया में अंतर्राष्ट्रीय कला और शिल्प एक्सपो में भाग लिया।

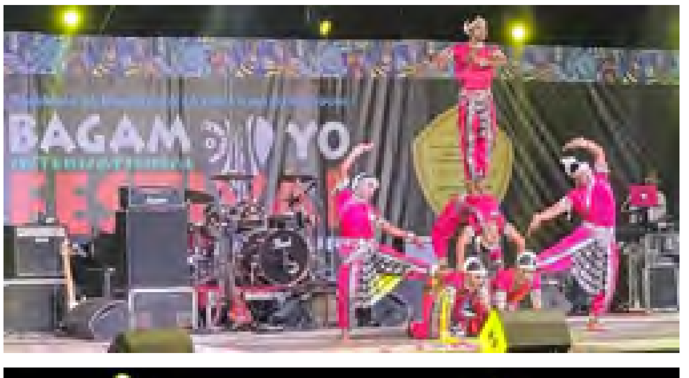

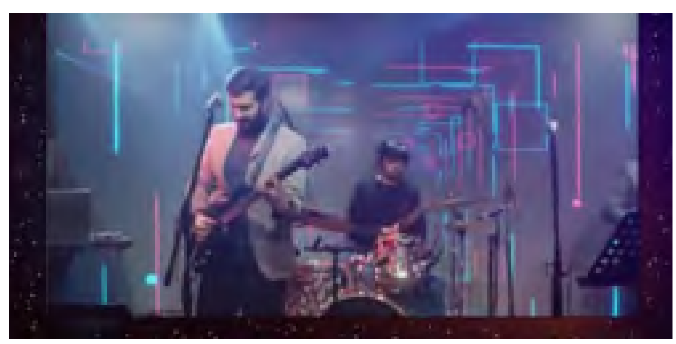

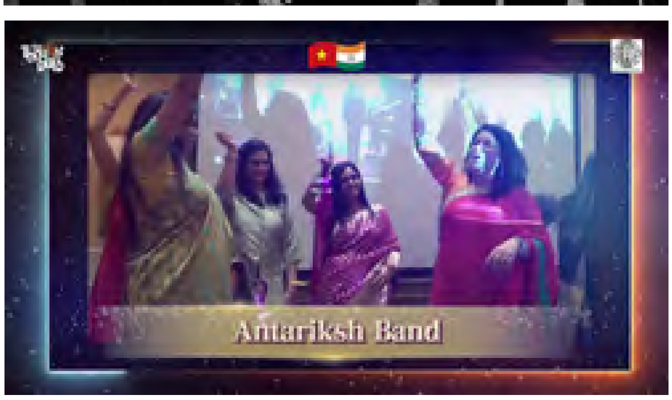

वियतनाम में भारतीय व्यापार चैंबर (आईएनसीएचएएम हनोई)

परिषद ने वियतनाम में इंडियन बिजनेस चैंबर इन वियतनाम (आईएनसीएचएएम हनोई) द्वारा आयोजित दिवाली गाला कॉन्सर्ट पर श्री वरुण राजपूत, दिल्ली के नेतृत्व में इंडियन सिनेमा म्यूजिक ग्रुप "अंतरिक्ष" के एक हाइब्रिड-शो का सहायता प्रदान की और दिनांक 21 नवंबर, 2021 को भारतीय दूतावास, हनोई द्वारा समन्वय किया गया था।

भारतीय संस्कृति सप्ताह", फिलिस्तीन

परिषद ने सुश्री संगीता शर्मा के नेतृत्व में 12 सदस्यीय 'कंटेम्परेरी डांस ग्रुप "अन्वेषना" को "भारत संस्कृति सप्ताह" जोकि दिनांक 23 से 29 नवंबर, 2021 को फिलिस्तीन में भारत के राजनयिक मिशन की स्थापना/ उद्घाटन के 24 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया, में प्रदर्शन करने के लिए प्रायोजित कर फिलिस्तीन भेजा। समूह ने दिनांक 30 नवंबर से 08 दिसंबर, 2021 तक मिस्र के विभिन्न शहरों में सांस्कृतिक प्रदर्शन करने के लिए मिस्र की यात्रा भी की।

भारत दिवस समारोह, फिनलैंडिया तालो

भा.सां.सं.प. ने फिनिश कलाकारों के साथ एक फ्यूजन कॉन्सर्ट प्रस्तुत करने के लिए हेलसिंकी और फिनलैंड में 03 प्रख्यात कलाकारों की भागीदारी को प्रायोजित किया, जोकि दिनांक 09 दिसंबर, 2021 को प्रतिष्ठित फिनलैंडिया तालो में भारत दिवस मनाने के लिए अपनी तरह का पहला आयोजन है। तीन भारतीय कलाकार नामत: ग्वालियर घराने के प्रसिद्ध हिंदुस्तानी गायक पंडित विद्याधर व्यास, सैनिया घराने के प्रसिद्ध सारंगी वादक उस्ताद कमल सरवर साबरी, और सैनिया घराने के प्रसिद्ध तबला वादक, श्री गुलफाम सरवर साबरी थे।

पंजाबी लोकसंगीत गायक समूह "भोला पंछी"

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 23 से 30 जनवरी, 2022 तक भारतीय दूतावास, बगदाद विश्वविद्यालय, बगदाद थिएटर आदि में प्रदर्शन सहित इराक में विभिन्न स्थानों पर गणतंत्र दिवस समारोहों के दौरान प्रदर्शन श्री परविंदर सिंह के नेतृत्व में 15 सदस्यीय पंजाबी लोक संगीत गायक समूह "भोला पंची" को इराक के बगदाद में प्रायोजित किया। इराक में अपने प्रदर्शन के बाद, समूह ने दिनांक 31 जनवरी से 03 फरवरी, 2022 तक सीरिया की यात्रा भी की। पिछले 25 वर्षों में भारत से इराक भेजा गया यह पहला प्रदर्शन करने वाला समूह था।

इस अवसर पर बगदाद में, इराक के कृषि मंत्री, एनएसए, संस्कृति उप मंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व उपाध्यक्ष, सांसद, इराक के राष्ट्रपति के 'चीफ ऑफ स्टाफ' आदि उपस्थित थे । इरबिल में, कुर्दिस्तान के विदेश मंत्री, परिवहन मंत्री, राष्ट्रपति के 'चीफ ऑफ स्टाफ', राष्ट्रपति के सलाहकार ने उस कार्यक्रम में भाग लिया जहां मंडली ने प्रदर्शन किया। सुलेमानिया में सुलेमानिया के गवर्नर, सत्तारूढ़ पैट्रियटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान पार्टी के वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी, संस्कृति मंत्रालय के महानिदेशक और गवनरेट के संस्कृति विभाग के महानिदेशक उपस्थित थे।

ओडिसी नृतकों ने श्रीलंका में मचाई धूम

मौमिता घोष, दिल्ली के नेतृत्व में 10 सदस्यीय ओडिसी डांस ग्रुप ने दिनांक 25 जनवरी से 05 फरवरी, 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम), जब भारत के गणतंत्र दिवस और श्रीलंका के स्वतंत्रता दिवस था, के अवसर पर श्रीलंका का दौरा किया। इस प्रतिष्ठित समारोह के मुख्य अतिथि अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ दक्षिणी प्रांत के माननीय गवर्नर डॉ विली गामागे थे।

स्लोवेनिया में टेरेंस लुईस के नेतृत्व में "पैराडॉक्स"

परिषद द्वारा प्रायोजित टेरेंस लुईस के नेतृत्व में 19 सदस्यीय समकालीन समूह "पैराडॉक्स" ने दिनांक 15 से 19 फरवरी, 2022 तक स्लोवेनिया में और दिनांक 20 से 28 फरवरी, 2022 तक क्रोएशिया में अपना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर समोबोर की मेयर सुश्री पेट्रा स्क्रोबोट, सांसद श्री वेल्जकोकाजताजी और श्री दावोर इवो स्टियर, क्रोएशियाई सुरक्षा और खुफिया एजेंसी के निदेशक श्री दामिर मार्किक और क्रोएशिया में भारतीय राजदूत, श्री राज श्रीवास्तव जैसे प्रमुख गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

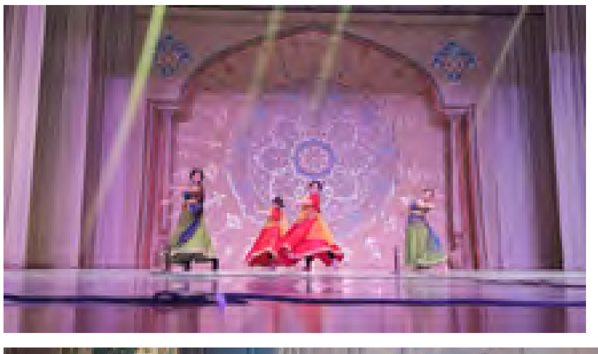

वंदे भारतम समूह

भा.सां.सं.प. ने आजादी का अमृत महोत्सव समारोह को मनाने के लिए उज्बेकिस्तान और उसके बाद कजाकिस्तान की पहली वंदे भारतम समूह की यात्रा को प्रायोजित किया। सुश्री शरवरी भिड़े के नेतृत्व में 11 सदस्यीय कथक नृत्य समूह "शांभवी इंटरनेशनल स्कूल ऑफ कथक" ने संपूर्ण उज्बेकिस्तान के प्रतिष्ठित स्थानों जैसे तुर्किस्तान कॉन्सर्ट हॉल, ताशकंद, कोकंद आर्ट थिएटर, कोकंद और नमंगन संस्कृति केंद्र, नामंगन में प्रदर्शन किया। कजाकिस्तान में, समूह ने मेट्टालर्जिस्ट पैलेस ऑफ कल्चर, तेमिर्ताऊ और अस्ताना मेडिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित संगीत कार्यक्रमों में प्रदर्शन किया और कजाख नेशनल एकेडमी ऑफ कोरियोग्राफी, नोमैड अकादमी ऑफ कोरियोग्राफी और एसवीसीसी परिसर में कार्यशालाओं का भी आयोजन किया।

भा.सां.सं.प.

देश में आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल

परिषद विदेशी सांस्कृतिक दलों द्वारा अभिनय प्रदर्शित करती है ताकि भारत के लोगों को दुनिया भर की संस्कृतियों को देखने और सराहना करने का मौका मिल सके। आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल एक अभिन्न अंग रहे हैं और विभिन्न देशों के साथ और इसके बाहर भारत के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के दायरे में देश में विदेशी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को बढ़ावा देने से संबंधित हैं। इसमें एक विशिष्ट देश, क्षेत्र या यहां तक कि एक महाद्वीप को समर्पित सांस्कृतिक सप्ताह और त्योहार शामिल हैं। इन सभी घटनाओं के साथ, देश के लोगों को दुनिया भर से प्रदर्शन देखने को मिलता है और इस तरह विदेशी संस्कृतियों की उनकी समझ बढ़ती है।

इसके अलावा, परिषद भारत सरकार की सांस्कृतिक एजेंसी के रूप में अपने काम के हिस्से के रूप में विदेश मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों / विभागों की ओर से सांस्कृतिक परियोजनाओं को लागू करती है। परिषद दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों से प्राप्त अनुरोधों को भी संभालता है और अपने कार्यों के लिए अपने पैनल से अच्छे कलाकार के प्रदर्शन की सुविधा प्रदान करता है। परिषद विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में लगे संगठन को वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। परिषद भारत में देश के भीतर अपने प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय में मासिक 'क्षितिज श्रृंखला' का भी आयोजन करती है।

मुजीब वर्ष, बांग्लादेश-भारत राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष

"मुजीब वर्ष" और बांग्लादेश-भारत राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष के संयुक्त समारोह के भाग के रूप में, भा.सां.सं.प. और बांग्लादेश उच्चायोग ने दिनांक 03 अप्रैल, 2021 को सुषमा स्वराज भवन, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में बांग्लादेश के एक लोकप्रिय बांग्लादेशी सांस्कृतिक समूह सृष्टि सांस्कृतिक केंद्र द्वारा एक नृत्य प्रदर्शन का आयोजन किया। कलाकारों ने सांस्कृतिक विविधता, देशभक्ति, 1971 के मुक्ति संग्राम और बंगबंधु के ऐतिहासिक 07 मार्च के भाषण पर प्रकाश डाला।

वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) ने अपने 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'भा.सां.सं.प. एलुमनी कनेक्ट प्रोग्राम' के भाग के रूप में विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास /उच्चायोगों और भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों से भा.सां.सं.प. के स्थापना दिवस अर्थात् दिनांक 09 अप्रैल, 2021 के आयोजन के साथ मेल खाते हुए "मॉय इम्प्रेशसन्स ऑफ इंडिया" या "व्हाट इंडिया मीन्स टू मी" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए कहा गया था। यह वीडियो ब्लॉगिंग प्रतियोगिता विशेष रूप से उन विदेशी निवासियों के लिए खुली थी जिन्होंने भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति पर या अपने स्वयं के संसाधनों से भारत में अध्ययन किया था। प्रतियोगिता में 33 देशों से प्रविष्टियां प्राप्त हुईं और सर्वश्रेष्ठ तीन प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया गया।

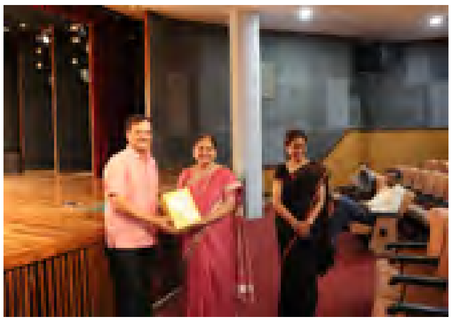

एचसीएस अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) के महानिदेशक के अनुरोध पर भा.सां.सं.प. ने दिनांक 29 जुलाई, 2021 को भा.सां.सं.प. मुख्यालय, नई दिल्ली में "भारत की विदेश नीति में भा.सां.सं.प. की भूमिका" पर एचसीएस अधिकारियों के लिए एक व्याख्यान दिया था साथ ही भा.सां.सं.प. के पेनलबद्ध कलाकारों, सुश्री ऋचा जैन (कथक नृत्यांगना) और श्री आर. श्रीधर (कर्नाटक वायलिन वादक) द्वारा व्याख्यान-प्रदर्शन किया गया।

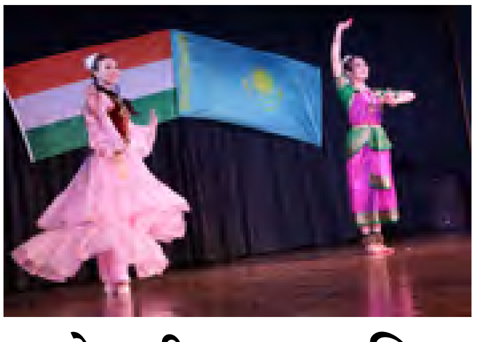

भारत और कजाकिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ

भारत और कजाकिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर, भा.सां.सं.प. ने गुरुवार, 10 मार्च, 2022 को भा.सां.सं.प. ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में अल्माटी-कजाकिस्तान स्थित सेंटर फॉर इंडियन क्लासिकल डांस एंड योग से सुश्री अकमरल कैनाजारोवा एंड ग्रुप द्वारा एक नृत्य प्रदर्शन की मेजबानी की। कजाकिस्तान के युवा नर्तकों ने कजाख लोक नृत्य और भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत किए।

गाला शो (आजादी का अमृत महोत्सव)

भारत की स्वतत्रंता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, भा.सां.सं.प. ने अमृत महोत्सव के उत्सव की शुरुआत एक शानदार 'गाला ईवनिंग' के साथ की, जिसे 13 अगस्त, 2021 को भारत की उत्कृष्ट सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत, इसकी कलात्मक बहुलता और प्रौद्योगिकीय प्रगति के प्रति एक श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मंत्री, राजनयिक और वरिष्ठ नौकरशाह उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, राज्य मंत्री, श्रीमती मीनाक्षी लेखी और भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे भी उपस्थित थे। गाला शो में 18 अलग-अलग प्रदर्शन समूह (162 संगीतकार / गायक / नर्तक) ने भाग लिया, जो विभिन्न क्षेत्रों, उत्तर, पूर्वोत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण की जीवंतता का प्रदर्शन करते थे।

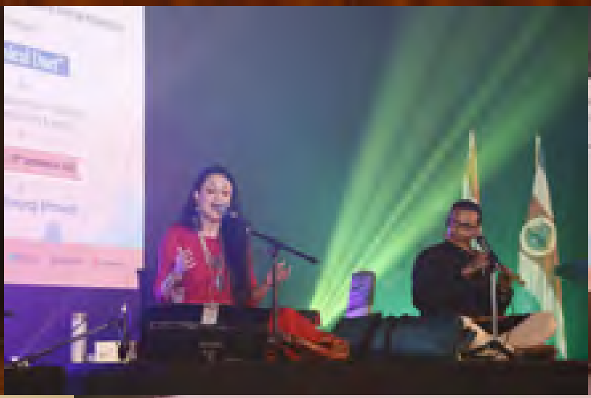

मध्य अमेरिकी देशों की द्विशताब्दी वर्षगांठ समारोह

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, ग्वाटेमाला गणराज्य, अल सल्वाडोर और कोस्टा रिका ने दिनांक 15 सितंबर, 2021 को सुषमा स्वराज भवन (पीबीके), दिल्ली में कोस्टा रिका के कलाकार- श्री मैनुअल ओब्रेगन और भारतीय गायक और संगीतकार- सोनम कालरा और समूह द्वारा एक संयुक्त संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। मध्य अमेरिकी देशों की द्विशताब्दी वर्षगांठ समारोह के अवसर पर माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर मुख्य अतिथि थे। समूहों ने दिनांक 18 सितंबर, 2021 को सत्यजीत रे ऑडिटोरियम, कोलकाता का दौरा/ प्रदर्शन किया।

कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र द्वारा एक संगीतमय प्रस्तुति- 'द लीजेंड ऑफ प्रिंसेस श्रीरत्ना'

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और कोरियाई संस्कृति केंद्र, भारत और कोरिया गणराज्य के दूतावास ने संयुक्त रूप से दिनांक 13 अक्तूबर, 2021 को कमानी ऑडिटोरियम, कोपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली में एक संगीतमय प्रस्तुति "द लीजेंड ऑफ प्रिंसेस श्रीरत्ना" के मंचन की व्यवस्था की। यह संगीतमय प्रस्तुति अयोध्या की एक राजकुमारी की कहानी पर आधारित थी, जिसने कोरिया जाकर 48 ईस्वी में एक कोरियाई राजा से विवाह किया जिसे हियो ह्वांग-ओक के नाम से भी जाना जाता है और महान करक राजवंश को प्रारंभ किया।

मुंबई में संगीत और सांस्कृतिक संध्या

भा.सां.सं.प. और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के भाग के रूप में, मुंबई में, भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की उपस्थिति में एक संगीत और सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उच्च स्तरीय गण्यमान्य व्यक्तियों, 'कांसुलर कोर' के सदस्यों और मुंबई में अध्ययनरत विदेशी छात्रों ने भागीदारी की।

चेन्नई में संगीत और सांस्कृतिक पर्व संध्या

भा.सां.सं.प., चेन्नई द्वारा 21 फरवरी, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारतीय की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक भव्य संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। । इस 'गाला इवनिंग' में भारत के नृत्य और संस्कृति की विविधता पर प्रकाश डाला गया और भारत की समृद्ध और पारंपरिक कला रूपों को दर्शाया गया। इस कार्यक्रम में, भारत के विभिन्न भागों के समकालीन, लोक और आदिवासी नृत्यों पर प्रकाश डाला गया।

पद्म भूषण से सम्मानित उस्ताद प्रोफेसर टी.वी. गोपालकृष्णन, उपर्युक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में समाज के सभी क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों ने भागीदारी की। कलाकारों द्वारा पेश की गई मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

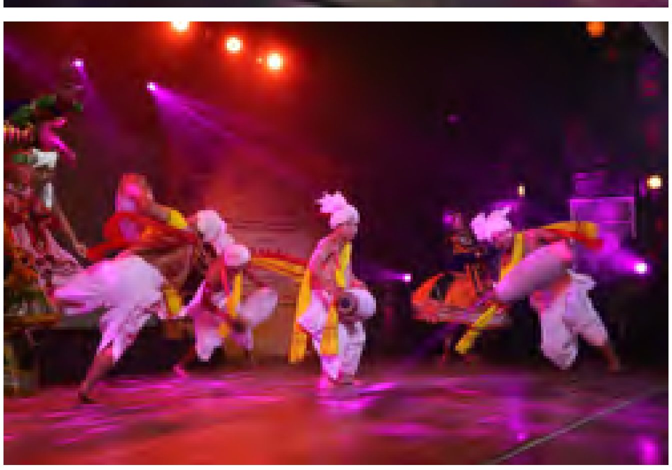

दिल्ली में नृत्य और संगीत संध्या

विदेश मंत्रालय के आजादी का अमृत महोत्सव सप्ताह के समापन के लिए, विदेश मंत्रालय और भा.सां.सं.प. ने रविवार, दिनांक 27 फरवरी, 2022 (सांय 7.00 बजे) पुराना किला, नई दिल्ली में; "नृत्य और संगीत संध्या" का आयोजन किया। इस अवसर पर, विदेश राज्य मंत्री और संस्कृति राज्य मंत्री, श्रीमती मीनाक्षी लेखी मुख्य अतिथि थी और भा.सां.सं.प. के माननीय अध्यक्ष एवं राज्य सभा के संसद सदस्य, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे।

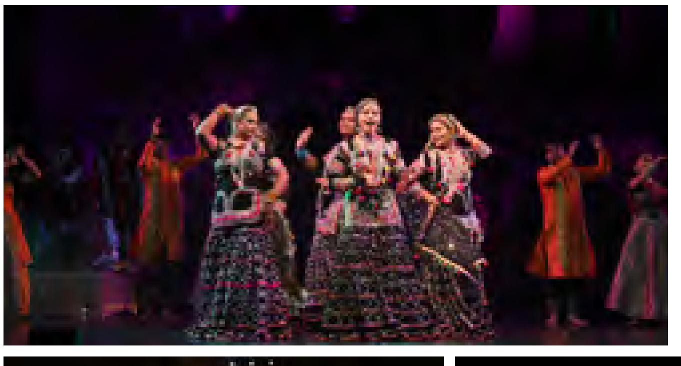

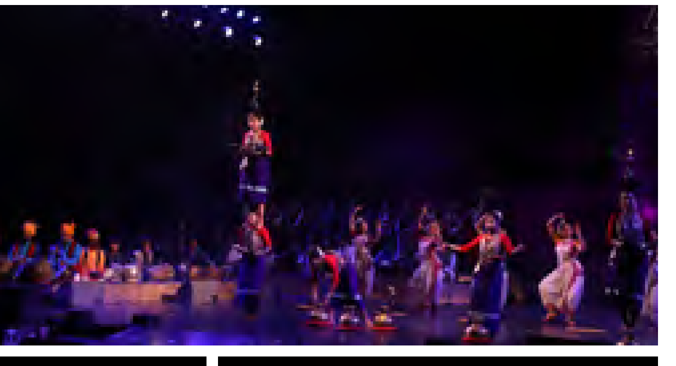

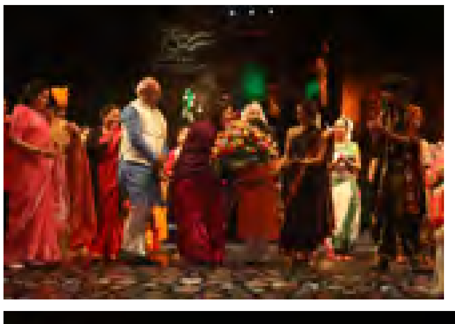

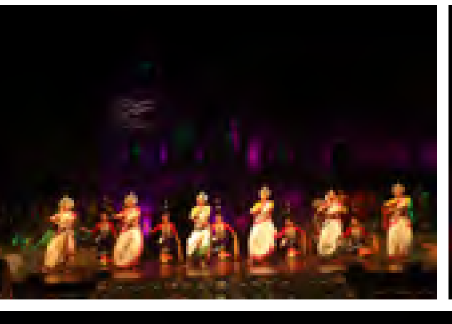

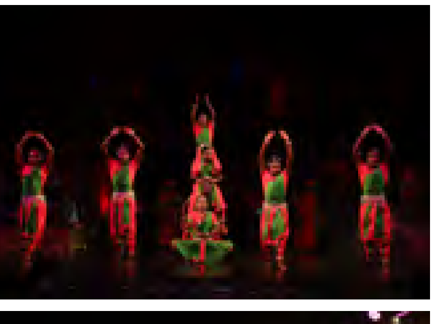

महानतम गायिक लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि

भा.सां.सं.प. द्वारा 05 मार्च, 2022 को भा.सां.सं.प. ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में भारत की महानतम गायिका लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देने के लिए 'सांग इटरनल' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भा.सां.सं.प. के माननीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने भाग लिया। श्रद्धांजलि, एक प्रसिद्ध पटकथा लेखक श्री अंबरीश मिश्रा द्वारा प्रस्तुत की गई और भा.सां.सं.प. मुंबई के आरएसी सदस्य श्री विनोद पवार द्वारा निर्देशित की गई।

सुश्री मोनिशा नायक द्वारा व्याख्यान प्रदर्शन

भा.सां.सं.प. के कार्यक्रम, जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क के तहत विभिन्न देशों से भारत की यात्रा करने वाले युवा सांसदों के सम्मान में दिनांक 25 नवंबर, 2021 को होटल ताज पैलेस, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष द्वारा आयोजित स्वागत समारोह के दौरान सुश्री मोनिशा नायक और समूह द्वारा कथक के व्याख्यान प्रदर्शन और प्रस्तुति की व्यवस्था की गई।

भा.सां.सं.प.
प्रदर्शनियां

कलारंभ

दिनांक 05 अगस्त से 31 अगस्त, 2021 तक रवींद्र भवन, ललित कला अकादमी में विदेशी और भारतीय कलाकारों की कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इस प्रदर्शनी का आयोजन भा.सां.सं.प. और ललित कला अकादेमी द्वारा संयुक्त रूप से "कलारंभ" के तहत किया गया था। भा.सां.सं.प. की 32 कलाकृतियों को प्रदर्शनी में शामिल किया गया था। उद्घाटन समारोह में भा.सां.सं.प. द्वारा पंडित अनुज मिश्रा और उनके समूह द्वारा कथक नृत्य का भी आयोजन किया गया था।

मध्य अमेरिकी स्वतंत्रता के द्विशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदर्शनी

भा.सां.सं.प. ने कोस्टा रिका दूतावास और ललित कला अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से मध्य अमेरिकी स्वतंत्रता के द्विशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 18 अक्तूबर से 23 अक्तूबर, 2021 तक भा.सां.सं.प. आर्ट गैलरी में कोस्टा रिका के श्री राउडिन अल्फारो की कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। कलाकार द्वारा ललित कला अकादेमी घाड़ी में एक कला कार्यशाला भी आयोजित की गई। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान कोलकाता और शांतिनिकेतन का भी दौरा किया।

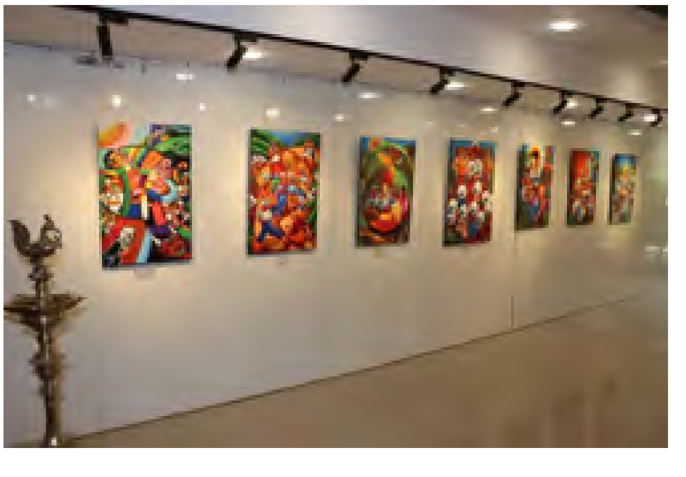

ग्रीक क्रांति के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ग्रीक कलाकारों की समूह प्रदर्शनी

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 21 से 27 नवंबर, 2021 तक बीकानेर हाउस नई दिल्ली में ग्रीक कलाकारों की एक समूह प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन भा.सां.सं.प. के महानिदेशक, श्री दिनेश पटनायक और यूनान के राजदूत महामहिम डायोनिसिस किवेटोस ने दिनांक 21 नवंबर, 2021 को संयुक्त रूप से किया था।

'कोएलेंसेंस' शिल्प मेला

(दिनांक 23 से 25 फरवरी, 2022 तक विदेश मंत्रालय का एकेएएम सप्ताह)

भा.सां.सं.प. और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने विदेश मंत्रालय, एकेएएम सप्ताह के भाग के रूप में चांदनी बाग, बीकानेर हाउस, नई दिल्ली में एक शिल्प मेला 'कोएलेंसेंस': शिल्प-संस्कृति-सामुदायिक-जलवायु का आयोजन किया। 'कोएलेंसेंस' ने भारत की सांस्कृतिक विरासत और शिल्प पद्धतियों को प्रदर्शित किया जो हमारे ग्रह की पारिस्थितिकी को संतुलित करने में मदद करते हैं। इस कार्यक्रम का संचालन सुश्री जया जेटली, दस्तकारी हाट समिति, नई दिल्ली द्वारा किया गया। 'कोएलेंसेंस' में कृलाकृतियों को भारत के विभिन्न भागों के 22 शिल्पकारों द्वारा 5 श्रेणियों- शिल्प, वस्त्र, पारंपरिक और लोक कला, सौंदर्य सुगंधित और पुनर्नवीकृत उत्पादों के तहत प्रस्तुत किया गया था। कलाकृतियों को गैर-प्रदूषणकारी तरीकों से प्राकृतिक, कार्बनिक पदार्थों से तैयार किया गया था।

कला और शिल्प प्रदर्शनी, पटना

भा.सां.सं.प. आरओ पटना, आरपीओ और पीओई पटना द्वारा विदेश मंत्रालय के एकेएएम सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में बिहार के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद ने स्वतंत्रता और उपलब्धियों के विषय पर कॉलेज के छात्रों द्वारा आयोजित एक कला और शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। पटना के विभिन्न महाविद्यालयों जैसे एनआईएफटी, कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट, सेंट जेवियर्स कॉलेज के छात्रों ने "भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष" विषय पर अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया।

कुंभ मेला

भा.सां.सं.प. ने बोस्निया और हर्जेगोविना के दूतावास के सहयोग से "कुंभ मेले पर विशेष चित्रों की एक प्रदर्शनी" प्रस्तुत की। प्रदर्शनी में कुंभ मेले में बोस्निया और हर्जेगोविना के राजदूत, महामहिम श्री मोहम्मद सेंजिक द्वारा लिए गए विशिष्ट चित्र प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन भा.सां.सं.प. के नवनियुक्त महानिदेशक, श्री कुमार तुहिन ने किया। यह प्रदर्शनी भा.सां.सं.प. आर्ट गैलरी, आजाद भवन में दिनांक 31 मार्च, 2022 से 06 अप्रैल, 2022 तक जनता के लिए खुली थी।

भा.सां.सं.प.

आवक्ष प्रतिमाएं और मूर्तियां

भा.सां.सं.प., भारतीय मिशनों और पोस्टों के माध्यम से औपचारिक संस्थापना के लिए भारतीय प्रतिष्ठित हस्तियों और राष्ट्रीय नेताओं की आवक्ष प्रतिमाएं और मूर्तियां भेंट करता है। इन आवक्ष प्रतिमाओं और मूर्तिओं को विभिन्न देशों में प्रतिष्ठित स्थानों पर संस्थापित किया गया है। भारतीय मिशन और पोस्ट ऐसे स्थानों पर औपचारिक समारोह आयोजित करते हैं। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान विश्व के विभिन्न भागों में संस्थापित ऐसी प्रतिमाओं और मूर्तियों का विवरण नीचे दिया गया है:

1.	सियोल, कोरिया	मई, 2021 में महात्मा बुद्ध की 3.3 फीट ऊंची प्रतिमा सियोल, कोरिया भेजी गई
2.	कुवैत	मई, 2021 में महात्मा गांधी की 25 कांस्य आवक्ष प्रतिमाएं कुवैत भेजी गई
3.	मबाबेन, (एस्टोनिया)	जून, 2021 के दौरान महात्मा गांधी की 42” की आवक्ष प्रतिमा मबाबाने, (एस्टोनिया) भेजी गई
4.	थिम्पू, भूटान	जून, 2021 में महात्मा बुद्ध की 3.3 फीट ऊंची प्रतिमा भूटान भेजी गई
5.	पर्थ, पश्चिम ऑस्ट्रेलिया	अप्रैल, 2021 में महात्मा गांधी की 6‘6” कांस्य प्रतिमा को सीजीआई, पर्थ, पश्चिम ऑस्ट्रेलिया भेजा गया
6.	मेलबर्न, पश्चिम ऑस्ट्रेलिया	सितंबर, 2021 में, महात्मा गांधी की 6‘6” की कांस्य प्रतिमा एआईसीसी, रोविले, ऑस्ट्रेलिया में भेजी गई
7.	बेलग्रेड, सर्बिया	गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 35 इंच की कांस्य आवक्ष प्रतिमा, बेलग्रेड सर्बिया भेजी गई
8.	कासा डा ला, वल्लाडोलिड, स्पेन	अक्तूबर, 2021 में, पंडित रविशंकर, की आवक्ष प्रतिमा, कासा डा ला, वल्लाडोलिड, स्पेन भेजी गई
9.	बर्लिन, जर्मनी	अक्तूबर, 2021 के दौरान रवींद्रनाथ टैगोर की 42” की आवक्ष कांस्य प्रतिमा जर्मनी को भेजी गई
10.	माहे, सेशेल्स	अक्तूबर 2021 के दौरान महात्मा गांधी की 3 मीटर की कांस्य प्रतिमा सेशेल्स भेजी गई
11.	काहिरा, मिस्र	अक्तूबर 2021 में, महात्मा गांधी की कांस्य आवक्ष प्रतिमा, काहिरा, मिस्र भेजी गई
12.	ताशकंद, उज्बेकिस्तान	(क) महात्मा गांधी की एक आवक्ष प्रतिमा ताशकंद, उज्बेकिस्तान भेजी गई ख) स्वामी विवेकानंद की एक आवक्ष प्रतिमा ताशकंद, उज्बेकिस्तान भेजी गई
13.	प्राग, चेक गणराज्य	रवींद्रनाथ टैगोर की कांस्य आवक्ष प्रतिमा, प्राग, चेक गणराज्य भेजी गई

Commemorate the Handing-over of

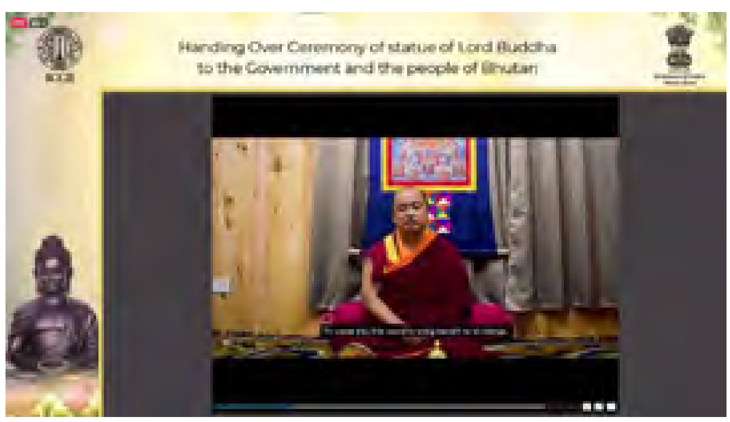
Handing Over Ceremony of statue of Lord Buddha
to the Government and the people of Bhutan

Handing Over Ceremony of statue of Lord Buddha
to the Government and the people of Bhutan

भा.सां.सं.प.

भा.सां.सं.प. अध्ययन पीठ

विदेशों में भारतीय अध्ययन और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए भा.सां.सं.प. ने विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के परामर्श से विश्वभर के विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों से उनके अनुरोध पर भारतीय अध्ययन पीठों (राजनीति विज्ञान, दर्शन, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और बौद्ध अध्ययन), हिन्दी, संस्कृत, उर्दू और बंगाली (नृत्य और संगीत) की स्थापना है। इन पीठों का उद्देश्य छात्रों को भारतीय इतिहास और संस्कृति के बारे में परिचित कराने के अलावा एक स्थानीय केंद्र बनना है जिनके इर्द-गिर्द विदेशों में शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय अध्ययन और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा सके। अध्ययन पीठ न केवल भारत के विभिन्न पहलुओं पर पाठ्यक्रमों का अध्ययन कराती है, बल्कि भारत के बारे में जागरूकता पैदा करने और भारत से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बेहतर जागरूकता तैयार करने हेतु सहायता करने के लिए अन्य शैक्षणिक क्रियाकलाप (अनुसंधान मार्गदर्शन, संगोष्ठियां, प्रकाशन, सार्वजनिक व्याख्यान, आदि) भी आरंभ करती है

परिषद, परिषद और मेजबान विश्वविद्यालय के बीच हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के आधार पर अध्ययन पीठों की स्थापना करती है।

भा.सां.सं.प. की चल रही अध्ययन पीठों की सूची

क्रम संख्या	देश	विश्वविद्यालय/ संस्थान और शहर	विषय
1.	बांग्लादेश	ढाका विश्वविद्यालय	हिंदी
2.	बुल्गारिया	सोफिया विश्वविद्यालय, सोफिया	हिंदी
3.	क्रोएशिया	ज़गरेब विश्वविद्यालय, ज़गरेब	हिंदी
4.	आइसलैंड	आइसलैंड विश्वविद्यालय	हिंदी
5.	मॉरिशस	महात्मा गांधी संस्थान, मोका	हिंदी
6.	मोरक्को	मोहम्मद वी. विश्वविद्यालय	हिंदी
7.	श्रीलंका	केलानिया विश्वविद्यालय	हिंदी
8.	स्विट्ज़रलैंड	लुसाने विश्वविद्यालय, लुसाने	हिंदी
9.	ताजिकिस्तान	ताजिक नेशनल यूनिवर्सिटी, दुशांबे	हिंदी-सह-उर्दू
10.	तुर्की	अंकारा विश्वविद्यालय, अंकारा	हिंदी

भारतीय अध्ययन पीठ के नवीकरण के लिए समझौता ज्ञापन, वियना

भारतीय अध्ययन पीठ के नवीकरण के लिए समझौता ज्ञापन पर भा.सां.सं.प. की ओर से ऑस्ट्रिया में भारत के राजदूत, महामहिम (श्री) जयदीप मजूमदार, वियना विश्वविद्यालय, वियना, ऑस्ट्रिया के दक्षिण एशियाई, तिब्बती और बौद्ध अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. डॉ क्लाउस- डाइटर मैथेस ने वियना विश्वविद्यालय के दक्षिण एशियाई, तिब्बती और बौद्ध अध्ययन विभाग में भारतीय अध्ययन की अल्पकालिक अध्ययन पीठ हेतु वर्चुअल तरीके से हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन भारत-ऑस्ट्रियाई शिक्षा और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुदृढ़ करेगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'बंगबंधु चेयर'

भा.सां.सं.प. और दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिनांक 12 जुलाई, 2021 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके 'बंगबंधु चेयर' स्थापित करने के लिए सहयोग किया है। 'बंगबंधु चेयर' दोनों देशों के बीच शैक्षिक, कला और संस्कृति के क्षेत्र में आदान-प्रदान को सुदृढ़ करने के लिए बांग्लादेश में विकास के बेहतर बोध पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक समानताओं को पोषित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है और यह राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ और बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की 100वीं जयंती का भी प्रतीक है। बांग्लादेश के श्री मोहम्मद शाहिदुल हक, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'बंगबंधु चेयर' के प्रथम धारक हैं। श्री मो. शाहिदुल हक, एक पूर्व राजनयिक और प्रसिद्ध शिक्षाविद् हैं जिन्होंने भारत-बांग्लादेश अध्ययन में व्यापक शोध किया है।

भा.सां.सं.प.

सम्मेलन और संगोष्ठियां

भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक कूटनीति के भारत के कौशल को बढ़ाने और सभ्यताओं के बीच संवाद को मजबूत करने के लिए, परिषद इंडोलॉजी, बौद्ध धर्म, सूफीवाद, टैगोर और भारतीय संस्कृति, दर्शन और समाज से संबंधित अन्य विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करती है।

ये सम्मेलन अंततः परिषद को भारत के महान सांस्कृतिक और शैक्षिक उत्थान का प्रतीक बनाने के अपने संकल्प को पूरा करने में मदद करते हैं। भारत की समृद्ध विरासत को बढ़ावा देने के लिए इस विचार को बनाए रखने और साझा करने के लिए, ये सम्मेलन बहुत उपयोगी और इंटरैक्टिव साबित होते हैं, जिसमें प्रख्यात भारतीय विद्वानों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों को एक ही मंच पर लाया जाता है।

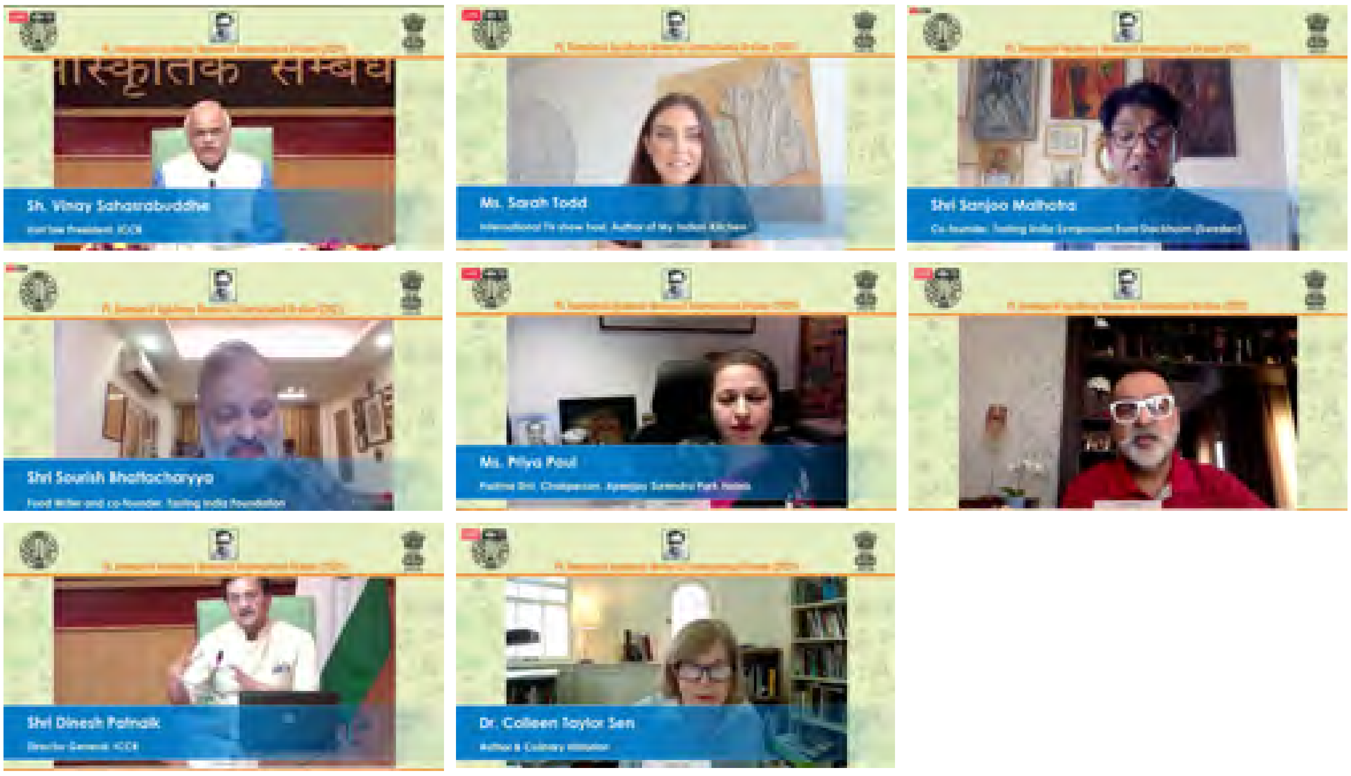

पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल इंटरनेशनल ओरेशन

दिनांक 21 मई, 2021 को चौथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल अंतर्राष्ट्रीय ओरेशन "इनसाइट्स इन्टू इंडियाज् क्यूलीनरी ट्रेडिशन्स्" विषय पर एक प्रख्यात खान-पान आलोचक और लेखक, डॉ कोलीन टेलर सेन द्वारा वर्चुअल रूप से दिया गया था। ओरेशन के बाद भारत और विश्वभर में भारतीय पाककला की सेवा कर रहे अथवा उसके प्रचार में लगे प्रसिद्ध शेफ, रेस्तरां मालिकों की पैनल चर्चा हुई। श्री सौरीश भट्टाचार्य पैनल चर्चा के मॉडरेटर और समन्वयक थे।

डेस्टिनेशन इंडिया- "मेकिंग इंडिया द प्रेफ्रर्ड हब ऑफ एजुकेशन"

डेस्टिनेशन इंडिया पर दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन– "मेकिंग इंडिया द प्रेफर्ड हब ऑफ एजुकेशन" दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से वर्चुअल तरीके से आयोजित किया गया था। दिनांक 15 अप्रैल, 2021 को 70 कुलपतियों, संगठनों/संस्थानों के प्रमुखों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

“उबुंटू: अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन- सार्वभौमिक कल्याण के लिए योग”

“उबुंटू: अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन– सार्वभौमिक कल्याण के लिए योग”, भारतीय और अफ्रीकी परंपराओं के बीच समानताओं को तलाशने के लिए वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था। भारत के आयुष, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री किरेन रिजिजू और भारत से आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने सम्मेलन में सीधे भाग लिया तथा अफ्रीका से मेडागास्कर, घाना और मोरक्को के स्वास्थ्य मंत्रियों तथा मध्य अफ्रीकी गणराज्य के स्वास्थ्य महासचिव ने वर्चुअल रूप से भाग लिया। दिनांक 21 से 22 जून, 2021 को अफ्रीका, भारत और विश्वभर के पैनलिस्टों ने सम्मेलन में भाग लिया।

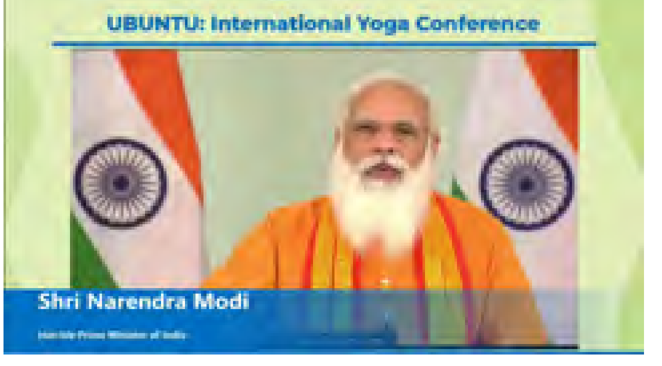

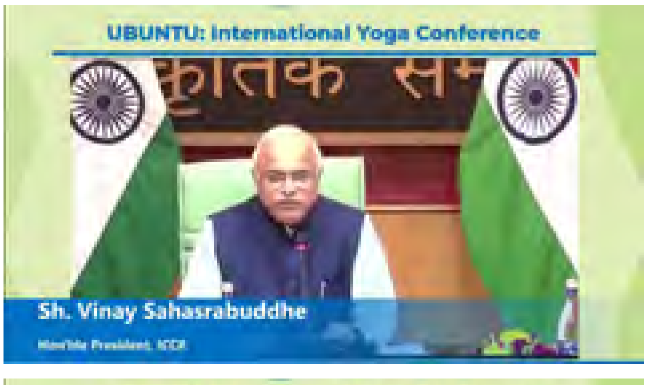

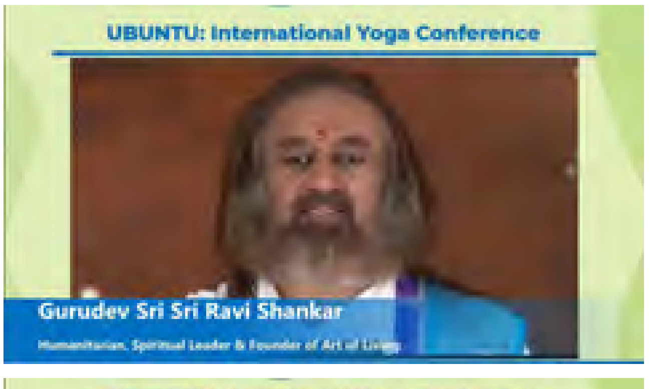

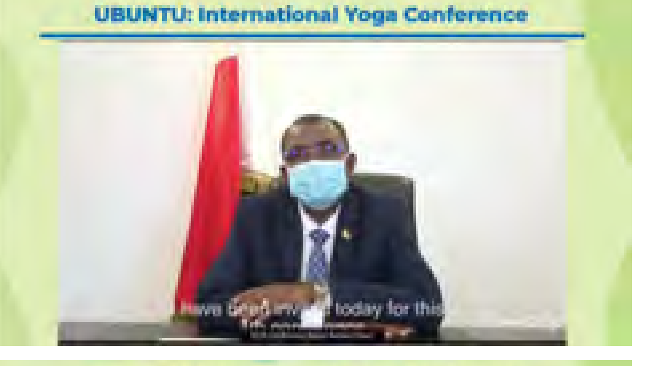

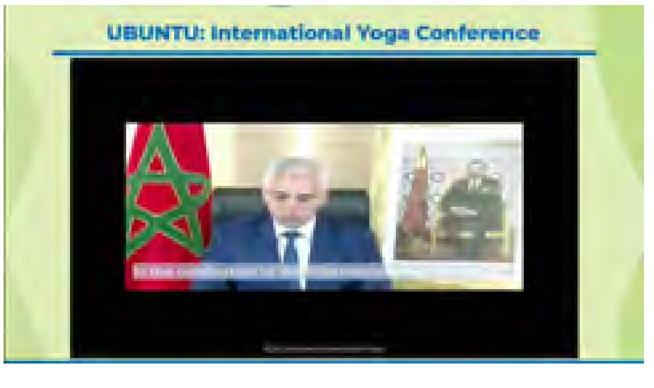

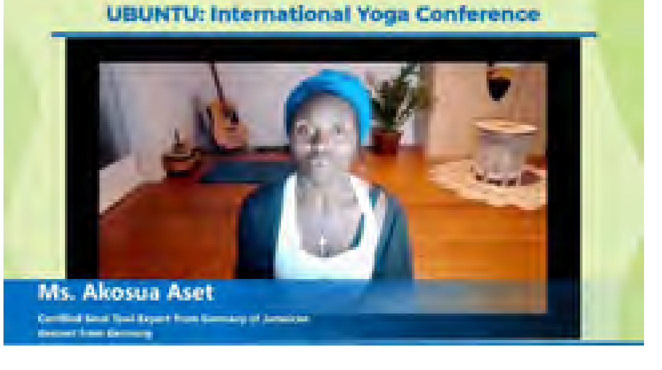

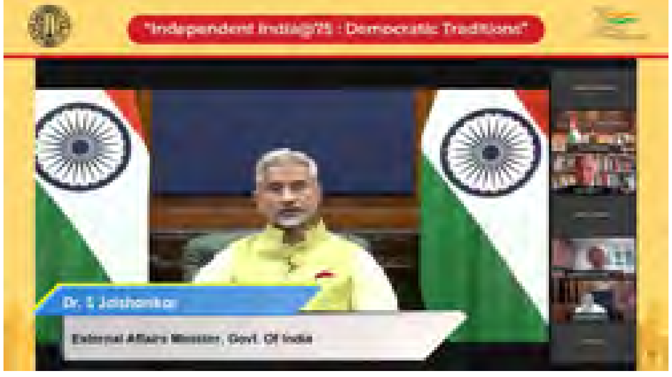

"स्वतंत्र भारत@75: लोकतांत्रिक परंपराएं"

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "स्वतंत्र भारत@75: लोकतांत्रिक परंपराएं" का आयोजन किया गया। विदेश मंत्री, डॉ. एस जयशंकर ने उद्घाटन भाषण (वीडियो संदेश) दिया। प्रख्यात वक्ताओं यथा श्री स्टीफन हार्पर, कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री, हार्पर एंड एसोसिएट्स कंसल्टिंग (कनाडा) के अध्यक्ष और सीईओ; महामहिम श्री एरिक सोलहेम, पूर्व पर्यावरण और अंतर्राष्ट्रीय विकास मंत्री (नॉर्वे); श्री जूलियन लीसर, बेरोव्रा, न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) के सांसद; श्री स्वपन दासगुप्ता, राज्य सभा सदस्य (भारत); भारत (मंगोलिया) में मंगोलिया के पूर्व राजदूत महामहिम गोंचिंग गनबोल्ड, एनआईआईए (नाइजीरिया) के महानिदेशक, प्रोफेसर एघोसा ई. ओसाघे; प्रो. वर्नर मेन्स्की, एसओएएस, लंदन विश्वविद्यालय (यूके) में दक्षिण एशियाई कानूनों के प्रोफेसर एमेरिटस; और श्री स्वामीनाथन गुरुमूर्ति, सीए, पत्रकार और कॉर्पोरेट और विधिक सलाहकार (भारत) ने दिनांक 15 सितंबर, 2021 को वेबिनार में भाग लिया ।

“शिल्प, व्यंजन और रचनात्मकता के माध्यम से बेहतर साख-भारत की सॉफ्ट पावर-का लाभ उठाया जाना”

विदेश मंत्रालय के ओआईए डिवीजन की ओर से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद (एआरएसपी) के सहयोग से दिनांक 16 अक्तूबर, 2021 को पूर्वी खंड (अफ्रीका, दक्षिण, दक्षिण पूर्व एशिया और सुदूर पूर्व) और पश्चिमी खंडों (खाड़ी, यूरोप, अमेरिका और कैरेबियन) के लिए “शिल्प, व्यंजन और रचनात्मकता के माध्यम से भारत की बेहतर साख बनाना-सॉफ्ट पावर का लाभ उठाना” विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस वर्चुअल सम्मेलन में प्रवासी भारतीयों के 11 प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। माननीय राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे। फिजी सरकार की माननीय महिला, बाल और गरीबी उन्मूलन मंत्री, सुश्री रोजी अकबर और गुयाना सहकारी गणराज्य सरकार के माननीय मानव सेवा एवं सामाजिक सुरक्षा मंत्री, डॉ. विंध्य वासिनी प्रसाद क्रमश: पूर्वी और पश्चिमी खंडों के सम्मानित अतिथि थे।

वैश्विक बौद्ध सम्मेलन से पहले 08 पूर्व-सम्मेलन

बौद्ध धर्म के साथ भारत का संबंध सर्वविदित और बहुचर्चित है। भारत नालंदा, विक्रमशिला विश्वविद्यालयों सहित बौद्ध अध्ययन का सर्वोच्च शिक्षण स्थल रहा है और देश में प्रत्येक वर्ष विश्वभर से अनेक तीर्थयात्री आते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, नव नालंदा महाविहार के सहयोग से **हैदराबाद (11 अक्तूबर, 2021), नई दिल्ली (27-28 अक्तूबर, 2021), धर्मशाला (01 अक्तूबर, 2021) और गंगटोक (01 नवंबर) और विदेशोंमेंटोक्यो, जापान (22 अक्तूबर, 2021), दक्षिण कोरिया (12 अक्तूबर, 2021), दक्षिण कोरिया (12 अक्तूबर, 2021), थाईलैंड (07 अक्तूबर, 2021) और नोम पेन्ह, कंबोडिया (25 अक्तूबर, 2021)** में आठ पूर्व **वैश्विक बौद्ध सम्मेलन** आयोजित किए गए थे।

इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने कहा, "बौद्ध धर्म भारत के विचार का एक अनिवार्य घटक है। इसलिए, बौद्ध धर्म के विचार में भारत की प्रधानता और भारत के विचार में बौद्ध धर्म की प्रधानता को अकादमिक तरीके से रेखांकित किया जा रहा है।

सम्मेलन के अलावा, भा.सां.सं.प. ने बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए एक पुरस्कार की भी घोषणा की । पुरस्कार में 20,000 अमरीकी डालर का नकद पुरस्कार, एक 'पट्टिका' और एक स्वर्ण पदक शामिल है। यह पुरस्कार बौद्ध धर्म से संबंधित गतिविधियों के लिए एक व्यापक कार्य योजना का भाग है।

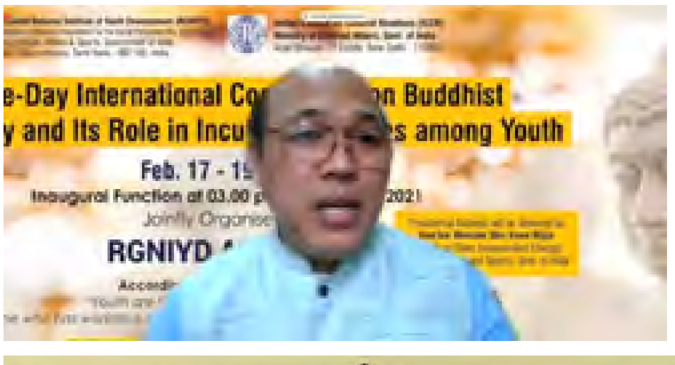

राज्यों के स्थानिक आयुक्तों के साथ बैठक

दिनांक 04 मार्च, 2022 को भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हुई प्रगति/ भावी मार्ग पर चर्चा करने के लिए माननीय अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. की अध्यक्षता में 17 राज्यों के स्थानिक आयुक्तों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष ने नई पहल ‘राज्य रंग उत्सव: भारतीय राज्यों की संस्कृति का महोत्सव’ की आरंभआत की, जिसमें प्रत्येक राज्य अपने-अपने राज्य स्थापना दिवस पर विशेष रूप से राजनयिक कोर के सदस् यों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर सकता है। यह सुझाव दिया गया कि राज्य विदेशों द्वारा भारत की समझ बढ़ाने के लिए उस राज्य के विशिष्ट व्यंजनों, नृत्य, संगीत, कला रूपों आदि को शामिल कर सकते हैं।

भा.सां.सं.प. द्वारा सहयोग की गई और समर्थित सम्मेलन और संगोष्ठियां

“रिविजिटिंग गांधीयन पर्सपेक्टिव ऑन डेवलपमेंट: रिफ्लेक्शन ऑन कल्चर, सोसायटी एंड पॉलिटिक्स”

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 03 से 04 सितंबर, 2021 को “आजादी का अमृत महोत्सव” के तत्वावधान में कालिंदी कॉलेज के गांधी स्टडी सर्कल द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन “रिविजिटिंग गांधीयन पर्सपेक्टिव ऑन डेवलपमेंट: रिफ्लेक्शन ऑन कल्चर, सोसायटी एंड पॉलिटिक्स” को सहायता प्रदान की।

हिमालयन इकोज 2021

भा.सां.सं.प. ने दिनांक 21 से 22 नवंबर, 2021 को 'कुमाऊं फेस्टिवल ऑफ लिटरेचर एंड आर्ट्स हिमालयन इकोज' में डिजिटल रूप से आयोजित हिमालयी इकोज 2021- सी.ए.एल. एम. (रचनात्मकता, कला, साहित्य, पर्वत) के छठे संस्करण को सहायता प्रदान की।

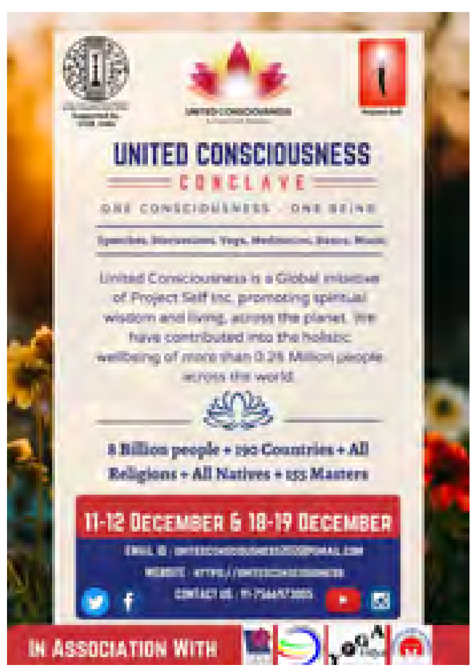

यूनाइटेड कॉन्शियसनेस कॉन्क्लेव 2021

भा.सां.सं.प. ने विदेशों में भारतीय मिशनों के माध्यम से कार्यक्रम का प्रचार करके 'यूनाइटेड कॉन्शियसनेस' द्वारा आयोजित "यूनाइटेड कॉन्शियसनेस कॉन्क्लेव 2021" को सहायता प्रदान की। सम्मेलन दिनांक 11,12,18 और 19 दिसंबर, 2021 को आयोजित किया गया था।

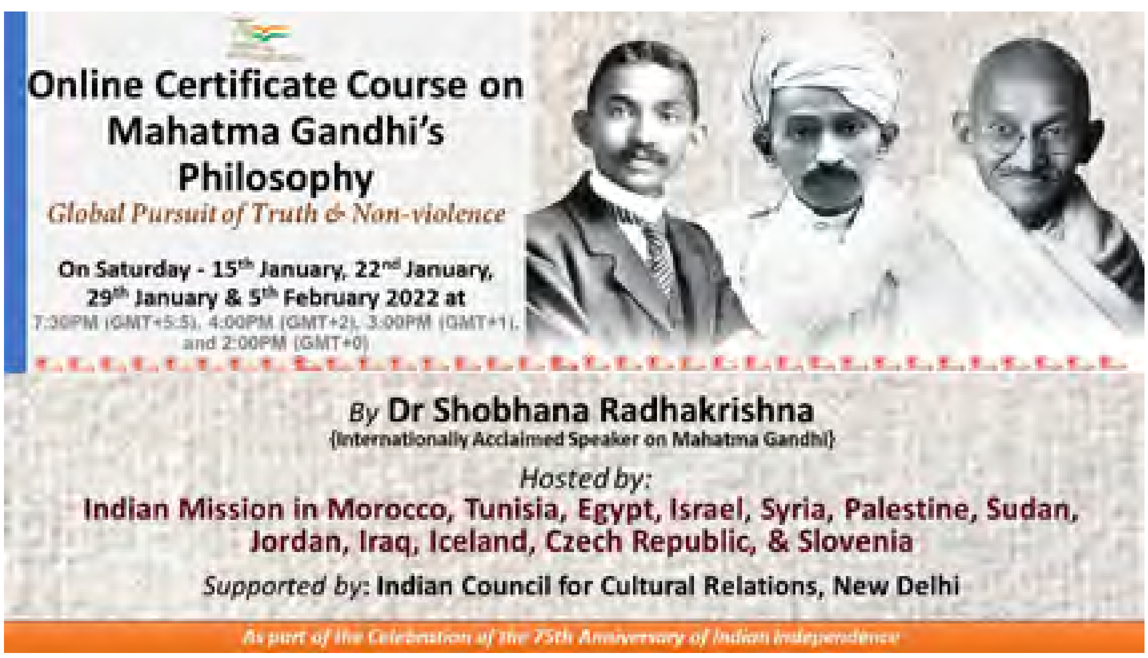

शोभना राधाकृष्ण द्वारा गांधीवादी दर्शन पर विशेष बातचीत

भारत@75 के भाग के रूप में, 'गांधीयन फोरम' की श्रीमती शोभना राधाकृष्ण ने दिनांक 30 जनवरी, 2022 से 02 अक्तूबर, 2022 तक भा.सां.सं.प. के सहयोग से महात्मा गांधी और अन्य प्रमुख नेताओं से संबंधित विशेष दिवसों/ कार्यक्रमों पर वार्ता की मेजबानी की। इसके अनुसरण में श्रीमती शोभना राधाकृष्ण ने जनवरी, 2022 में **"सत्याग्रह-द पाथवे टू ग्लोबल पीस"** नामक अपना पहला भाषण आयोजित किया। श्रीमती शोभना राधाकृष्ण ने नमक सत्याग्रह 92वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इसके योगदान पर दिनांक 12 मार्च, 2022 को अपने सोशल मीडिया साइटों पर फेसबुक लाइव होस्ट/प्रीमियर करने के लिए भारतीय मिशनों के साथ **"सॉल्ट सत्याग्रह–द पावर ऑफ नान वायलेंस एक्शन"** शीर्षक से अपने दूसरी वार्ता का आयोजन किया।

अध्येतावृत्ति

भा.सां.सं.प. ने दो भारतीय संगीत उस्ताद 'पंडित भीमसेन जोशी और उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान फेलोशिप फॉर म्यूजिक' के नाम पर दो अध्येतावृत्ति कार्यक्रम आरंभ किए हैं। डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की अध्यक्षता में भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष और प्रसिद्ध भारतीय संगीतकारों की जूरी ने हंगरी की सुश्री गैब्रिएला गरिमा टोथ को "स्पॉन्टेनियस एनलाइटनमेंट एक्सपीरियंस इन दी लाइट ऑफ सरस्वती देवी इन इंडियन क्लासिकल म्यूज़िक एंड डांस" विषय पर अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए 'पंडित भीमसेन जोशी फैलोशिप' और जर्मनी के श्री कार्स्टन विके को "एन इंस्ट्रूमेंटल ट्रेडिशन इन ट्रांजिशन फ्रॉम पॉस्ट टू प्रेजेंट: स्ट्रक्चर एंड मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ दी रुद्र वीणा" विषय पर अनुसंधान जारी रखने के लिए संगीत के लिए 'उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान फैलोशिप' रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कला संकाय, संगीत विज्ञान विभाग, कोलकाता से अध्येतावृत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया।

"स्पॉन्टेनियस एनलाइटनमेंट एक्सपीरियंस इन दी लाइट ऑफ सरस्वती देवी इन इंडियन क्लासिकल म्यूज़िक एंड डांस" विषय पर अनुसंधान जारी रखने के लिए हंगरी की सुश्री गैब्रिएला गरिमा टोथ को 'पंडित भीमसेन जोशी फैलोशिप' अवार्ड की गई।

"एन इंस्ट्रूमेंटल ट्रेडिशन इन ट्रांजिशन फ्रॉम पॉस्ट टू प्रेजेंट: स्ट्रक्चर एंड मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ दी रुद्र वीणा" विषय पर अनुसंधान जारी रखने के लिए जर्मनी के श्री कार्स्टन विके को संगीत के लिए 'उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान फैलोशिप' अवार्ड की गई।

भा.सां.सं.प.
आगंतुक कार्यक्रम

आगंतुक कार्यक्रम के तहत, भा.सां.सं.प. तीन कार्यक्रमों का संचालन करता है जिसके तहत यह विभिन्न साधनों के माध्यम से अन्य देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक निश्चित अवधि हेतु विदेशों से आगंतुकों की मेजबानी करता है जिसमें व्यक्ति से व्यक्ति संपर्क शामिल होता है।

इस कार्यक्रम में, व्याख्यान, गोलमेज चर्चा, मंत्रियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, प्रमुख बुद्धिजीवियों आदि के साथ 'कॉल ऑन मीटिंग' जैसे विभिन्न सत्र शामिल हैं।

विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के तहत, परिषद विदेशों से नोबेल पुरस्कार विजेताओं, संसद सदस्यों, पूर्व प्रधानमंत्रियों, नौकरशाहों, थिंक-टैंक, राजनीति, कला और संस्कृति के क्षेत्र में प्रसिद्ध हस्तियों को भारतीय संस्कृति का अनुभव करने और भारत में संस्थानों और श्रोतागणों के साथ बातचीत करने के लिए भारत की यात्राओं की सुविधा प्रदान कराती है।थिंक टैंक और सांस्कृतिक संस्थानों के प्रमुख प्रतिनिधियों को अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने और विशेषज्ञता के क्षेत्र में भारतीय नेताओं से मिलने के साथ-साथ भारत में विकास का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने के लिए भी आमंत्रित किया जाता है ।

(क) मेडागास्कर के अंतानानारिवो की शहरी नगरपालिका के महापौर **श्री नैना एंड्रियांटसिटोहाइना** की यात्रा (दिनांक 07 से 15 नवंबर, 2021 तक) ने मुंबई और नई दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण बैठकें कीं, जिनमें अपर नगर आयुक्त श्रीमती अश्विन भिंडे, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के अपर सचिव, श्री रवि अग्रवाल और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक, डॉ मंगू सिंह के साथ बैठक शामिल थी।

नाइजीरिया के एनआईआईए के महानिदेशक, प्रोफेसर एघोसा ई. ओसाघे ने नई दिल्ली में भा.सां.सं.प. मुख्यालय में भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे से भेंट की। बैठक के दौरान शैक्षिक सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

शैक्षिक आगंतुक कार्यक्रम

शैक्षिक आगंतुक कार्यक्रम के तहत परिषद ने भारतीय संस्कृति का अनुभव करने और भारत में संस्थानों और श्रोतागणों के साथ बातचीत करने के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों को भारत की यात्राओं की सुविधा प्रदान की। थिंक-टैंकों और सांस्कृतिक संस्थानों के प्रमुख प्रतिनिधियों को भी अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नौकरशाह, गैर सरकारी संगठनों और बुद्धिजीवियों के साथ 'कॉल ऑन' बैठकों के अलावा व्याख्यान, भारतीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक जैसे अनेकानेक सत्र शामिल हैं।

"जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क" कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के तहत भा.सां.सं.प. आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के भाग के रूप में "जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क" कार्यक्रम आयोजित करता है। 75 लोकतंत्रों और वैश्विक मंचों के युवा उभरते नेता, भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, इसकी सांस्कृतिक विरासत, इसके विकासात्मक पहल और संघ और राज्य स्तर पर लोकतांत्रिक परंपराओं का व्यापक अवलोकन प्राप्त करने के लिए भारत का दौरा कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडलों को विभिन्न संगठनों द्वारा राजनीतिक क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्र और विज्ञान और तकनीकी सक्षमताओं में भारत की प्रगति के बारे में संक्षेप में जानकारी दी जाती है। कार्यक्रम को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक समूह में लगभग सात से आठ देश शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक देश से दो से पांच प्रतिनिधि शामिल हैं।

प्रथम समूह में भूटान, जमाईका, मलेशिया, पोलैंड, श्रीलंका, स्वीडन, तंजानिया और उज्बेकिस्तान के "जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क" कार्यक्रम के तहत 08 देशों के 19 प्रतिनिधि शामिल थे, जिन्होंने दिनांक 25 नवंबर से 02 दिसंबर, 2021 तक दौरा किया था। इन युवा नेताओं ने भारत में अपने समकक्षों, वरिष्ठ मंत्रियों और नौकरशाहों, शिक्षाविदों, नागरिक समाज, महत्वपूर्ण हितधारकों के साथ बातचीत की और रुचि के अन्य स्थानों के अलावा स्थानीय सरकारी संस्थानों का दौरा किया।

भा.सां.सं.प.

छात्रवृत्ति और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का कल्याण

छात्रवृत्ति को युवा विदेशी नागरिकों को प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति का अध्ययन करने और बोध करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखा जाता है।

शिक्षा वर्ष 2021-22 के दौरान, भा.सां.सं.प. ने भारतीय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों में स्नातकपूर्व/ स्नातकोत्तर/ पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिए विदेशी नागरिकों को विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत प्रदर्शन कला, आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए 23 छात्रवृत्ति योजनाओं (विदेश मंत्रालय की ओर से 14 और आयुष मंत्रालय के लिए 03 और भा.सां.सं.प. के अपने छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए 06) के तहत 3,822 छात्रवृत्ति स्लॉट की पेशकश की है।

कोविड-19 के कारण, अनेक छात्र अपने-अपने देशों से ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल हुए। नए प्रवेश पाने वाले उन विदेशी छात्रों के लिए, जो भारत की यात्रा कर सकते हैं और इन-कैंपस कक्षाओं में सम्मिलित हो सकते हैं, हमारे क्षेत्रीय केंद्रों- हैदराबाद, पुणे, कोलकाता, बेंगलुरु, गोवा, अहमदाबाद, भुवनेश्वर और गुवाहाटी में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

छात्रों के सर्वोत्तम हित में छात्रवृत्ति कार्यक्रमों को सुचारू बनाने के लिए, भा.सां.सं.प. द्वारा अनेक नई पहल लागू की गईं, उदाहरण के लिए शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए, पैनल मानदंड शामिल किए गए हैं। संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता के मानदंडों में और संशोधन किया गया था कि केवल भारत के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों को हमारी सूची में शामिल किया जाए, जिनमें विदेशी छात्र भारत में अध्ययन के लिए आवेदन कर सकते हैं। विदेशी छात्र अब सीधे अपनी पसंद और विकल्पों के विश्वविद्यालय में आवेदन कर सकते हैं। भा.सां.सं.प., ए2ए पोर्टल में सुधार किया गया है और इसे अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया गया है। सभी विश्वविद्यालयों के लिए भा.सां.सं.प. छात्रों हेतु एकल खिड़की सुविधा केंद्र के रूप में अंतर्राष्ट्रीय छात्र कार्यालय होना अनिवार्य बना दिया गया था। मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी को संशोधित किया गया है ताकि छात्रों को अपनी पसंद के चिकित्सा बीमा का चयन करने की छूट हो, छात्रों के खातों में छात्रवृत्ति बकाया सीधे हस्तांतरित करने के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से संवितरण आरंभ किया गया है,ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी भा.सां.सं.प. विदेशी छात्रों को छात्रवृत्ति वृत्तिका और मकान किराया भत्ते को भा.सां.सं.प. मुख्यालय से केंद्रीय रूप से अंतरित किया जा सके। छात्रों की कुशल देख-रेख करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के विलय के भाग के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में एक नई दिल्ली कार्यालय स्थापित किया गया था। इससे पूर्व, दिल्ली क्षेत्र में छात्रों की भा.सां.सं.प. मुख्यालय द्वारा देख-रेख की जाता थी। अब, नई दिल्ली कार्यालय दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के छात्रों की देख-रेख करता है।

वर्ष के दौरान किए गए अन्य सुधार निम्नवत हैं:

क)	विदेशी विद्वानों की सुविधा के लिए भा.सां.सं.प. की वृत्तिका प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।
ख)	भा.सां.सं.प. ने भा.सां.सं.प. विदेशी छात्रों को योग और आयुर्वेद के साथ-साथ भारतीय कला, संस्कृति, विरासत, परंपरा, विधि, अर्थव्यवस्था, जलवायु, नृत्य, संगीत, पाक कला, धार्मिक संस्कारों आदि के बारे में शिक्षित करने के लिए अभिविन्यास-सह-सांस्कृतिक पाठ्यक्रम आरंभ किए हैं।
ग)	भा.सां.सं.प. ने क्षेत्रीय कार्यालयों और छात्रों का मार्गदर्शन करने और उन्हें परामर्श प्रदान करने के लिए क्षेत्रीय सलाहकार समितियों का भी गठन किया है।

विदेशी छात्रों के लिए भा.सां.सं.प. कल्याण क्रियाकलापों को भा.सां.सं.प. मुख्यालय, इसके क्षेत्रीय कार्यालयों और विश्वविद्यालयों के बीच सक्रिय समन्वय और सहयोग के साथ बढ़ाया गया था। अनेक स्रोतों के माध्यम से पूर्व छात्र डेटाबेस को तैयार किया गया है। विदेशों में अनेक भारतीय मिशनों ने भारतीय संस्थानों के पूर्व छात्र संघों (एएआईआई) का गठन किया है। मार्च 2021 में, पहली बार भारत-उज्बेकिस्तान पूर्व छात्र संघ को उज्बेकिस्तान में आरंभ किया गया था। मिशनों द्वारा नियमित आधार पर पूर्व छात्रों के साथ नित्य जुड़ने के लिए एक सक्रिय कार्यनीति तैयार की गई थी।

विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दी जाने वाली छात्रवृत्तियों का ब्यौरा अनुलग्नक 3क, 3ख, 3ग, 3घ, 3ङ में उपलब्ध है।

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस

अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस के अवसर पर और दिनांक 08 दिसंबर, 2021 को भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती मनाने के लिए, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र महोत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विश्वभर के 23 देशों ने भाग लिया। माननीय राज्य मंत्री (विदेश मंत्रालय), श्री आर. आर. सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, विभिन्न देशों के छात्र प्रतिनिधिमंडलों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रदर्शन किए और अपनी परंपराओं और आदर्शों का उल्लेख किया। भा.सां.सं.प. द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के कुछ चित्र नीचे देखे जा सकते हैं:

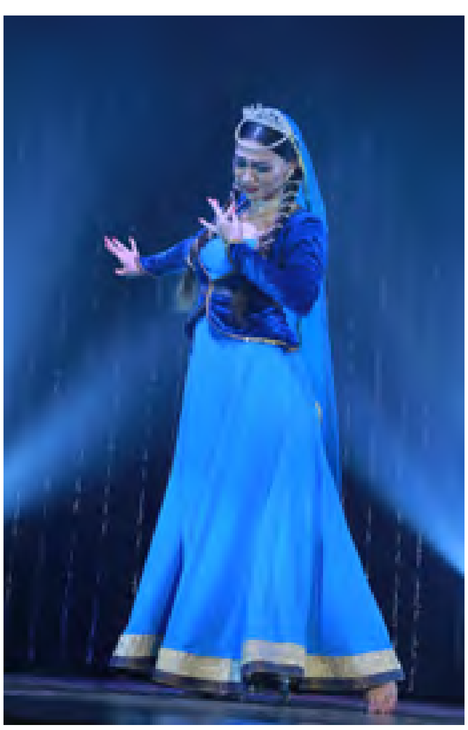

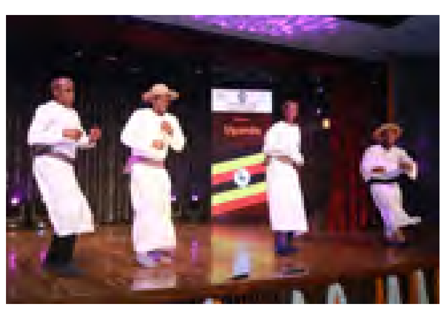

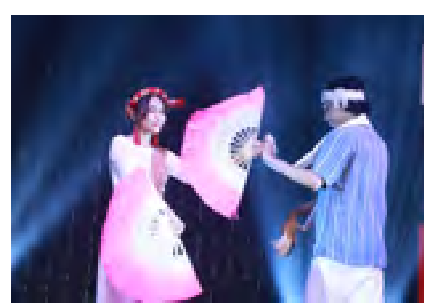

डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन

डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) के सहयोग से दिनांक 9 से 10 अप्रैल, 2021 के दौरान डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन का आयोजन किया था। सम्मेलन में असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों के कुल चालीस विदेशी छात्रों और भा.सां.सं.प. विद्वानों ने भाग लिया।

वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ स्टूडेंट्स एंड यूथ (डब्ल्यूओएसवाई) द्वारा दिनांक 15 से 17 दिसंबर, 2021 तक चेन्नई, गोवा, लखनऊ, पुणे और तिरुवनंतपुरम में भा.सां.सं.प. के क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रत्यायन के तहत अध्ययनरत विदेशी छात्रों के लिए अभिविन्यास-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

हिन्दी संवर्धन

हिंदी कार्यशाला

जून 25,2021 में परिषद द्वारा विषय 'हिंदी टिप्पणी एवं पत्र लेखन' पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अगस्त 26, 2021 में परिषद में हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा करने हेतु उप महानिदेशक महोदय की अध्यक्षता में परिषद की राजभाषा कार्यन्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

सितंबर 20, 2021 को परिषद द्वारा विषय 'संघ की राजभाषा नीति और हमारा दायित्व' पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हिंदी कार्यशाला

हिंदीं पखवाड़ा

दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2021 को परिषद द्वारा हिंदीं पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं (हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं पत्र लेखन प्रतियोगिता और श्रुतलेख) का आयोजन किया गया और उप महानिदेशक महोदय(प्रशासन) द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि प्रदान की गई। दिनांक 28 सितम्बर, 2021 को हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें परिषद के अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपना काव्यपाठ प्रस्तुत किया। एक झलक:

गगनांचल

परिषद द्वारा देश व विदेश में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से हिन्दी द्विमासिक पत्रिका गगनांचल का प्रकाशन किया जाता है।

अगस्त 2021 में परिषद द्वारा हिंदी द्विमासिक पत्रिका गगनांचल वर्ष 44 अंक-3 (मई-जून) 2021 का प्रकाशन किया गया। अक्तूबर, 2021 में परिषद द्वारा हिंदी द्विमासिक पत्रिका 'गगनांचल' वर्ष 44 अंक-4 (जुलाई-अगस्त) 2021 का प्रकाशन किया गया।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2020-21 से गगनांचल पत्रिका को सम्मानित किया गया है ।

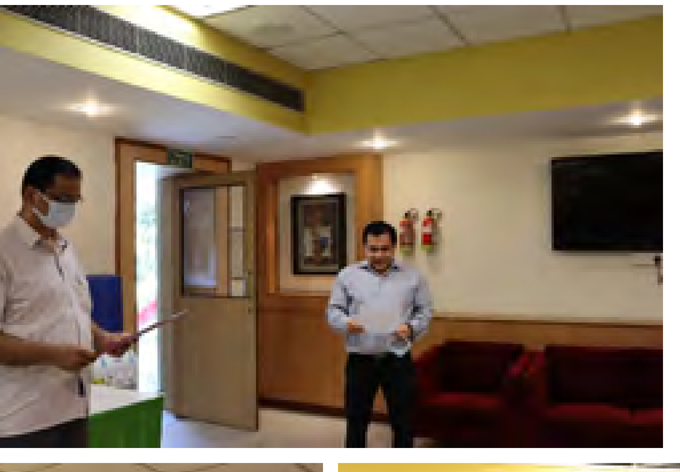

हिंदी दिवस

श्री राजीव कुमार, उप महानिदेशक, भारतीय सास्कृतिक संबंध परिषद दिनांक 14 सितम्बर, 2021 को हिंदी दिवस के अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परिषद के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा शपथ दिलाते हुए।

भा.सां.सं.प.

पुरस्कार

परिषद ने कई पुरस्कारों की स्थापना की है, जो विदेशी नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं, इसके जनादेश के तहत अन्य देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए लोगों से लोगों के बीच संपर्क शामिल है। वर्तमान में पुरस्कार अनुभाग के अंतर्गत निम्नलिखित पुरस्कार:-

विशिष्ट इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार

वार्षिक "भा.सां.सं.प. विशिष्ट इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार" की स्थापना 2015 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा आयोजित पहले विश्व इंडोलॉजी सम्मेलन के दौरान की गई थी, जिसमें विदेशों में भारतीय अध्ययन को बढ़ावा देने के दायरे पर विचार-विमर्श करने के लिए भारतीय विद्वानों के साथ दुनिया भर के प्रमुख भारतविदों को एक मंच पर लाया गया था। यह पुरस्कार एक विदेशी विद्वान को भारतीय अध्ययन के क्षेत्र में, अध्ययन, शिक्षण और अनुसंधान में उसके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। इस वर्ष 2018 के लिए प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के लिए पुरस्कार समारोह 30 जून, 2021 को इंडिया ग्लोबल वीक के दौरान लंदन में आयोजित किया गया था। ग्रेट ब्रिटेन के प्रोफेसर वर्नर मेनस्की (श्रीमती मेनस्की के साथ तस्वीर में) को श्री अमीश त्रिपाठी, निदेशक, नेहरू सेंटर, लंदन द्वारा प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार - 2018 से सम्मानित किया गया।

विश्व संस्कृत पुरस्कार

वार्षिक "विश्व संस्कृत पुरस्कार" की स्थापना की घोषणा विदेश मंत्री स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज ने जून 2015 में बैंकॉक में आयोजित 16 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान की थी, जिसमें संस्कृत अध्ययन को बढ़ावा देने में विदेशी विद्वानों के योगदान को मान्यता दी गई थी। यह पुरस्कार संस्कृत भाषा और साहित्य में अध्ययन, शिक्षण और अनुसंधान में उनके योगदान के लिए एक विदेशी विद्वान को प्रदान किया जाता है।

विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार

भारत हमेशा विदेशी छात्रों और विद्वानों के लिए अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को समृद्ध करने के लिए एक आकर्षक गंतव्य रहा है। आजादी के बाद से, भारत सरकार ने हमेशा विदेशी छात्रों का भारत में अध्ययन करने के लिए स्वागत किया है। परिषद में विदेशी छात्रों के लिए एक व्यापक छात्रवृत्ति कार्यक्रम है। यह प्रतिवर्ष दुनिया भर के देशों के छात्रों को भारतीय संस्थानों में स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान स्तरों पर भारतीय प्रदर्शन / दृश्य कला में शैक्षणिक और अन्य पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में छात्रवृत्ति वितरित करता है। भारत में अध्ययन करने वाले विदेशी छात्र भारत के सद्भावना राजदूत हैं और समय के साथ, उन्होंने अपने संबंधित देशों में प्रभावशाली स्थान हासिल किए हैं। भारत में अध्ययन करने वाले विदेशी छात्रों की उपलब्धियों को पहचानते हुए, " विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार" 2015 में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार भारत में अध्ययन करने वाले विदेशी नागरिकों को भारत और उनके संबंधित देशों के लोगों के बीच समझ, सद्भावना और दोस्ती को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।

बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) ने विश्व स्तर पर बौद्ध अध्ययनों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी विद्वानों/व्यक्तियों/ संगठनों के योगदान को मान्यता देने के लिए एक पुरस्कार की स्थापना की है। परिषद ने प्रमुख बौद्ध विद्वानों को बौद्ध अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए एक पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस पुरस्कार में 20,000 अमेरिकी डॉलर का नकद पुरस्कार, पट्टिका और स्वर्ण पदक शामिल हैं। बौद्ध अध्ययन को संस्कृत और इंडोलॉजी के समान माना जाएगा।

वर्ष 2021 के लिए ओटानी विश्वविद्यालय, जापान को 29 मार्च 2022 को 'संगठन श्रेणी' के तहत पहला बौद्ध पुरस्कार प्रदान किया गया ।

भा.सां.सं.प.

महत्वपूर्ण वार्षिक कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2021 को कोविड-19 के कारण सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंधों के चलते विश्वभर में वर्चुअल /सामान्य पद्धति से मनाया गया। भा.सां.सं.प. ने 174 देशों में 125 मिशनों और 50 पोस्टों के माध्यम से सातवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2021 को मनाया।

हंगरी में भारतीय दूतावास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 समारोह

लाओ पीडीआर में भारतीय दूतावास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 समारोह

नेपाल में भारतीय दूतावास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 समारोह

ताजिकिस्तान में भारतीय दूतावास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 समारोह

आयरलैंड में भारतीय दूतावास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 समारोह

कोट डिलवायर में भारतीय दूतावास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021 समारोह

परिषद के संस्थापक को स्मरण करना

भा.सां.सं.प. के संस्थापक अध्यक्ष, मौलाना अबुल कलाम आजाद को हर वर्ष दिनांक 11 नवंबर को उनकी जयंती पर उनकी मजार पर श्रद्धांजलि अर्पित करके स्मरण किया जाता है। इस वर्ष मौलाना आजाद की 133वीं जयंती, उनकी मजार के साथ-साथ भा.सां.सं.प. मुख्यालय में एक छोटी सी सभा के साथ मनाई गई।

भा.सां.सं.प. के संस्थापक अध्यक्ष, मौलाना आजाद की पुण्यतिथि प्रत्येक वर्ष दिनांक 22 फरवरी को मनाई जाती है। इस वर्ष, उनकी 64वीं पुण्यतिथि पर उनकी मजार और आजाद भवन परिसर में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

भा.सां.सं.प.
विशेष परियोजनाएं

भारतीय वायुयान कंपनियों द्वारा संचालित उड़ानों में भारतीय संगीत को बढ़ावा देना

भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को अनूठे और अभिनव तरीके से बढ़ावा देना, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की प्राथमिकता रही है। यह पाया गया है कि हमारे स्वयं के लोगों के हितों का स्तर, विशेष रूप से उच्च समाज में कम हो गया है। हवाई उड़ानों के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय और नृजातीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष द्वारा की गई पहल का माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने समर्थन किया। दिनांक 23 दिसंबर, 2021 को भारतीय वायुयान कंपनियों द्वारा संचालित उड़ानों में 'भारतीय संगीत के संवर्धन' विषय पर एक बैठक भा.सां.सं.प. में आयोजित की गई थी। मालिनी अवस्थी, अनु मलिक, पंडित संजीव अभ्यंकर, कौशल एस. इनामदार, पंडित शौनक अभिषेक, मंजूषा पाटिल कुलकर्णी, रीता गांगुली, वसीफुद्दीन डागर जैसे प्रख्यात संगीतकार बैठक में शामिल हुए। 'भारतीय हवाई कंपनियों द्वारा संचालित उड़ानों में भारतीय संगीत के संवर्धन' के लिए भा.सां.सं.प. की यह अनूठी पहल हमारी बहुआयामी संस्कृति के प्रचार और व्यापक श्रोताओं तक इसके प्रसार में मदद करेगी।

Maestros bat for Indian classical music in flights

Eminent artistes, ICCR urge Scindia to play this also at Indian airports

RAJESH KUMAR ■ NEW DELHI

Union Minister for Civil Aviation Jyotiraditya Scindia receives a memento from President ICCR Vinay Sahasrabuddhe, musicians Anu Malik, Pt Sanjeev Abhyankar and Pt Shaunak Abhishek during an event for 'promotion of Indian music in flights operated by airlines of Indian origin', in New Delhi, on Thursday PTI

Eminent artistes, singers and music composers along with the Indian Council for Cultural Relations (ICCR) have urged the Union Civil Aviation Minister Jyotiraditya Scindia to make it mandatory that only Indian classical or instrumental music be played in flights being operated in India and at airports in the country to connect people emotionally with the country's traditions.

Renowned music composer and singer Anu Malik, Manjusha Patil-Kulkarni, Kaushal Inamdar, Wasifuddin Dagar, Rita Ganguly, Shounak Abhisheki, Malini Awasthi and Pandit Sanjeev Abhyankar and ICCR president Vinay Sahasrabuddhe signed the letter. The same was also endorsed by Rajya Sabha member and Padma Bhushan awardee Sonal Man Singh, Padam Shree awardee Kailash Kher, Hindustani classical vocalist Pt Ajoy Chakrabarty and Kalapini Komkali. A few years ago, Air India had introduced Indian classical music in some of its long route flights. Pakistan has been doing this since 1970.

The ICCR, which works under the Ministry of External Affairs, said on Twitter that various suggestions were made during the meeting "including promotion of Indian music in flights operated by the Indian air companies." Scindia visited the headquarters of the ICCR on Thursday and met Sahasrabuddhe.

"... Playing Indian classical or light vocal and instrumental music in aircraft being operated in India and also at various airports be made mandatory for all India-based airlines," read the letter.

The letter added music played by most airlines across the globe is the quintessential of the country to which the airline belongs. "For example, it is most likely that we shall come across Jazz in an American airline or Mozart in an Austrian airline and Arab music in an airline from the Middle East.

Continued on Page 2

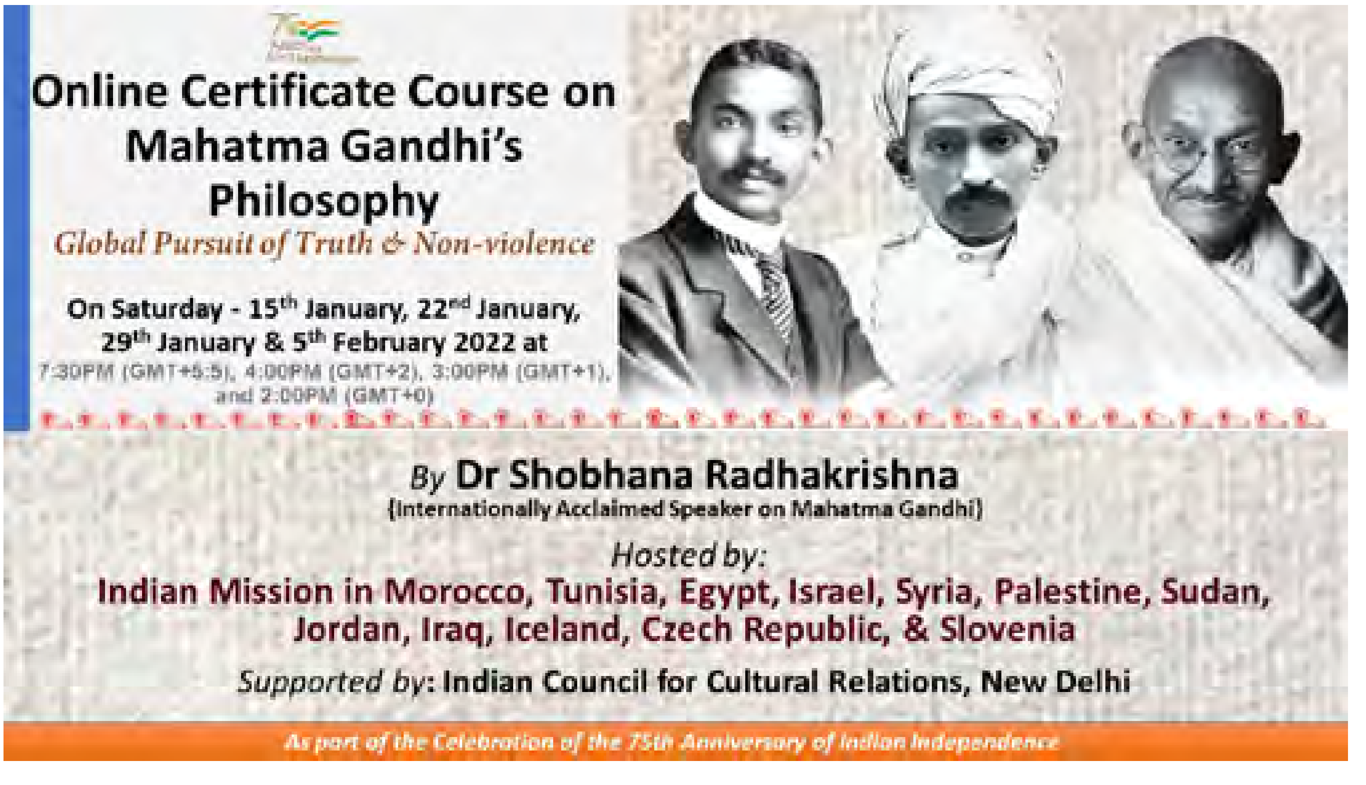

गांधीवादी दर्शन पर ऑनलाइन कक्षाएं

भारत@75 के भाग के रूप में, भा.सां.सं.प. ने 'गांधीयन फोरम' की श्रीमती शोभना राधाकृष्ण के सहयोग से मार्च, 2021 से विभिन्न देशों में इच्छुक प्रतिभागियों के लिए गांधीवादी दर्शन पर ऑनलाइन कक्षाएं आरंभ की हैं। भा.सां.सं.प. के अनुरोध पर प्रत्येक मिशन ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने वाले 20 प्रतिभागियों को पंजीकृत करता है जो ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेते हैं और उनकी सफल भागीदारी के बाद, प्रतिभागियों को श्रीमती शोभना राधाकृष्ण और संबंधित राजदूत द्वारा डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र सौंपे जाते हैं। इस पहल के तहत कुल 59 देशों को पहले ही कवर किया जा चुका है। इन कक्षाओं के आयोजन के पीछे उद्देश्य, युवा पीढ़ी के बीच गांधीवादी मान्यताओं और पद्धतियों को विकसित करना है।

भा.सां.सं.प.

वित्त और लेखा

भा.सां.सं.प. को 388.49 करोड़ रुपये की अनुमानित मांग के समक्ष 300.00 करोड़ रुपये का सहायता अनुदान प्राप्त हुआ। इसके अलावा, कोविड-19 महामारी के कारण संशोधित अनुमान को घटाकर 239.74 करोड़ रुपये करने का अनुरोध किया गया। भा.सां.सं.प., आवंटित अनुदान के भीतर महत्वपूर्ण क्रियाकलापों की एक श्रृंखला को लागू करने में सक्षम हुआ। वित्त और लेखा से संबंधित क्रियाकलापों की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं :

(i) वर्ष 2020-21 के लिए भा.सां.सं.प. के वार्षिक लेखा तैयार कर लिए गए हैं। इसे भारत में 19 क्षेत्रीय कार्यालयों और विदेशों में 37 आईसीसी के साथ कड़ी अनुवर्ती कार्रवाई के बाद पूरा किया गया था ।

(ii) भा.सां.सं.प. में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के कार्यान्वयन को ध्यान में रखते हुए 'मेकर एंड चेकर' तैयार करने के लिए आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। भा.सां.सं.प. ने वर्ष 2021-22 के लिए पीएफएमएस प्लेटफॉर्म पर व्यय को फाइल करना प्रारंभ कर दिया है। इसके अलावा, सभी छात्रवृत्तियों का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अलावा, भा.सां.सं.प. में टीएसए (ट्रेजरी सिंगल अकाउंट) को लागू किया गया है और अनुदान सहायता से सभी भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से आरबीआई खाते से जारी किए जा रहे हैं।

(iii) इलेक्ट्रॉनिक पद्धति के माध्यम सभी भुगतान, सीधे विक्रेता/ लाभार्थी के बैंक खाते में किए जाते हैं, दिनांक 01 अप्रैल, 2021 से सभी बिलों को संसाधित करने तथा भुगतान को पीएफएमएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाता है।

(iv) वर्ष 2019-20 के लिए भा.सां.सं.प. के वार्षिक लेखा और वार्षिक प्रतिवेदन को दिनांक 11 अगस्त, 2021 (राज्य सभा) और 03 दिसम्बर, 2021 (लोक सभा) को संसद पटल पर रखा गया था।

(v) दिनांक 12 अक्तूबर, 2021 को भा.सां.सं.प. की 81वीं वित्त समिति की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें वर्ष 2020-21 के लिए भा.सां.सं.प. के वार्षिक लेखा को मंजूरी दी गई थी। वित्त समिति के सभापति से अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् भा.सां.सं.प. के दिनांक 18 अक्तूबर, 2021 के पत्र के माध्यम से कार्यवृत्त परिचालित किए किए गए थे।

(vi) वित्त वर्ष 2020-21 के लिए परिषद के वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय द्वारा उनकी दिनांक 11 दिसम्बर, 2021 को आयोजित बैठक में भी अनुमोदित किया गया है।

(vii) 'प्रोडक्टिव फावर्ड प्लानिंग' सुनिश्चित करने के लिए 135 से भी अधिक मिशनों/पोस्टों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए भा.सां.सं.प. की तीन वर्षीय कार्य योजना तैयार/संकलित की गई है। इसे भा.सां.सं.प. के सांविधिक निकायों द्वारा दिनांक 11 दिसम्बर, 2021 को विधिवत रूप से अनुमोदित किया गया है।

(viii) लेखापरीक्षा महानिदेशक (गृह, शिक्षा और कौशल विकास) के कार्यालय द्वारा वित्त वर्ष 2020-21 के लिए भा.सां.सं.प. के लेखाओं की लेनदेन लेखा परीक्षा 03 जनवरी, 2022 से 21 जनवरी, 2022 तक आयोजित की गई थी।

(ix) चालू वित्त वर्ष के दौरान कोविड-19 महामारी के कारण भा.सां.सं.प. मुख्यालय के एक दल द्वारा उसके क्षेत्रीय कार्यालयों के संबंध में आंतरिक लेखापरीक्षा नहीं की गई थी। तथापि, सितंबर अंत से अक्तूबर, 2021 तक अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सत्यापन लेखापरीक्षा की गई थी।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान शीर्ष-वार व्यय नीचे दिया गया है :

क. सामान्य क्रियाकलाप - राजस्व लेखे **(आंकड़े लाख में)**

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय (नवंबर, 2021 तक)
1	आवक और जावक आगंतुक और प्रतिनिधिमंडल	172.73
2	भा.सां.सं.प. की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां	3.03
3	श्रव्य-दृश्य रिकॉर्डिंग, डिजिटलीकरण	0.00
4	संगोष्ठियां/परिसंवाद/सम्मेलन/व्याख्यान/एसआईएस	37.82
5	अंतर्राष्ट्रीय छात्र प्रभाग/ पूर्व छात्र पुरस्कार	927.09
6	प्रदर्शनियों/आवक्ष प्रतिमाएं/अभिविन्यास अनुदान	165.83
7	पुस्तकों और कला वस्तुओं की प्रस्तुति	2.18
8	प्रकाशन	0.00
9	ग्रंथालय	5.84
10	मल्टीमीडिया और वेबसाइट	103.64
11	हिंदी संबंधी क्रियाकलाप	10.75
12	त्योहार	0.00
13	अध्येतावृत्ति	0.12
14	विविध निक्षेप	0.00
	कुल क	**1429.03**

ख. विदेशों में परियोजनाएं **(आंकड़े लाख में)**

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय
1	विदेशों में सांस्कृतिक केंद्र	6079.86
2	भारतीय अध्ययन पीठ/केन्द्र	391.43
3	कासा डा ला इंडिया (स्पेन) और बुसान को अनुदान	89.96
4	संसाधक व्यक्तियों की तैनाती	65.96
5.	केंद्रों में शिक्षक (टीआईसी)	81.91
6.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (वर्ष 2018)	465.51
	कुल ख	**7174.63**

ग. निर्धारित प्रभार **(आंकड़े लाख में)**

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय
1	जीए/ जीबी और अन्य समितियों की बैठक	3.48
2	केन्द्रीय और क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना (ऋण और अग्रिम)	5134.09
3	कार्यालय व्यय	727.96
	कुल ग	**5865.53**

घ. पूंजीगत व्यय **(आंकड़े लाख में)**

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय
1	वातानुकूलन/फर्नीचर/उपकरण/वाहन/कंप्यूटर	68.64
2	जिन्ना हाउस का रखरखाव	2.22
	कुल घ	**70.86**
	कुल योग (क से घ)	**14540.05**

सामान्य क्रियाकलापों के अतिरिक्त, परिषद ने विदेश मंत्रालय और अन्य सरकारों/ विभागों / मंत्रालयों की ओर से विभिन्न एजेंसी कार्य भी किए, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

(आंकड़े लाख में)

क्रम संख्या	विभाग का नाम	प्राप्तियां	व्यय (नवंबर, 2021 तक)
क.	विदेश मंत्रालय छात्रवृत्ति	7284.98	8615.78
ख. अन्य सरकार/ विभाग/ मंत्रालय			
1	विदेशों में हिंदी का प्रचार (केंद्रीय हिंदी संस्थान)	---	---
2	आयुष 'गैर-बिम्सटेक' (स्वास्थ्य)	494.36	323.37
3	एसईएआर के लिए आयुष छात्रवृत्ति		
4	मलेशिया के लिए आयुष छात्रवृत्ति		
5	ओकेआईटीए मेमोरियल स्कीम	1.08	0.00
	कुल	**7780.42**	**8939.15**

भा.सां.सं.प.

अनुलग्नक

अनुलग्नक 1

सामान्य सभा के सदस्यों की सूची

कार्यालय	नाम	ब्योरा
अध्यक्ष	**डॉ. विनय सहस्रबुद्धे**	अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और सांसद, राज्यसभा
तीन उपाध्यक्ष	**श्री हर्षवर्धन श्रृंगला**	विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली -पदेन उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
	श्री हंस राज हंस	भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के उपाध्यक्ष और संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली
	श्री अद्वैत चरण गडनायक	उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद तथा महानिदेशक, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली
महानिदेशक, भा.सां.सं.प.	**श्री दिनेश पटनायक** दिनांक 21/12/2021 तक **श्री कुमार तुहीन** दिनांक 21/12/2021 से अबतक	महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली
वित्तीय सलाहकार	**श्री राज कुमार गोयल**	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, विदेश मंत्रालय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली
भारत सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट 05 व्यक्ति	**श्री के. संजय मूर्ति**	सचिव (उच्चतर शिक्षा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री गोविंद मोहन	सचिव, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री अरविंद सिंह	सचिव, पर्यटन मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री उपेन्द्र प्रसाद सिंह	सचिव, वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री के राजारमन (अतिरिक्त प्रभार)	सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली
लोकसभा के दो सदस्य	**श्रीमती नवनीत रवि राणा**	संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली
राज्यसभा के एक सदस्य	**श्री राकेश सिन्हा**	संसद सदस्य (राज्य सभा), नई दिल्ली
ललित कला अकादमी, साहित्य अकादमी और संगीत नाटक अकादमी से एक-एक प्रतिनिधि	**सुश्री उमा नंदूरी**	अध्यक्ष, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली
	डॉ. के. श्रीनिवासराव	सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
	श्रीमती तेमसुनारो जमीर	सचिव, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली
परिषद के अध्यक्ष द्वारा अपनी व्यक्तिगत क्षमता में भारतीय संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों से नामनिर्दिष्ट प्रख्यात दस व्यक्ति	**श्री नितिन भाई दवे**	मुंबई, महाराष्ट्र
	श्रीमती जया जेटली	नई दिल्ली
	श्री दीपक करंजीकर	मुंबई, महाराष्ट्र
	श्री गुरुमयुम बिसेश्वर शर्मा	इम्फाल (पूर्व), मणिपुर
	सुश्री मालिनी अवस्थी	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
	सुश्री अद्वैत कला (दिनांक 13 जनवरी, 2022 तक सेवारत रहीं)	गुरुग्राम, हरियाणा
	श्री आरिफ नूरानी	मुंबई, महाराष्ट्र
	डॉ. अरिंदम मुखर्जी	निदेशक, भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
	सुश्री लिली पांडेय	निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली

शासी निकाय द्वारा चयनित इस श्रेणी के संस्थानों और संगठनों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रदर्शन कला, ललित कला और प्लास्टिक कला के क्षेत्र के दस प्रख्यात कलाकार	**सुश्री चित्रा विश्वेश्वरन**	भरतनाट्यम नृतकी, चेन्नई, तमिलनाडु
	पंडित विश्व मोहन भट्ट	संगीतकार (मोहन वीणा), जयपुर, राजस्थान
	सुश्री कविता कृष्णमूर्ति	पार्श्व गायक, बेंगलुरु, कर्नाटक
	श्री कौशल एस. इनामदार	संगीतकार, मुंबई, महाराष्ट्र
	श्री नरेश कुमार कुमावत	मूर्तिकार, गुरुग्राम, हरियाणा
	श्री विवेक अग्निहोत्री	फिल्म निर्माता, मुंबई, महाराष्ट्र
	डॉ. प्रकाश खांडगे	लोक कलाकार, मुंबई, महाराष्ट्र
	श्री वसीफुद्दीन डागर	गायक संगीतकार (ध्रुपद), नई दिल्ली
	श्री सुदर्शन ठाकुर	सचिव, श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र गुवाहाटी, असम
	श्रीमती ताना यामी	जनजातीय कलाकार, पापुम पारे जिला, अरुणाचल प्रदेश
विश्वविद्यालयों या सम विश्वविद्यालय संस्थानों के 15 प्रतिनिधियों का चयन शासी निकाय द्वारा किया जाएगा	**प्रो (डॉ.) करभरी विश्वनाथ काले**	कुलपति, सावित्रीबाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
	प्रो. सुधीर के. जैन	कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
	प्रो. राज कुमार	कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
	प्रो. सुनयना सिंह	कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर, जिला नालंदा, बिहार
	डॉ. पी. वेंकट रंगन	कुलपति, अमृता विश्व विद्यापीठम कोयंबटूर, तमिलनाडु
	प्रो मुरली मनोहर पाठक	कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
	डॉ. विद्या येरावडेकर	सम-कुलपति, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (सम विश्वविद्यालय), पुणे, महाराष्ट्र
	डॉ. एम. डी. वेंकटेश	कुलपति, मणिपाल एकेडमी ऑफ हॉयर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
	श्री शेखर कपूर	अध्यक्ष, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआई) पुणे, महाराष्ट्र
	प्रो. प्रभा शंकर शुक्ल	कुलपति, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग, मेघालय
	डॉ. जे.पी. शर्मा	कुलपति, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू
	प्रोफेसर (पं.) साहित्य कुमार नाहर	कुलपति, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
	प्रो. वी.के. श्रीवास्तव	कुलपति, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा वडोदरा, गुजरात
	प्रो विश्वनाथ डी. सबाले	संकाय अध्यक्ष, सर जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र
	डॉ. ईश्वर बासवरद्दी	निदेशक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली

शासी निकाय द्वारा चयनित प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों के पांच प्रतिनिधि	**सुश्री नीलम नाडकर**	प्राचार्य (प्रभारी), इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, मुंबई, महाराष्ट्र
	डॉ. एच. आर. नागेंद्र	कलाधिपति, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान, बेंगलुरू, कर्नाटक
	प्रो. तनुजा मनोज नेसारी	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), दिल्ली
	प्रो. अनिल दत्तात्रेय सहस्रबुद्धे	अध्यक्ष, एआईसीटीई, नई दिल्ली
	प्रो. राजीव शेखर	निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस), धनबाद, झारखंड
शासी निकाय द्वारा मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान संस्थानों और उच्च शिक्षा संस्थानों के पांच प्रतिनिधियों का चयन किया गया	**प्रो. शांतिश्री धूलीपुडी पंडित**	कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
	प्रो. नजमा अख्तर	कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
	डॉ. चिन्मय पंड्या	सम-कुलपति, देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड
	प्रो. वी.के. मल्होत्रा	सदस्य सचिव भारतीय सामाजिक विज्ञान एवं अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
	प्रो. ई. सुरेश कुमार	कुलपति, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
परिषद के कार्य और उद्देश्यों में रुचि रखने वाले अन्य संगठनों से शासी निकाय द्वारा पांच प्रतिनिधियों का चयन	**प्रो.एम. जगदीश कुमार**	अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
	डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल,	महासचिव, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
	श्री चामू कृष्ण शास्त्री	न्यासी, संस्कृति प्रमोशन फाउंडेशन, तंजावुर, तमिलनाडु
	कुमारी निवेदिता भिड़े	उपाध्यक्ष, विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी, केरल
	श्रीमती नीलांजना रॉय,	सचिव, संस्कार भारती, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

ऊपर दी गई सूची में यथा उल्लिखित आम सभा के सदस्यों को नामनिर्दिष्ट किया जाता है। जहां अन्यथा उल्लेख किया गया है, उसके अलावा, आम सभा का कार्यकाल तीन वर्ष है।

अनुलग्नक 2

शासी निकाय के सदस्यों की सूची

कार्यालय	नाम	पदनाम
अध्यक्ष	**डॉ. विनय सहस्रबुद्धे**	अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और सांसद, राज्यसभा
एफएस/ पदेन उपाध्यक्ष	**श्री हर्षवर्धन श्रृंगला**	विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय पदेन उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
आम सभा द्वारा चुने गए दो उपाध्यक्ष	**श्री हंस राज हंस**	उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली
	श्री अद्वैत चरण गडनायक	उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और महानिदेशक नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्टस्, नई दिल्ली
महानिदेशक	**श्री दिनेश पटनायक** दिनांक 21/12/2021 तक **श्री कुमार तुहीन** दिनांक 21/12/2021 से अबतक	महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
वित्तीय सलाहकार	**श्री राज कुमार गोयल**	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
भारत सरकार द्वारा आम सभा में नामित सदस्य में से तीन सदस्य	**श्री के. संजय मूर्ति**	सचिव (उच्चतर शिक्षा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री गोविंद मोहन	सचिव, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री अरविंद सिंह	सचिव, पर्यटन मंत्रालय, नई दिल्ली
आम सभा द्वारा अपने सदस्यों में से चयनित नौ सदस्य, जिनमें से कम से कम एक राज्य सभा का और दो लोक सभा के सदस्य होंगे	**सुश्री उमा नंदूरी**	अध्यक्ष, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली
	डॉ. के. श्रीनिवासराव	सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
	श्रीमती तेमसुनारो जमीर	सचिव, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली
	श्रीमती नवनीत रवि राणा	संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली
	श्री राकेश सिन्हा	संसद सदस्य (राज्य सभा), नई दिल्ली
	श्री दीपक करंजीकर	मुंबई, महाराष्ट्र
	सुश्री मालिनी अवस्थी	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
	श्री आरिफ नूरानी	मुंबई, महाराष्ट्र
	डॉ. अरिंदम मुखर्जी	निदेशक, भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

शासी निकाय के सदस्यों को आम सभा से चुना जाता है।

अनुलग्नक 3क

विश्वभर की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना
शिक्षा वर्ष 2021-22 के दौरान भा.सां.सं.प. पेशकश की गई छात्रवृत्तियां

क्रम संख्या	कोड	छात्रवृत्ति योजना का नाम	कवर किए गए पाठ्यक्रम	पेशकश किए गए स्लॉट	स्वीकार किए गए स्लॉट
1	ए1201	सामान्य छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	580	365
2	ए1206	सीईपी/ईईपी छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	152	60
3	ए1203	राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	26	9
4	ए1209	भारतीय संस्कृति के लिए भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति योजना	नृत्य, संगीत, भारतीय रंगमंच, पाक कला, योग/कला	100	82
5	ए1202	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	100	99
6	ए1204	श्रीलंकाई छात्रों के लिए नेहरू मेमोरियल स्कॉलरशिप स्कीम (भा.सां.सं.प.)	स्नातक, स्नातकोत्तर	60	7
7	जी0179	अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	908	916
8	जी0172	मेकांग गंगा सहयोग छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	50	23
9	जी0178	अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों के लिए के बच्चों/आश्रितों हेतु छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर	361	3
10	जी0175	अफगान नागरिकों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना	स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	1000	575
11	जी0102	नेपाल के लिए रजत जयंती छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	64	64
12	जी0183	मंगोलियाई नागरिकों के लिए ‘एड टू मंगोलिया स्कालरशिप स्कीम‘	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	20	7
13	जी0192	भूटानियों नागरिकों के लिए ‘एड टू भूटान स्कालरशिप स्कीम‘	स्नातक, (केवल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम)	20	20
14	जी0164	मालदीव के नागरिकों के ‘एड टू मालदीव स्कालरशिप स्कीम‘	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	20	4
15	जी0191	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए भारत छात्रवृत्ति (बांग्लादेश) योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. (इंजीनियरिंग के अलावा, सामान्य पाठ्यक्रम)	100	101
16	जी0194	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना (बीजीबीएसएस)	स्नातक, (केवल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम)	20	7
17	जी0184	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए ‘नेहरू मेमोरियल स्कॉलरशिप’ योजना (एमईए)	केवल स्नातक	60	11
18	जी0185	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए मौलाना आजाद छात्रवृत्ति योजना	कृषि विज्ञान और इंजीनियरिंग में निष्णात उपाधि	50	34
19	जी0186	श्रीलंकाई छात्रों के लिए राजीव गांधी छात्रवृत्ति योजना	क्षेत्र में अध्ययन के लिए आईटी (बीई/बीटेक पाठ्यक्रम)	25	6
20	जी0139	आयुष छात्रवृत्ति योजना (बिम्सटेक)– (99 देशों को कवर करते हुए)	आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का अध्ययन करना	54	
21	जी0615	आयुष छात्रवृत्ति योजना (गैर-बिम्सटेक)– (99 देशों को कवर करते हुए)	आयुर्वेद होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. पाठ्यक्रम	27	
22	जी0621	आयुष छात्रवृत्ति योजना (दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र [एसईएआर])– (10 देशों को कवर करते हुए)	आयुर्वेद होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. पाठ्यक्रम	5	
23	जी0616	मलेशियाई नागरिकों के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना	आयुर्वेद होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. पाठ्यक्रम	23	
			कुल स्लॉट	**3825**	**2393**

अनुलग्नक 3ख

ख. शिक्षा वर्ष के दौरान वित्तपोषण एजेंसियों के अनुसार छात्रवृत्ति का सारांश 2021-22

क्रम संख्या	वित्तपोषण एजेंसी	छात्रवृत्ति योजनाओं की संख्या	छात्रवृत्ति की संख्या
1	भा.सां.सं.प.	06	1018
2	विदेश मंत्रालय	14	2752
3	आयुष मंत्रालय	03	55
	कुल	**23**	**3825**

अनुलग्नक 3ग

आयुष मंत्रालय की ओर से शिक्षा वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित किए गए आयुष छात्रवृत्ति कार्यक्रम

क्रम संख्या	योजना	छात्रवृत्ति	पाठ्यक्रम
1	आयुष छात्रवृत्ति योजना (गैर-बिम्सटेक)– (99 देशों को कवर करते हुए)	27	आयुर्वेद होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, योग में स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. पाठ्यक्रम
2	आयुष छात्रवृत्ति योजना (दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र [एसईएआर]) – (10 देशों को कवर करते हुए)	23	
3	मलेशियाई छात्रों के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना	5	यूनानी, सिद्ध, योग
	कुल छात्रवृत्ति	**55**	

अनुलग्नक 3घ

शिक्षा वर्ष 2021-22 के दौरान डीभा.सां.सं.प.- वित्तपोषित छात्रवृत्ति कार्यक्रम

क्रम संख्या	छात्रवृत्ति योजना	छात्रवृत्ति	पाठ्यक्रम
1	सामान्य छात्रवृत्ति योजना	580	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. पोस्ट-डॉक्टरल पाठ्यक्रम (60 देशों को कवर करते हुए)
2	सीईपी/ईईपी छात्रवृत्ति योजना	152	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. (28 देशों को कवर करते हुए)
3	भारतीय संगीत और नृत्य के लिए भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति योजना	100	नृत्य और संगीत में डिप्लोमा/ प्रमाणपत्र
4	बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना	100	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.
5	श्रीलंका के छात्रों के लिए नेहरू मेमोरियल स्कॉलरशिप स्कीम (भा.सां.सं.प.)	60	स्नातक, स्नातकोत्तर
6	राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति योजना	26	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. (07 देशों को कवर करते हुए)
	भा.सां.सं.प. द्वारा विशिष्ट रूप वित्तपोषित कुल छात्रवृत्तियां	1018	

अनुलग्नक 3ङ

शिक्षा वर्ष 2021-22 के दौरान, भा.सां.सं.प. द्वारा प्रशासित और विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित छात्रवृत्ति कार्यक्रम

क्रम संख्या	छात्रवृत्ति योजना	पेशकश किए गए पाठ्यक्रम	स्लॉट
1	अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	908
2	मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी) छात्रवृत्ति योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	50
3	अफगान नागरिकों के लिए विशेष छात्रवृत्ति	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	1000
4	नेपाल के लिए रजत जयंती छात्रवृत्ति योजना	स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	64
5	मंगोलियाई नागरिकों के लिए मंगोलिया छात्रवृत्ति योजना हेतु सहायता	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	20
6	भूटानी नागरिकों के लिए भूटान छात्रवृत्ति योजना हेतु सहायता	स्नातक (केवल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम)	20
7	मालदीव के नागरिकों के लिए मालदीव छात्रवृत्ति योजना हेतु सहायता	स्नातक	20
8	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए भारत छात्रवृत्ति (बांग्लादेश) योजना	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी. (इंजीनियरिंग के अलावा सामान्य पाठ्यक्रम)	100
9	बांग्लादेशी नागरिकों के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश छात्रवृत्ति योजना (बीजीबीएसएस)	स्नातक	20
10	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए नेहरू मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना	स्नातक	60
11	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए मौलाना आजाद छात्रवृत्ति योजना	कृषि विज्ञान में निष्णात उपाधि	50
12	श्रीलंका के नागरिकों के लिए राजीव गांधी छात्रवृत्ति योजना	सूचना प्रौद्योगिकी (बीई/बी.टेक.) के क्षेत्र में अध्ययन हेतु	25
13	अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बल	स्नातक	361
14.	आयुष छात्रवृत्ति योजना (सभी देशों के छात्रों के लिए उपलब्ध है, तथापि बिम्सटेक देशों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी)	आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी में पारम्परिक चिकित्सा प्रणाली का अध्ययन करना	54
		कुल स्लॉट	**2752**

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

आज़ाद भवन, आई पी एस्टेट, नई दिल्ली–110002
सामान्य न० 011-23379309, 23379310
www.iccr.gov.in

Facebook.com/ICCROfficial/ @ICCROfficial ICCROfficial Youtube.com/ICCROfficial